संवाद से समाधान की ओर जनसेवा को समर्पित सुशासन तिहार | भारतमाला भ्रष्टाचार इओडब्ल्यू के हवाले | स्काईवॉक प्रोजेक्ट पर गरमाई सियासत

वर्ष-01, अंक- 01 मासिक- मई 2025 पृष्ठ- 36 मूल्य- 20 रूपए

मासिक पत्रिका - मई 2025

पंजीयन संख्या- RNI- CHHHIN/25/A0341

jashpurvaninews@gmail.com

स्वतंत्र निर्भिक स्वतंत्र आवाज

जशपुर की आवाज

जशपुर जिला का प्रथम मासिक पत्रिका

विष्णु सुशासन में विकसित छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ता राज्य

डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ की बदल रही तस्वीर

चौतरफा विकास से समृद्ध बन रहा छत्तीसगढ़

सुशासन तिहार

जनता की समस्याओं के समाधान का अभियान

सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के समाधान का अभियान : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। रिमझिम बारिश के बीच आज धमतरी के समाधान शिविर में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नागरिकों की मांग पर 213 करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने हाईटेक बस स्टैण्ड, अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और तीन सड़कों के निर्माण की मंजूरी दी। आज जनता की समस्याओं के समाधान के लिए मिशन मोड में प्रदेश भर में पिछले 54 दिनों से संचालित सुशासन तिहार का आज धमतरी के पुराने कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित इस समाधान शिविर और समीक्षा बैठक के बाद समापन हो गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी के समाधान शिविर में आमजनों से योजनाओं की मैदानी स्थिति की जानकारी ली और व्यक्तिगत रूप से आवेदनों के समाधान की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय स्टालों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रिमझिम बारिश के बावजूद जनसमूह का उत्साह देखते ही बनता था। कमल के फूलों के हार के साथ हजारों की संख्या में नागरिकों ने मुख्यमंत्री का जोशिला स्वागत किया। सुशासन त्योहार के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी जिले की बहुप्रतीक्षित मांगों को पूरा करते हुए 213 करोड़ रुपये के कार्यों की सौगात दी। उन्होंने धमतरी में हाईटेक बस स्टैंड के लिए 18 करोड़ रूपए, एक सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम के लिए 10 करोड़ 50 लाख रूपए, सिहावा चौक से कोलियारी तक फोर लेन सड़क निर्माण 5 किलोमीटर के लिए 69 करोड़ रुपए, रत्नाबन्धा स

मुजगहन तक फोरलेन सड़क के लिए 56 करोड़ रूपए और धमतरी से नगरी मुख्य मार्ग नवीनीकरण और मजबूतीकरण के लिए 60 करोड़ रुपए की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुशासन का अर्थ है -अच्छा शासन। च्सुशासन तिहारज् आपकी समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित त्योहार है। 8 अप्रैल से शुरू हुए इस महाअभियान के प्रथम चरण में राज्य के प्रत्येक जिले में ग्रामीणों से आवेदन लिए गए, दूसरे चरण में आवेदनों पर कार्यवाही की गई और तृतीय चरण में 08 से 10 ग्राम पंचायतों के बीच समाधान शिविरों का आयोजन कर आवेदनों के निराकरण की जानकारी हितग्राहियों को दी गई। सुशासन तिहार के दौरान अचानक गांव में पहुंचकर ग्रामीणों की चौपाल में लोगों से फीडबैक लिया

गया और उनकी समस्याओं का यथासंभव समाधान किया गया। इस दौरान विकास कार्यों का औचक निरीक्षण भी किया गया। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रशासन जनता के प्रति उत्तरदायी और संवेदनशील है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी का मतलब है, पूरी होने की गारंटी। पूर्व सरकार के कार्यकाल में जिन 18 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित किया गया था, उनकी चिंता करते हुए हमारी सरकार ने पहली ही कैबिनेट में इन सभी आवासों को स्वीकृति दी। अब तक लाखों हितग्राहियों को गृहप्रवेश कराया जा चुका है। हाल ही में बिलासपुर में आयोजित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 3 लाख आवास और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अंबिकापुर के कार्यक्रम में 51 हजार से अधिक आवासों का गृहप्रवेश कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आत्मसमर्पित माओवादियों और पीड़ित परिवारों के लिए विशेष 15,000 आवास स्वीकृत किए गए हैं।विशेष जनजातियों कोरवा, पहाड़ी कोरवा, अबुझमाड़िया आदि के लिए 32,000 अतिरिक्त आवास स्वीकृत किए गए हैं। यह सभी पहल दर्शाती हैं कि सरकार समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। महतारी वंदन योजना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 70 लाख से अधिक माताओं को इसका लाभ मिल चुका है। उन्होंने कहा कि यदि किसी महिला का नाम छूट गया है या विवाह के बाद नाम अपडेट करना है, तो उसकी भी सुविधा आगे दी जाएगी। सरकार पूरी संवेदनशीलता से सभी को योजना से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि च्मुख्यमंत्री रामलला दर्शन योजनाज् और च्मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजनाज् के अंतर्गत बुजुर्गों को लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने धमतरी समाधान शिविर में पहुंचे ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं का फीडबैक लिया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित हितग्राही जोधापुर डाकबंगला वार्ड की श्रीमती सुधा मारकण्डे ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें पक्का मकान मिल गया है और अब पानी टपकने और कीड़े-मकोड़े आदि का डर नहीं है।

पंजीयन संख्या- RNI- CHHHIN/25/A0341

जशपुर की आवाज

मुद्रक एवं प्रकाशक
श्रीमती अमृता सहाय

संपादक
प्रशात सहाय

वर्ष : 01

अंक : 01

प्रकाशन की तिथि
25 मई, 2025

मो. 9302887876,9907599002

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक – श्रीमती अमृता सहाय, वार्ड क्रमांक 13 मालाकुंज बालाजी टोली जशपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, आसमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड जयस्तंभ चौक रायपुर, रायपुर छग से मुद्रित, मो. 9907599002 संपादक प्रशांत सहाय RNI-CHH-HIN/25/A0341
(न्याय क्षेत्र जशपुर होगा।)

कलेक्टर ने अपने प्रशासनिक अनुभवों को साझा करने के साथ ही विकास कार्यों के संचालन के तरीके की दी जानकारी

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ दर्शन पर निकले 2024 बैच के परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टरों ने आज कलेक्टरेट में कलेक्टर श्री रोहित व्यास से सौजन्य भेंट की।

कलेक्टर श्री व्यास ने सभी डिप्टी कलेक्टरों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें उनके चयन पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री हरिओम द्विवेदी भी मौजूद थे। कलेक्टर ने उनके साथ अपने प्रशासनिक अनुभवों को साझा किया। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में आने वाले चुनौतियों के बारे में भी बताया और शासकीय योजनाओं से किस तरह लोगों को लाभान्वित करने के साथ ही विकासकार्यों का संचालन किया जाता है इसके बारे में भी जानकारी दी। इसके अलावा कलेक्टर ने जशपुर की संस्कृति और यहां हो रहे नवाचारों के बारे में भी बताया। छत्तीसगढ़ दर्शन पर निकले डिप्टी कलेक्टरों ने यहां की प्राकृतिक खूबसूरती और मौसम की सराहना की ।

डिप्टी कलेक्टरों ने कल कैलाश गुफा का दर्शन किया था और आज सारुडीह चाय बगान, सोगड़ा आश्रम और देशदेखा का दर्शन करेंगे। सुश्री सरिका मित्तल, श्री शुभम देव, सुश्री शिक्षा शर्मा, सुश्री शुभांगी गुप्ता, सुश्री पूजा पींचा, श्रीमती मधु गभेल, श्री देवाशीष कुर्रे, श्री लोकांश एल्मा, सुश्री रश्मि पोया, श्री आशिष कुमार, श्री सुमीत कुमार ध्रुव और श्री अभिषेक तम्बोली।

धुम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर रैली एवं सेमीनार का हुआ आयोजन

जशपुर। अंतर्राष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस के अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के मुख्य आतिथ्य, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत, अध्यक्ष जनपद पंचायत श्री गंगा राम भगत के उपस्थित में जिला मुख्यालय में युवाओं की सहभागिता से विशाल धुम्रपान निषेध रैली एवं सेमीनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में रैली की रवानगी विधायक

श्रीमती रायमुनी भगत द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। रैली रणजीता स्टेडियम से प्रारंभ होकर जय स्तम्भ चौक से पुरानी टोली हो कर स्वामी आत्मानन्द विद्यालय में समाप्त कि गई। विशाल रैली के माध्यम से युवाओं द्वारा धुम्रपान उन्मूलन से प्रेरित नारो के साथ शहर के लोगों में जन जागरुता लायी गई रैली समापन के पश्चात

युवाओं को प्रेरित करने के लिए सेमीनार का आयोजन स्वामी आत्मनंद हिन्दी माध्यमिक विद्यालय जशपुर के सभागार में किया गया। जिसमें श्री टी0पी भावे, उप संचालक, समाज कल्याण जशपुर द्वारा मद्यपान एवं धुम्रपान उन्मूलन के लिए शासन के द्वारा क्रियान्वित योजनाओं को बताया गया। जिसमें मुख्य रुप से जिला में संचालित नशामुक्ति पुनर्वास केन्द्र में नशा से प्रभावित व्यक्तियों के लिए मेडिकेशन के प्रक्रिया को बताया गया। मनोवैज्ञानिक डॉ0 अबरार खान द्वारा तम्बाकू से बने मादक द्रव्यों के सेवन से शरीर में पड़ने वाले दुष्प्रभाव को विस्तृत रुप से बताया गया। उक्त अवसर पर विधायक द्वारा युवाओं का ध्यान आकृष्ठ करते हुए कहा गया कि शरीर एक मन्दिर के समान है, जिसे स्वच्छ बनाये रखना आवश्यक हैं। यदि इसमें मादक द्रव्यों का प्रवेश होता है तो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक रुप से असंतुलित हो जाता हैं। अतः हमें व्यक्ति, परिवार, समाज, प्रदेश एवं देश के हित में मद्यपान एवं धुम्रमान से दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन श्री डी.डी. स्वर्णकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कोषालय अधिकारी, सहायक संचालाक, सहायक प्राध्यापक एवं मनोचिकित्सक उपस्थित थे।

स्व सहायता समूह की 100 महिलाएं छिंद और कांसा से बना रही है सुन्दर और आकर्षक टोकरी

सफलता की कहानी: छींद कांसा जशपुर की एक खास धरोहर, जिले और अन्य राज्यों के कोने-कोने से हमेशा बनी रहती है मांग

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है और उनको विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। जशपुर जिले के दूरस्थ अंचलों की महिलाओं के द्वारा छिंद कांसा से बनाई हुई टोकरी एवं अन्य उत्पाद काफी टिकाऊ एवं मनमोहक हैं। यह मूलत: जशपुर जिले के कॉंसाबेल विकासखण्ड की स्व सहायता समूह की दीदिओं द्वारा बनाया जा रहा है और अच्छी आमदनी प्राप्त की जा रही है। चूकि यह अभ्यास लगभग 30 साल पुराना है परंतु इसमे उद्यमिता की छाप राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तत्पश्चात छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के प्रयास से संभव हो सका है। वर्तमान मे लगभग 100 महिलाएं इस उद्योग में जुड़ी हैं और सतत् रूप से उत्पादन एवं विक्रय कार्य में लगी हुई है। आकर्षक एवं सुन्दर छिंद कांसा की टोकरी होने की वजह से जिले में और राज्य के कोने-कोने से इसकी सतत मांग बनी रहती है। जशपुर जिला उत्पादों की विशेष ब्रांड जशप्योर के बनने के पश्चात भारत के अन्य राज्यों से भी लगातार मांग बढ़ रही है, जिससे इस उद्योग में जुड़ी महिलयों में विशेष उत्साह नजर आ रहा है।

यह कार्य कॉंसाबेल विकासखण्ड के कोटानपानी ग्राम पंचायत के अधिकतर घरों की महिलायें द्वारा किया जा रहा है कोटानपानी ग्राम पंचायत मूलत:आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हैं। जशपुर के आदिवासी समुदाय मे विवाह देवता पूजन, छठ पूजा आदि में छिंद कांसा का विशेष महत्व है। छिंद और कांसा घास से निर्मित टोकरी एवं उत्पाद प्राकृतिक और सांस्कृतिक प्रतीत होते हैं। वैसे छिंद कांसा टोकरी बनाने का प्रचलन लगभग 30 वर्ष पुराना है। इसके पूर्व सदिओं से छिंद की चटाई बनाने का प्रचलन भारत के विभिन्न राज्यों मे व्याप्त रहा है। कोटानपानी की दीदियों से बात करने पर उन्होंने बताया की मन्मति नाम की एक किशोरी बालिका आज से 25 वर्ष पूर्व समीप के विकासखण्ड फरसाबहार के ग्राम पगुराबहार में अपने नानी के घर गई थी और वहाँ पर अपनी ननिहाल की महिलाओं से टोकरी बनाने का कार्य सीखा। चूकि यह एक नया प्रयोग था पूर्व मे केवल चटाई बनाई जाती रही है। इस कार्य मे विशेषता यह थी की टोकरी छिंद और कांसा घाँस से मिश्रित करते हुए टोकरी का ढांचा तैयार किया जाना था। छिंद को कांसा घास के साथ मिश्रित कर गोल आकार में तैयार किया जाना आसान और रोचक था। मन्मति अपने ननिहाल से लौटकर कोटानपानी में यह कार्य शुरू किया और अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए बनाया करती थी। पड़ोस की महिलाओं ने सुन्दर टोकरी निर्माण करते हुए मन्मति को देखा और कुछ महिलाएं भी इसे बनाने की इच्छा प्रकट कर सीखने लगी। कुछ महिलायें टोकरी बनाकर स्थानीय बाजार मे बेचना शुरू कर दी जिस से उन्हे कुछ लाभ प्राप्त हुए और ये सिलसिला लगभग 10 वर्षों तक चलता रहा। 2017 मे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका बिहान के स्व सहायता समूह का गठन शुरू हो गया। आजीविका गतिविधि सर्वेक्षण मे छिंद कांसा टोकरी निर्माण को ग्रहण किया गया और प्रशिक्षण, स्थानीय स्तर पर समूह को ऋण एवं बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रयास शुरू किए गए। प्रारंभ मे कुल तीन समूह, हरियाली, ज्ञान गंगा और गीता समूह यह कार्य करने लगे। 2019 में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड का आगमन हुआ और उनकी तरफ से 12 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। सर्वप्रथम बिहान मेला में टोकरी की प्रदर्शिनी लगाई गई जिसमे कोटानपानी ग्राम से लक्ष्मी पैंकरा और रिंकी यादव, बिहान के क्षेत्रीय समन्वयक आशीष तिर्की इस मेला मे सम्मिलित हुए। आज छिंद कांसा टोकरी की पहचान सारे भारत वर्ष मे है। मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के सतत प्रयास से महिलायें अच्छा उत्पादन एवं विक्री कर लखपति दीदियाँ बन चुकी है। जिला प्रशासन, एनआरएलएम एवं छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प बोर्ड के माध्यम से लगभग 15 समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर एवं 100 से ज्यादा महिलाओं को रोजगार से जोड़ा गया है। अब इन्हें इनके कार्य को सम्मान और पहचान दिलवाना है। यह टोकरी फल, पूजा सामग्री एवं उपहार सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है एवं आकर्षक होने की वजह से इसकी मांग जोरों पर है।

विकसित भारत की कुंजी बनता पूर्वोत्तर

ज्योतिरादित्य सिंधिया

हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र देश के पूर्वी प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है, जो कभी भारतीय विकास के मानकों पर हाशिये पर था। प्राचीन कामरूप के व्यापार मार्गों से लेकर उभरते सिलिकान क्षेत्र सहित आज के सेमीकंडक्टर फैब तक, यह क्षेत्र अपना भाग्य फिर से लिख रहा है। इसीलिए हाल में राइजिंग नार्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर की विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है और विकसित भारत के निर्माण के लिए इस क्षेत्र का विकसित होना बहुत जरूरी है।2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के तहत 30 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर की अर्थव्यवस्था का निर्माण प्रस्तावित है। इसमें पूर्वोत्तर का योगदान महत्वपूर्ण होने जा रहा है। उदाहरण के रूप में आज त्रिपुरा के लगभग 10,000 टन गोल्डन क्वीन पाइनएपल (अनानास) की आपूर्ति अनेक देशों में की जा रही है। 11 साल पहले जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के पद की शपथ ली थी, तब से देश की प्रगति में तेजी आई और पूर्वोत्तर क्षेत्र भी उभर कर सामने आया। प्रधानमंत्री ने एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया और पूर्वोत्तर को भारत की 卐अष्टलक्ष्मी卐 घोषित किया। पदभार ग्रहण करने के पहले कुछ महीनों में ही उन्होंने पूर्वोत्तर में कार्य करना शुरू कर दिया था। फिर उन्होंने एक दशक लंबे मिशन की नींव रखी, जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर को एक उपेक्षित क्षेत्र

से बदलकर विकास, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय अवसरों के मामले में देशभर में अग्रणी बनाना था। पूर्वोत्तर का परिवर्तन निवेश के ऐतिहासिक स्तरों पर आधारित है। केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा 10 प्रतिशत सकल बजटीय सहायता के माध्यम से इस क्षेत्र में 6.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि का निवेश किया गया है। केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि का निवेश किया गया है। पूर्वोत्तर राज्यों के टैक्स डेविएशन को कई गुना बढ़कर 5.74 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। सहायता-अनुदान लगभग दोगुना अर्थात 5.66 लाख करोड़ रुपये हो गया है। भूपेन हजारिका सेतु, बोगीबील ब्रिज या सिलचर-शिलांग फोर-लेन एक्सप्रेसवे, पहाड़ी क्षेत्रों में भारत का प्रथम हाई-स्पीड कारिडोर जैसी परियोजनाओं का उद्देश्य चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में जटिल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। मिजोरम में हाल में पूरी हुई बैराबी-सैरंगरेल लाइन आइजोल को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ती है, जिससे हम 2027 तक पूर्वोत्तर प्रांतों की आठ राजधानियों-दिसपुर, ईटानगर, इंफाल, शिलांग, आइजोल, कोहिमा, गंगटोक, अगरतला को रेल से जोड़ने के अपने लक्ष्य के नजदीक पहुंच गए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे ने 80,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है और हवाई अड्डों की संख्या नौ से बढ़कर 17 हो गई है। इस तरह पूर्वोत्तर क्षेत्र 'लैंड लाक्ड' क्षेत्र से 'लैंड लिंक्ड' और भविष्य के लिए विकास के लिए तैयार क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है। पूर्वोत्तर में हुए इस परिवर्तन के कारण वहां के सभी राज्यों में निवेशकों का भरोसा जगा है। इस आधारभूत परिवर्तन ने ही राइजिंग नार्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट, 2025 के लिए मंच तैयार किया। यह समिट पूर्वोत्तर के 4.5 करोड़ नागरिकों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ और सामूहिक रूप से 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक निर्णायक कदम रहा। देश-दुनिया में इसे लेकर व्यापक और उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिली। जापान और यूरोपीय संघ जैसे साझेदारों सहित 80 से अधिक देशों ने इसमें भाग लिया।

गढ़ी हुई छवियों से मुक्त हों स्त्री-पुरुष

हाल में उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया। यह कुछ वर्ष पहले की एक मार्ग दुर्घटना से संबंधित है। एक महिला पति और दो बच्चों के साथ बाइक पर जा रही थी। रास्ते में बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पत्नी बुरी तरह से घायल हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां दो दिन बाद उसकी मृत्यु हो गई। पति ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल में मुआवजे की मांग की। इसके अंतर्गत दुर्घटना के तीन साल के भीतर क्लेम डालना पड़ता है, प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करानी पड़ती है और ट्रिब्यूनल के सामने सारे कागजात पेश करने पड़ते हैं। बाइक चलाने वाले व्यक्ति ने इसी आधार पर क्लेम मांगा, लेकिन ट्रिब्यूनल ने कहा कि चूंकि वह 40 वर्ष का सक्षम पुरुष है, इसलिए मुआवजे का हकदार नहीं है। हां, बच्चे जरूर इसके हकदार हैं। बीमा कंपनी ने भी इसी आधार पर मुआवजा देने का विरोध किया। तब यह मामला हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। इसी मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पति की कमाई का कोई प्रमाण नहीं है। वह पत्नी पर ही आश्रित था तो बच्चों के साथ उसे भी आश्रित मानना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पति को 17 लाख 84 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट का उक्त निर्णय यही स्पष्ट करता है कि पति को भी पत्नी पर आश्रित माना जा सकता है। हमारे यहां अभी तक यही माना जाता है कि पति तो कभी पत्नी पर आश्रित हो ही नहीं सकता। साफ है कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय समाज को भी एक संदेश है। विवाह और तलाक के मामलों में यह कानून पहले से है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और महिलाओं से जुड़े कानूनी मामलों के विशेषज्ञ अरविंद जैन इसे यह कहकर स्पष्ट करते हैं कि तलाक के मामलों में धारा 125 के अंतर्गत यदि पत्नी कमाऊ है और पति उस पर आश्रित है या फिर विकलांग है तो वह गुजारा भत्ता पाने का हकदार है, क्योंकि यह धारा जेंडर न्यूट्रल है।

तंबाकू : मीठा जहर और धीमी मौत

डॉ. केशव पाण्डेय

हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक प्रयास है जो हमें चेताता है, झकझोरता है और प्रेरित करता है कि तंबाकू जैसी घातक लत से समाज को बचाया जाए। यह अवसर हमें आत्मचिंतन करने के साथ-साथ जनजागरूकता फैलाने का भी मौका देता है कि कैसे एक छोटी-सी आदत पूरे जीवन को निगल सकती है। आइये, जानते हैं, इस दिवस का महत्व, इसके पीछे की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और तंबाकू के दुष्परिणाम और इस वर्ष की खास थीम। तंबाकू का सेवन चाहे सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला या किसी अन्य रूप में किया जाए, यह शरीर के लिए धीमा ज़हर है। इसके सेवन से सबसे अधिक प्रभावित होता है हमारा श्वसन तंत्र और हृदय। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल दुनियाभर में 80 लाख से ज्यादा लोगों की मौत तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। इन मौतों में से लगभग 12 लाख लोग वे होते हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते, बल्कि परोक्ष रूप से यानी पैसिव स्मोकिंग से प्रभावित होते हैं। तंबाकू के सेवन से लाखों लोग अनेक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, इनमें फेफड़ों का कैंसर, मुँह का कैंसर, दिल का दौरा, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस, उच्च रक्तचाप हार्ट फेल्योर, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज, अस्थमा, दाँत गिरना, मसूड़ों में संक्रमण, सफेद धब्बे जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। इनके अलावा गर्भवती महिलाओं में भ्रूण की वृद्धि में बाधा, समय से पहले प्रसव, नवजात की मृत्यु जैसी जानलेवा बीमारियां शामिल हैं। भारत में भी तंबाकू एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। देश में हर साल लगभग 13 लाख लोग तंबाकू के कारण असमय काल के गाल में समा जाते हैं। यह कुल मृत्यु दर का लगभग 9.5 प्रतिशत है। इनमें से लगभग 10-12 लाख मौतें धूम्रपान से होती हैं, और शेष गुटखा, पान मसाला, हुक्का जैसे चबाने वाले तंबाकू उत्पादों से। जबकि मध्य प्रदेश में हर साल लगभग 90 हजार से एक 1 लाख लोगों की मौत तंबाकू सेवन के कारण होती है। राज्य में पुरुषों के बीच तंबाकू सेवन की दर 40 प्रतिशत से अधिक है, जबकि महिलाएं की लगभग 10से12 प्रतिशत। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, अगर तंबाकू पर सख्ती से नियंत्रण न लगाया गया, तो आने वाले दशकों में तंबाकू से हर साल 1 करोड़ मौतें हो सकती हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत विकासशील देशों में होंगी, उनमें भारत सबसे प्रमुख है।

मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय बासनताला समाधान शिविर में शामिल हुई

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने कुनकुरी विकास खंड के बासनताला समाधान शिविर में शामिल हुई और हितग्राहियों को सामग्री का वितरण किया गया। इसके साथ ही उन्होंने ने सुशासन तिहार के अंतर्गत शासन के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान श्रीमती कौशल्या साय ने हितग्राहियों को विभिन्न सामग्री भी वितरण किए। और 10 वीं 12 वीं में उत्कृष्ट अंक लाने वाले विघार्थियों को सम्मानित किया गया। सुशासन समाधान शिविर के माध्यम से लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही और उनकी समस्याओं का भी समाधान किया जा रहा है। शिविर में पेंशन,राशन , आयुष्मान कार्ड, कृषि, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय जनप्रतिनिधिगण, सरपंच, पंच, अधिकारी, कर्मचारी और आमनागरिकगण उपस्थित थे।

समर कैंप के बच्चों को कराया गया देशदेखा पर्यटन स्थल का भ्रमण

जशपुरनगर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार

जिले में खेल प्रतिस्पर्धा, कला एवं संस्कृति प्रतिभा को नई उड़ान देने के उददेश्य से जिले में 01 से 30 मई 2025 तक समर कैंप आयोजित किया गया जहाँ कौशल विकास पर्यावरण संरक्षण, एक्सपोजर विजिट सहित अनेक गतिविधियां कराई जा रही है। कैंप के माध्यम से बच्चों को विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धा कराई जा रही है। समर कैंप में बच्चों को बैडमिंटन, स्विमिंग, ताईक्वांडो, क्रिकेट, हॉकी, वॉटर स्पोर्ट्स, क्लाइंबिग, पर्वतारोहण सहित अन्य गतिविधियों में शामिल किया गया है। साथ ही स्वच्छता अभियान, सर्च एंड रेस्क्यू प्रशिक्षण और स्किल डेवलपमेंट का भ्रमण कराया गया। इसी कड़ी में विगत दिवस जशपुर विकासखण्ड के विकासखण्ड स्तरीय समर कैंप के बच्चों को देशदेखा पर्यटन स्थल का विजिट कराया गया। जहां बच्चों ने प्राकृति सौंदर्य का आनंद लिया।

कलेक्टर के समीक्षा बैठक में अनुपस्थित अपने कार्यों में घोर लापरवाही बरतने के कारण आलोक खेस्स निलंबित

जशपुर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश में तहसीलदार बागबहार जिला जशपुर के पत्र 29/05/2025 द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है कि श्री आलोक खेस्स, पटवारी प00नं0-24 बनगांव-बी के द्वारा कलेक्टर महोदय के समीक्षा बैठक दिनांक 28/05/2025 को समय अपरान्ह 3:00 बजे अभिलेख शुद्धता के संबंध में समीक्षा बैठक ली गयी। जिसकी सूचना सभी पटवारी को 03 दिवस पूर्व दी गई थी किन्तु श्री आलोक खेस्स बैठक में अनुपस्थित पाया गया एवं दिनांक 23/05/2025 को तहसीलदार बागबहार द्वारा अभिलेख शुद्धता के संबंध में समीक्षा बैठक रखी गई थी जिसमें श्री आलोक खेस्स का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया। अभिलेख शुद्धता संबंधित कार्यों पर प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया था किन्तु दिनांक 28/05/2025 तक भी उक्त पटवारी द्वारा कार्य में संतोष जनक प्रगति नहीं लाया गया। श्री आलोक खेस्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था किन्तु उनके द्वारा कोई जबाव प्रस्तुत नहीं किया गया। जो इनके कार्य के प्रति स्वेच्छाचारिता को परिलक्षित करती है। इससे स्पष्ट होता है कि उच्चाधिकारी के आदेशों का इनके द्वारा उल्लंघन किया गया है। अतः श्री आलोक खेस्स पटवारी के विरूद्ध आवश्यक एवं कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रबल अनुशंसा सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। यह स्थिति श्री आलोक खेस्स पटवारी प0ह0नं0-24 बनगांव-बी के पदीय कर्तव्यों के निवर्हन में घोर लापरवाही एवं उदासीनता का द्योतक है। उक्त कृत्य उच्चाधिकारियों द्वारा दिये गये आदेशों/निर्देशों का स्पष्ट उलंघन ही नहीं वरन छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम-1965 के नियम-3 के सर्वथा विपरीत है। अतः श्री आलोक खेस्स पटवारी प0ह0नं0-24 बनगांव-बी को छ0म0 सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है निलंबन अवधि में पटवारी का मुख्यालय तहसील कार्यालय-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ0ग0) नियत किया जाता है । तथा निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

राजस्व और कृषि विभाग की टीम ने पत्थलगांव के कीटनाशक दुकान अपना कृषि सेवा केन्द्र को किया सील

जशपुर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार एसडीएम पत्थलगांव सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में

बुधवार को संयुक्त टीम ने पत्थलगॉव तहसील स्थित कृषि बीज एवं कीटनाशक की दुकान का निरीक्षण किया गया अपना कृषि सेवा केंद्र जिसके संचालक दिनेश कुमार पटेल के द्वारा कीटनाशक का लाइसेंस खत्म हो जाने के बाद भी कीटनाशक की बिक्री करने के कारण और धान बीज के विक्रय में भारी अनियमितता होने के कारण उनके दुकान को 30 दिन के लिए सील करने की कार्यवाही पत्थलगॉव ब्लॉक के कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के सयुक्त दल द्वारा किया गया। इस संयुक्त दल में तहसीलदार पत्थलगॉव श्री प्रांजल मिश्रा एसडीओ कृषि श्री राकेश कुमार पैंकरा एस ए डी ओ कृषि श्री जीवन एक्का उपस्थित रहे ।

किसान जगदीश को खेती करने के लिए सहकारी समिति गम्हरिया से शून्य प्रतिशत ब्याज पर मिला खाद बीज

आर्थिक बचत के साथ खेती बाड़ी करने में हो रही आसानी

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले में किसानों को कृषि विभाग के योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन में कृषक उन्नति की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर नगर पालिका क्षेत्र के बांकीटोली निवासी किसान जगदीश को खेती करने के लिए सहकारी समिति गम्हरिया से 0 प्रतिशत ब्याज पर खाद-बीज दिया गया है।
जगदीश ने बताया कि इस वर्ष उन्होंने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में सहकारी समिति गम्हरिया से केसीसी कार्ड बनवाकर खाद-बीज एक वर्ष के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर समिति से लोन लिया जो बहुत ही आसानी से उपलब्ध हो गया। इससे पहले वे प्राइवेट खाद-बीज भंडार से खाद क्रय करने के लिए साहूकार से राशि ब्याज में लेकर लगभग 3 बोरी डीएपी, 2 बोरी यूरिया, 1 बोरी

पोटाश खाद लगभग 7500 हजार रूपए का क्रय करते थे। परन्तु सहकारी समिति से यही खाद लोन में लेने पर उन्हें 4500 रूपए राशि लग रहा है जो एक वर्ष के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर मिल गया। किसान जगदीश ने आर्थिक रूप से लाभ मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए केसीसी एवं खाद-बीज दिलवाने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय जी को धन्यवाद दिया है। श्री जगदीश ने बताया कि उनके पास 01 एकड़ 84 डिसमिल जमीन है। जिसमे वे 01 एकड़ में धान और बाकी में सब्जी की फसल लगाता हैं। वे पिछले कई वर्षों से खेती करते आ रहे हैं। खेती के लिए रासायनिक खाद बीज एवं दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। जिसे वे नगरपालिका जशपुर के प्राइवेट खाद-बीज भंडार से क्रय करके खेती करते थे। जहां उन्हें अधिक दाम देना पड़ता था। अब समिति से खाद बीज क्रय करने पर 2 से 3 हजार रूपए तक का बचत हो रहा है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने के दिए निर्देश

जशपुरनगर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का स्वयं अवलोकन करें और समाधान कारक निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। निराकृत आवेदनों की सूचना भी संबंध व्यक्ति को देने के लिए कहा ताकि उनको अनावश्यक भटकना न पड़े जनदर्शन के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं और मांगों को कलेक्टर सीधे सुनते हैं और उनके समस्याओं का निराकरण करने हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हैं। आम नागरिक भी स्वयं उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से कलेक्टर को रूबरू कराते हैं। इसी कड़ी में आज जनदर्शन में कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। जिन्हें कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आवेदकों के राजस्व संबंधी मामले, जमीन कब्जा हटाने, आत्मानंद विद्यालय में प्रवेश देने, के निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय ने विकसित कृषि संकल्प अभियान रथ को हरी झंड़ी दिखा कर की रवाना

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने सीमाबारी में विकसित कृषि संकल्प अभियान रथ को हरी झंड़ी दिखा कर रवाना की। इसके साथ ही उन्होंने ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर कोरंगामाल में शासन के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। और हितग्राहियों को विभिन्न सामग्री का भी वितरण किए। विदित हो कि कृषि खरीफ 2025 की तैयारी के मद्देनज़र 29 मई से 12 जून 2025 तक राज्य शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय अभियान च्विकसित कृषि संकल्प अभियानच् जिले के विभिन्न विकासखण्डों में चलाया जाएगा। इस विकसित कृषि संकल्प अभियान रथ के माध्यम से कृषि कार्यों में नवाचार, टिकाऊ पद्धतियों और किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित करना है। अभियान के दौरान सभी विकासखंड के चयनित ग्रामों में कृषक गोष्ठियाँ, फोटो प्रदर्शनी, फसल अवलोकन, उन्नत बीजों की जानकारी, मृदा परीक्षण, जल संरक्षण तकनीक और अन्य कृषि सम्बंधित विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर रेचुवां घाट का ब्लैक स्पॉट दूर करने हेतु 50.00 लाख की राशि की मिली स्वीकृति

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने जिले में रेचुवां घाट का ब्लैक स्पॉट दूर करने हेतु 50.00 लाख रुपए की राशि की स्वीकृति प्रदान की है। यह ब्लैक स्पॉट बन जाने से यातायात सुलभ होगा और दुर्घटनाओं से बचाव होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले के यातायात सुविधा को सुलभ बनाने के लिए करोड़ों रुपये की स्वीकृतियां मिल चुकी हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से जिले की सड़कें बेहतर हो रही है।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के संदेश के साथ हेलमेट जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

जशपुरनगर। टेलीविज़न में अक्सर एक भावनात्मक विज्ञापन आप सभी ने देखा होगा कि गाड़ी धीरे और सुरक्षित चलाएं घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है। यातायात जागरूकता को लेकर यह विज्ञापन ने लोगों पर इसका अच्छा खास प्रभाव डाला था। आज जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने एक बड़ी पहल करते हुए दुपहिया वाहन ड्राइविंग में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय हेलमेट जागरूकता रैली का आयोजन किया। कलेक्टर श्री रोहित व्यास और पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह हेलमेट पहनकर बाइक चलाते हुए रैली की अगुवाई कर रहे थे। इस रैली में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार साहू, एसडीएम श्री ओंकार यादव डिप्टी कलेक्टर श्री हरिओम द्विवेदी, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक श्री अनिल कुमार सोनी सहित 400 से अधिक महिला और पुरुष शासकीय अधिकारी कर्मचारी हेलमेट पहने हुए शामिल रहे। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का संदेश देते हुए कलेक्टर कार्यालय से निकाली गई यह रैली महाराजा चौक, बस स्टैंड, गिरांग मोड़, गम्हरिया से होते हुए लोरो तक पहुंची, फिर यहां से वापस होते हुए गम्हरिया के महात्मा गांधी चौक पर समाप्त हुई। चौक के समीप कलेक्टर श्री व्यास ने रैली में शामिल अधिकारियो एवं कर्मचारियों को यातायात सुरक्षा संबंधी शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा की हरेक जान किमती है अगर सड़क हादसे में किसी एक व्यक्ति की भी जान जाती है तो यह राष्ट्र की क्षति है। हम सभी सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें तो बहुत सी जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा की काई भी परिवार का सदस्य अगर घर से बाहर निकलता है तो परिवार के लोग उसे हेलमेट पहनने और सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर ने कहा की इस कार्यक्रम को हाइवे में गाड़ी चलाते समय जागरूकता के लिए कुनकुरी, बगीचा और पत्थलगांव में भी चलाया जाएगा। पुलिस अधिक्षक ने कहा कि नशे की हालत में वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना सुनिश्चित कराया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य मकसद लोगों को सड़क सुरक्षा का पालन कराने के साथ ही उनके जीवन को सुरक्षित बनाना है। अगर लोग हेलमेट पहनने के साथ ही ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए यात्रा करें तो दुर्घटना से बचा जा सकता है और कई बेशकीमती जानें बचाई जा सकती है।

हेलमेट नहीं पहनने पर जुर्माना सहित ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने का है प्रावधान

हेलमेट पहनना दुपहिया वाहनों के लिए अनिवार्य किया गया है। इसके उल्लंघन पर मोटर वाहन अधिनियम के धारा 194 घ के तहत कार्रवाई की जाती है। हेलमेट नहीं पहनने पर जुर्माना का प्रावधान है। 3 महीने के लिए ड्राईविंग लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई भी की जाती है। दुपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले सवारी के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य है। सड़क दुर्घटना में मृत्यु का मुख्य कारण सिर पर चोट लगना है। हेलमेट पहनने से दुर्घटना की स्थिति में सिर पर चोट लगने से बचाव होता है।

राजस्व और कृषि विभाग की टीम ने पत्थलगांव के कीटनाशक दुकान अपना कृषि सेवा केन्द्र को किया सील

जशपुर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार एसडीएम पत्थलगांव सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बुधवार को संयुक्त टीम ने पत्थलगॉव तहसील स्थित कृषि बीज एवं कीटनाशक की दुकान का निरीक्षण किया गया अपना कृषि सेवा केंद्र जिसके संचालक दिनेश कुमार पटेल के द्वारा कीटनाशक का लाइसेंस खत्म हो जाने के बाद भी कीटनाशक की बिक्री करने के कारण और धान बीज के विक्रय में भारी अनियमितता होने के कारण उनके दुकान को 30 दिन के लिए सील करने की कार्यवाही पत्थलगॉव ब्लॉक के कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के सयुक्त दल द्वारा किया गया इस संयुक्त दल में तहसीलदार पत्थलगॉव श्री प्रांजल मिश्रा एसडीओ कृषि श्री राकेश कुमार पैंकरा एस ए डी ओ कृषि श्री जीवन एक्का उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने आश्रम छात्रावास के अधीक्षकों को हास्टल परिसर में ही रहने के दिए निर्देश

जशपुर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने गुरुवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आदिम जाति कल्याण विभाग के एकलव्य और आश्रम,छात्रावास के हास्टल अधीक्षकों की समीक्षा बैठक ली।

कलेक्टर ने कहा जशपुर अनुसूचित जनजाति बाहुल्य जिला है दूरस्थ अंचलों के बच्चों को आश्रम और छात्रावास में रहकर अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए शासन ने सारी सुविधाएं उपलब्ध कराया गया है। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर ने 10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम की जानकारी ली और कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देकर परीक्षा परिणाम बेहतर करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि मंडल संयोजक का काम बैठकर काम करने का नहीं होता है आश्रम छात्रावास का निरीक्षण करके व्यस्था सुधारने के लिए होता है। उन्होंने कहा कि स्कूल में बच्चों का साप्ताहिक और मासिक टेस्ट लिया जाता है। बच्चों का परीक्षा परिणाम लेकर कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सभी हास्टल अधीक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि हास्टल में अधीक्षकों को रहना अनिवार्य है निरीक्षण के दौरान आश्रम छात्रावास में अव्यस्था पाई गई और रात में कोई अधीक्षक नदारद पाया गया तो कारवाई होगी उन्होंने कहा की बालिका छात्रावास में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश नहीं करेगा इसका विशेष ध्यान रखें हास्टल परिवार में किसी अधीक्षक या कर्मचारी का शराब सेवन करते हुए शिकायत पाई गई तो संबंधित अधीक्षक के ऊपर एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी और बर्खास्त किया जाएगा जिसके के लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेंगे इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री हरि ओम द्विवेदी आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त श्री संजय सिंह और आश्रम छात्रावास के मंडल संयोजक, बालक , बालिका छात्रावास के हास्टल अधीक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कलेक्टर ने सभी हास्टल में अधीक्षकों को चेतावनी दी की शासन के द्वारा निर्धारित छुट्टी को छोड़कर बच्चों को लम्बी छुट्टी एक माह तक नहीं देंगे बालिकाओं को या बच्चों को घर भेजते समय उनके माता-पिता के आने पर ही उनके साथ घर भेजेंगे किसी भी अनजान व्यक्ति के हाथ में बच्चों को नहीं सौंपेंगे क्यों कि पालक अपने बच्चों को अभिरक्षा के साथ हास्टल में सौंपते हैं। बालिका छात्रावास में बच्चों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। कलेक्टर आश्रम छात्रावास में बच्चों के भोजन की गुणवत्ता पर ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने बच्चों के कपड़े,चादर नियमित सफाई करने के लिए कहा है बच्चों को अच्छी आदतें जैसे नियमित नहाना, नाखून काटना , दांतों की सफाई, योग, खेलकूद गतिविधियों करवाने के निर्देश दिए हैं।कलेक्टर ने बताया कि आगामी 16 जून से स्कूल खोलने से पहले 8 से 14 जून तक स्कूल और आश्रम छात्रावास में श्रमदान करके साफ सफाई की जाएगी बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल करके बच्चों का बौद्धिक विकास किया जाएगा।

हितग्राहियों के घर घर जाकर बनाया जा रहा आयुष्मान वय वंदना कार्ड

जशपुरनगर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत् लाभ दिए जाने हेतु स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा डोर-टू डोर जाकर आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाया जा रहा है। जिले में अब तक 8 लाख से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है।

इसी प्रकार आयुष्मान वय वंदना कार्ड 18 हजार से अधिक लोगों का बनाया गया और निरंतर घर घर जाकर छुटे हुए लोगों का कार्ड बनाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम हितग्राहियों के घर घर जाकर आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाया गया और जहां नेटवर्क की असुविधा के कारण कार्ड बनाने में परेशानी हो रही थी वहां हितग्राहियो को एक पेड़ के नीचे एकत्रित कर शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदना कार्ड बनाया गया। जिनका कार्ड नहीं बना है वे अपने नजदीकी के प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपना कार्ड बना सकते हैं। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना का दायरा बढ़ाते हुए केन्द्र सरकार ने 70 साल व इससे अधिक उम्र के व्यक्तियो को 5 लाख तक मुक्त ईलाज की सुविधा दिये जाने हेतु आयुष्मान वय वंदना कार्ड के माध्यम से योजना का शुभारंभ किया है। जिसका लाभ आयुष्मान योजना के तहत् रजिस्टर्ड किसी भी निजी और सरकारी अस्पताल में करा सकते है। इसका लाभ हर वर्ग व आयु के वरिष्ठजन ले सकते हैं। इसकी एक और खात बात यह है कि पहले से परिवार का आयुष्मान कार्ड बना हो तो भी 70 से ज्यादा वालों को 5 लाख का अतिरिक्त कवर मिलेगा। बुजुर्गो को इस योजना के तहत लाभान्वित करने के लिए जिले के समस्त 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को पात्रता का आधार हितग्राही की आयु ही मात्र होगी, जिसे आधार कार्ड के माध्यम से सत्यापित किया जाएगा।

ग्रामीण विद्यालयों में शिक्षकों की कमी से पढ़ाई और रिजल्ट प्रभावित

रायपुर। राजनांदगांव जिले के ग्रामीण अंचल के शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की कमी के कारण शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रभावित हो रही हैं, जिससे परीक्षा परिणामों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, घोटिया (विकासखंड डोंगरगढ़) में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के लिए कुल 103 विद्यार्थियों की दर्ज संख्या है, परंतु स्वीकृत 11 पदों के विरुद्ध मात्र 03 व्याख्याता कार्यरत हैं एवं 08 पद रिक्त हैं। शिक्षकों की इस गंभीर कमी के कारण वर्ष 2024-25 में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 27.27 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 66.66 प्रतिशत रहा, जो कि चिंताजनक है। दूसरी ओर, शहरी क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अधिक संख्या में शिक्षक पदस्थ हैं। ठाकुर प्यारेलाल शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, राजनांदगांव में 84 विद्यार्थियों की तुलना में 10 शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि दर्ज संख्या के अनुसार केवल 04 शिक्षकों की आवश्यकता है। यह स्थिति शिक्षकों के असंतुलित पदस्थापना के कारण है। जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने तथा सीमित संसाधनों के समुचित उपयोग की दिशा में शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जाना नितांत आवश्यक है।

चिरायु से नोवेल के जन्मजान होंठ व तालू का हुआ सफल इलाज

जशपुरनगर। जिला मुख्यालय स्थित चीरबगीचा निवासी तुलसीकांत भगत के घर जब नोवेल का जन्म हुआ तो माता-पिता खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। मानो उनकी दुनिया जैसे रोशन सी हो गई थी। पहली बार माता-पिता बनने की खुशी तो थी ही लेकिन एक चिंता भी थी। जन्म के साथ ही नोवेल की होंठ और तालू में विकृति थी। मजदूरी करके अपने परिवार का जीवन-यापन करने वाले उनके पिता के लिए इलाज करा पाना काफी मुश्किल था। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें चिरायु योजना की जानकारी देने के साथ ही बच्चों को इससे मिलने वाली नि:शुल्क इलाज के संबध में जानकारी दी। यह जानकारी परिवार के लिए किसी आशा की किरण से कम नहीं थी। नोवेल को बेहतर इलाज के लिए रायपुर स्थित ओम हॉस्पिटल में शासकीय व्यय पर भेजा गया। जहां डॉक्टरों के द्वारा नोवेल का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन और बेहतर इलाज के बाद बच्चा स्वस्थ है। आज 11 माह के हो चुके नोवेल का मुस्कराता चेहरा उसके माता-पिता की आँखों में नई चमक भर देता है। परिजनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के लिए यह योजना किसी वरदान से कम नहीं है। सरकार ने गरीबों की पीड़ा को समझा और इलाज के लिए बेहतर संस्थानों में भेजकर नि:शुल्क इलाज करा रही है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य परीक्षण कर चिरायु की टीम के द्वारा बच्चों का बेहतर इलाज कराया जा रहा है। चिरायु की टीम के द्वारा कटे-फटे होंठ, जन्म जात मोतियाबिंद, टेढ़े-मेढ़े हाथ पैर, श्रवण बाधा सहित 44 प्रकार की बीमारी तथा विकृति पर कार्य किया जाता है। जरूरत पड़ने पर बच्चों को अच्छे हॉस्पिटल रेफर भी कराया जाता है।

सुशासन तिहार कार्यक्रम

मुख्य अतिथि रायमुनी भगत ने ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने किया प्रेरित

जशपुर। सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान सन्ना पहुंची विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुन उनका त्वरित निराकरण का निर्देश संबंधित विभागों को दिया है।इस दौरान श्रीमती भगत ने शासन की सभी लाभकारी योजनाओं का लाभ उठाने ग्रामीणों को प्रेरित किया। ज्ञात हो कि सन्ना में सुशासन तिहार कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को हुआ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत मौजूद रही।

उन्होंने अपने संबोधन में शासन के हर योजनाओं का लाभ हर घर हर परिवार तक पहुंचने की बात कही।वहीं विष्णु सुशासन में विकास गति तेज होने पर विकास की नई गाथा लिखे जाने का बात भी कहा। श्रीमती भगत ने कहा कि आज किसी भी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार कार्य करने में पीछे नहीं है। गरीबी को हटाने में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्रीय समस्याओं के निराकरण का मांग शिविर में किया।जिसके त्वरित निराकरण का आश्वासन विधायक ने देते हुए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि जल्द ही इसका निराकरण किया जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य गेंदबिहारी सिंग,मंडल अध्यक्ष आनंदयादव,श्रीमती काजल राय,नसरुल्ला सिद्धकी,बलवंत गुप्ता, राकेश गुप्ता जनपद,सरपंच सन्ना सहित भारी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

राजस्व और कृषि विभाग की टीम ने पत्थलगांव के कीटनाशक दुकान अपना कृषि सेवा केन्द्र को किया सील

जशपुर। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार एसडीएम पत्थलगांव सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बुधवार को संयुक्त टीम ने पत्थलगॉव तहसील स्थित कृषि बीज एवं कीटनाशक की दुकान का निरीक्षण किया गया अपना कृषि सेवा केंद्र जिसके संचालक दिनेश कुमार पटेल के द्वारा कीटनाशक का लाइसेंस खत्म हो जाने के बाद भी कीटनाशक की बिक्री करने के कारण और धान बीज के विक्रय में भारी अनियमितता होने के कारण उनके दुकान को 30 दिन के लिए सील करने की कार्यवाही पत्थलगॉव ब्लॉक के कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के सयुक्त दल द्वारा किया गया इस संयुक्त दल में तहसीलदार पत्थलगॉव श्री प्रांजल मिश्रा एसडीओ कृषि श्री राकेश कुमार पैंकरा एस ए डी ओ कृषि श्री जीवन एक्का उपस्थित रहे ।

सुशासन दिवस समाधान शिविर के अंतिम दिवस सुरेशपुर में विधायक गोमती साय ने की शिरकत

पत्थलगांव। पत्थलगांव ग्रामीण मण्डल के सुरेशपुर में आयोजित सुशासन दिवस समाधान शिविर के अंतिम दिन में विधायक गोमती साय ने सहभागिता कर ग्रामीण जनता को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया। शिविर के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि सुशासन तिहार जनसमस्याओं के समाधान हेतु सराहनीय प्रयास है छत्तीसगढ़ सरकार ने गांव के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं और उनके समाधान के लिए यह योजना लागू की है। इस अवसर पर अनिल मित्तल, हरजीत भाटिया,मण्डल अध्यक्ष अंकित बंसल, ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष हेमंत बंजारा,प्रदीप गुप्ता,चमर साय, वीरेंद्र सिंह,जनपद अध्यक्ष धनियारो परहा,उपाध्यक्ष फिलिस्पीना एक्का,सरपंच संघ के अध्यक्ष रोशन प्रताप सिंह,जनपद सदस्य गण,भाजपा कार्यकर्ता गण एवं सम्माननीय जनता की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर में जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वास्थ्य सेवाएं, पेंशन योजना, कृषि योजनाएं इत्यादि की जानकारी ग्रामीणों को विस्तार से दी गई। विधायक गोमती साय ने शिविर के माध्यम से यह संदेश दिया कि शासन की योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे, यही उनका संकल्प है।

छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा ने मछुवा समूहों और समितियों की ली बैठक

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट मंत्रणा सभा कक्ष में जिले के मछुवारा वर्ग, सहकारी समितियों एवं मत्स्य पालकों की बैठक ली। बैठक में मछुआरों के कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।

बोर्ड के अध्यक्ष श्री मटियार ने बैठक में मछली पालन विभाग अंतगर्त प्रधानमंत्री मत्स्य संम्पदा योजना, सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की और उपस्थित मत्स्य कृषकों को विभागीय योजनाओं का लाभ उठाकर मत्स्य उत्पादन में वृद्धि कर आय दुगनी करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सभी मत्स्य कृषको सहित अन्य नागरिकों तक पहुँचाने कहा। उन्होंने उपस्थित मत्स्य कृषकों से विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आर्थिक में सुधार के लिए कहा। बैठक में उन्होंने जिले के सभी मछुआ सहकारी समितियों की मांगें और समस्याएं सुनी और उनके निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान बैठक में सहायक संचालक मत्स्य श्री जे के पैंकरा ने

विभाग के गतिविधियों से श्री मटियारा को अवगत कराया। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, सहकार से समृद्धि योजना, धरती आबा जनजातियां ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत प्रस्तावित कार्ययोजना, किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को किस प्रकार से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने जिले में मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बघिमा के अंतर्गत उपलब्ध संसाधनों सर्कुलर हैचरी, प्रजनक पोखर, संवर्धन पोखर, एम बी पैकिंग शेड, भंडार कक्ष की जानकारी दी। सहकारी समिति से बैठक में उपस्थित सदस्यों से अध्यक्ष श्री मटियारा ने बातचीत कर उनके द्वारा मत्स्य उत्पादन में दिए योगदान के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने उन्हें मिलने वाले लाभ एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित सभी समूहों को समिति बनाने के लिए कहा।इस दौरान उन्होंने मछुआरों को आने वाली समस्याओं को लेकर भी शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। नगर पालिका जशपुर के अध्यक्ष श्री अरविंद भगत एवं जनपद अध्यक्ष श्री गंगा राम भगत ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मछली पालन को रोजगार का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने सफल मछुआरों के अनुभव से प्रेरणा लेकर अन्य युवाओं को इस व्यवसाय से जुड़ने का आह्वान किया। बैठक में विभागीय योजना अंतर्गत मत्स्य पालक के अटल मछुवा समिती जुरतेला, शक्ति मछुवा सहकारी समिति सेन्द्रीमुण्डा, मिलन मछुवा सहकारी समिति हेठकपा, कृषक मछुवा सहकारी समिति लावकेरा, किसान कल्याण सहकारी समिति आस्ता, लक्ष्मी समुह नीमगांव को महाजाल, नर्सरी जाल, आइस बॉक्स का वितरण किया गया। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन सहायक मत्स्य अधिकारी प्रवीण शर्मा के द्वारा किया गया।

अतिशेष प्रधान पाठकों और सहायक शिक्षकों की काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रारंभ

रायपुर। राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार कलेक्टर श्री अजीत वसंत की उपस्थिति में आज कोरबा जिले के अतिशेष प्रधान पाठकों और सहायक शिक्षकों की पदस्थापना के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया राजीव गांधी आडिटोरियम टांसपोर्ट नगर में चल रही है। प्रथम चरण में वरिष्ठता के आधार पर अतिशेष प्रधानपाठकों की काउंसलिंग की गई। सहायक शिक्षकों की काउंसिलिंग प्रक्रिया जारी है। काउंसिलिंग प्रक्रिया में प्रधानपाठकों द्वारा रिक्त स्थानों में से अपने पसंद के विद्यालयों का चयन किया। सहायक शिक्षकों द्वारा भी काउंसिलिंग में सम्मिलित होकर निर्धारित सूची में से पसंद के विद्यालयों का चयन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अजीत वसन्त ने शासन के निर्देशों के अंतर्गत पारदर्शिता के साथ काउंसिलिंग की प्रकिया अपनाए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि जिले में शिक्षक विहीन विद्यालयों और एकल शिक्षकीय विद्यालय में अतिशेष शिक्षकों का समायोजन होने से दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नियमित शिक्षक उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। काउंसिलिंग में सम्मिलित शिक्षकों द्वारा चयनित विद्यालय में तत्काल नवीन पदस्थापना आदेश भी जारी किया जा रहा है।

सरकार के कार्यों से प्रदेश में आ रही है खुशहाली : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर सुशासन तिहार अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कोंडागांव जिला प्रवास के दौरान विश्राम गृह में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में 8 अप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक प्रदेश की जनता अपनी समस्याएं और मांगें रखीं। अधिकारियों ने ज्यादातर समस्याओं का समाधान कर लिया है। इस दौरान हमने भी मंत्रियों और अधिकारियों के साथ गांव गांव पहुंचकर और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 2 साल का बकाया बोनस दिया है, इससे किसानों को काफी लाभ हुआ। प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा के लिए जो कार्य कर रही है, उससे प्रदेश में खुशहाली आ रही है और किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। श्री साय ने आगे बताया कि 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के अवसर पर सरकार ने

अटल सेवा केंद्र शुभारंभ किया है, आने वाले दिनों में पूरे प्रदेश भर में विस्तार किया जाएगा। गांव में ही लेनदेन की सुविधाएं मिलने से अब ग्रामीणों को बैंक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा कृषि वैज्ञानिक के माध्यम से हमारे प्रदेश के किसानों के बीच में बातचीत करेंगे, उनको आधुनिक खेती के विषय में बताएंगे। उन्होंने बताया कि पंजीयन में दस नई क्रांति से पारदर्शिता आई है, नियद नेल्लानार योजना से बस्तर क्षेत्र के दूरस्थ अंचल में विकास की रौशनी पहुंची है। इस अवसर पर केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल, उपाध्यक्ष श्री जसकेतु उसेंडी, पूर्व विधायक श्री सेवक राम नेताम, दीपेश अरोरा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव श्री बसवराजूऔर कोंडागांव के कलेक्टर, एस पी मौजूद थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक बैनर तले जशपुर विधायक रायमुनी भगत के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में जयस्तंभ चौक से लेकर रणजीता स्टेडियम तक निकाला गया तिरंगा यात्रा

जशपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक अभियान के अंतर्गत 17 मई को प्रदेश भर के प्रत्येक गांव, नगर और पंचायत में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस क्रम में जिला मुख्यालय जशपुर में भी तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ।यहां जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई।

ज्ञात हो कि देश की सुरक्षा में नागरिक सहभागिता के संकल्प के साथ आयोजित की गई तिरंगा यात्रा का आयोजन अत्यंत ही धूमधाम से जशपुर में आयोजित हुआ,यहां जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के नेतृत्व में जय स्तंभ चौक से लेकर रणजीता स्टेडियम तक यात्रा निकाली गई।उक्त यात्रा में जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक की भागीदारी सुनिश्चित हुई। यात्रा की अगुवाई राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक शीर्षक वाले बैनर से की गई।इस अवसर पर जशपुर

विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने देश की सशस्त्र सेनाओं,अर्धसैनिक बलों के योगदान को सराहते हुए भारत की जीत, सशस्त्र बलों तथा सैनिकों और उनके परिवारों को धन्यवाद भरा संदेश दिया।ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह संदेश गांव-गांव तक पहुँचेगा कि राष्ट्र की सुरक्षा सबकी साझी जिम्मेदारी है। यह आयोजन प्रदेशवासियों के उत्साह, सेनाओं के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना को सशक्त करने वाला एक अनुकरणीय प्रयास है। यात्रा में पूर्व सैनिकों, सैनिकों के परिजनों, विद्यालयों के छात्रों, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट्स एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों भी शामिल हुए। शांतिपूर्ण,अनुशासित, संगठित एवं उत्साहपूर्ण निकाली गई यात्रा के मार्ग में उद्घोषणा वाहनों के माध्यम से देशभक्ति गीतों का प्रसारण किया गया और नागरिकों द्वारा देशभक्ति के नारे तिरंगा यात्रा में लगाए गए। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत, पूर्व जिला पंचायत सदस्य कृपा शंकर भगत, जशपुर एसडीएम ओमकार यादव,जनपद पंचायत सीईओ लोकहित भगत,बीईओ श्रीमती कल्पना टोप्पो, तिलक राम सिद्धार्थ, डीडीसी श्रीमती शांति भगत, सावित्री निकुंज, प्रभा यादव, रामदास, पंकज जयसवाल, सुषमा सिंह, रंजीत भगत, भजुनन्दन राम, आशुतोष राय सहित आमजन और अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विधायक श्रीमती रायमुनि भगत सन्ना सुशासन तिहार शिविर में शामिल हुई

जशपुर। सुशासन तिहार का आयोजन बगीचा विकास खंड के तहसील सन्ना में किया गया, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने ग्रामीणों को छत्तीसगढ़ शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया और हितग्राहियों को सामग्री वितरण भी किया।

सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान तहसील सन्ना पहुंची श्रीमती भगत ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निराकरण करने के लिए कहा उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के सुशासन में जशपुर में विकास तेजी से हो रहा है और सड़क,पूल पुलिया, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्रीय समस्याओं के निराकरण का मांग शिविर में किया।जिसके त्वरित निराकरण का आश्वासन विधायक ने देते हुए संबंधित विभाग प्रमुखों को अवगत कराया और निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य गेंदबिहारी सिंग,आनंद यादव,श्रीमती काजल राय, और बगीचा एसडीएम श्री रितुराज बिसेन नसरुल्ला सिद्धकी,बलवंत गुप्ता, राकेश गुप्ता सरपंच सन्ना सहित भारी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

शिक्षकों की पोस्टिंग में असंतुलन से प्रभावित हो रहा ग्रामीण अंचल के स्कूलों का परीक्षा परिणाम

रायपुर। जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग ने शिक्षा विभाग को प्रेषित अपनी रिपोर्ट में इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि जिले के ग्रामीण अंचलों के शासकीय हाई स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षकों की अधिकता के कारण शैक्षिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यही कारण है कि ग्रामीण अंचल के स्कूलों का परीक्षा परिणाम औसत से भी कम है। शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार के लिए युक्तियुक्तकरण जरूरी है। ग्रामीण अंचल के विद्यालयों में शिक्षकों की आवश्यकता के अनुरूप पदस्थापना करने से बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलेगी और रिजल्ट में सुधार होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने रिपोर्ट में उल्लेखित किया है कि विकासखंड धमधा अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मुरमुदा में स्वीकृत 6 पदों के विरुद्ध मात्र 3 व्याख्याता कार्यरत हैं, जबकि कक्षा दसवीं की छात्र संख्या 63 है। शिक्षक अभाव के कारण यहाँ का वार्षिक परीक्षा परिणाम मात्र 47.62 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार शासकीय हाई स्कूल सिलितरा और शासकीय हाई स्कूल बिरेझर में भी स्थिति अत्यंत दयनीय है। दोनों विद्यालयों में स्वीकृत 6-6 पदों के विरुद्ध एक भी व्याख्याता पदस्थ नहीं है। क्रमश: 81 एवं 63 छात्रों की दर्ज संख्या वाले इन विद्यालयों में परीक्षा परिणाम क्रमश: 36.59 प्रतिशत एवं 35.00 प्रतिशत ही रहा है। वहीं दूसरी ओर, शहरी क्षेत्र के विद्यालयों में छात्रों की अपेक्षा शिक्षकों की संख्या आवश्यकता से कहीं अधिक है। उदाहरणस्वरूप, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला केम्प-1 मिलाई में 225 छात्रों के लिए स्वीकृत 7 पदों के विरुद्ध 17 शिक्षक कार्यरत हैं, जो कि दर्ज संख्या के मान से 10 शिक्षक अधिक हैं। इसी प्रकार नेहरू शासकीय प्राथमिक शाला दुर्ग में 113 छात्रों के लिए स्वीकृत 4 पदों की तुलना में 11 शिक्षक पदस्थ हैं, जो कि 7 शिक्षक अतिरिक्त हैं। जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग ने ग्रामीण विद्यालयों में शिक्षकों की शीघ्र पदस्थापना की आवश्यकता जताई है, ताकि परीक्षा परिणाम में सुधार लाया जा सके और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री साय का शिल्प नगरी कोंडागांव के शबरी एंपोरियम पहुंचे

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज शिल्पनगरी कोण्डागांव के आगमन पर शबरी एंपोरियम का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने बेलमेटल, रॉट आयरन, बांस एवं काष्ठ शिल्प के बस्तर की जीवन शैली और समृद्ध जनजातीय संस्कृतियों को दर्शाती कलाकृतियों को देखा और इसकी सराहना की। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नरपति पटेल, उपाध्यक्ष श्री जसकेतु उसेंडी, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, कमिश्नर श्री डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक श्री वाय अक्षय कुमार, जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

योजनाओं का लाभ लेने जशपुर विधायक रायमुनी भगत ने ग्रामीणों को प्रेरित किया

जशपुर। सुशासन तिहार-समाधान शिविर कार्यक्रम में जनता के बीच पहुंच जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने जशपुर विधायक श्रीमती विधायक रायमुनी भगत ने ग्रामीणों को प्रेरित किया।श्रीमती भगत ने राज्य और केंद्र सरकार की समस्त लाभकारी योजनाओं को ग्रामीणों से साझा कर इसका लाभ उठाने प्रेरित किया।यह कार्यक्रम शासन की मंशा के अनुरूप सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना से प्रेरित रहा।

ज्ञात हो कि जशपुर के ग्राम लोखंडी में सुशासन समाधान शिविर का आयोजन हुआ।यहां मुख्य अतिथि के रूप में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत मौजूद रही।शिविर में ग्रामीणों को संबोधित करते हुवे जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। विधायक श्रीमती भगत ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से समाधान शिविरों के माध्यम से योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे इन योजनाओं का लाभ लें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें।राज्य और केंद्र की डबल इंजन की सरकार में विकास की गति तेज हुई है।जशपुर जिला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का गृह जिला है यहां विकास कार्यों को प्रमुखता के साथ ध्यान देते हुवे कार्य किया जा रहा है।श्रीमती भगत ने आगे कहा कि सुशासन तिहार जैसे आयोजन न केवल जागरूकता फैलाते हैं बल्कि लोकतंत्र की नींव को भी सुदृढ़ करते हैं।इस आयोजन में अभी ग्रामीणों ने खुलकर सहभागिता निभाई जिसके लिए सभी का श्रीमती भगत ने आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि जल्द ही क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का कार्य और भी तेज गति से होगा। इस दौरान आज प्रतिमा भगत,जशपुर एसडीएम ,जशपुर तहसीलदार,आशुतोष राय,सरपँच,सचिव एवम समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अतिशेष प्रधान पाठकों और सहायक शिक्षकों की काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रारंभ

रायपुर। राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार कलेक्टर श्री अजीत वसंत की उपस्थिति में आज कोरबा जिले के अतिशेष प्रधान पाठकों और सहायक शिक्षकों की पदस्थापना के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया राजीव गांधी आडिटोरियम टांसपोर्ट नगर में चल रही है। प्रथम चरण में वरिष्ठता के आधार पर अतिशेष प्रधानपाठकों की काउंसलिंग की गई। सहायक शिक्षकों की काउंसिलिंग प्रक्रिया जारी है। काउंसिलिंग प्रक्रिया में प्रधानपाठकों द्वारा रिक्त स्थानों में से अपने पसंद के विद्यालयों का चयन किया। सहायक शिक्षकों द्वारा भी काउंसिलिंग में सम्मिलित होकर निर्धारित सूची में से पसंद के विद्यालयों का चयन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अजीत वसन्त ने शासन के निर्देशों के अंतर्गत पारदर्शिता के साथ काउंसिलिंग की प्रकिया अपनाए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि जिले में शिक्षक विहीन विद्यालयों और एकल शिक्षकीय विद्यालय में अतिशेष शिक्षकों का समायोजन होने से दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नियमित शिक्षक उपलब्ध होंगे। काउंसिलिंग में सम्मिलित शिक्षकों द्वारा चयनित विद्यालय में तत्काल नवीन पदस्थापना आदेश भी जारी किया जा रहा है। काउंसिलिंग में सम्मिलित होकर निर्धारित सूची में से पसंद का स्कूल चयन कर नवीन विद्यालय में जाने वाली प्राथमिक शाला जेन्जरा की शिक्षिका श्रीमती देकुमारी साहू ने काउंसिलिंग की प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि अब नवीन विद्यालय ढेलवाडीह में शिक्षक का दायित्व निर्वहन करेंगी।

नवा रायपुर का रिटेल कॉम्पलेक्स : आधुनिक मनोरंजन और तकनीकी नवाचार का नया केंद्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर के सेक्टर-21 में 2.65 लाख वर्गफीट में निर्मित छह मंजिला सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (छ्क्रष्ठ) देश के इस पहली स्मार्ट सिटी की नई पहचान बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। नवा रायपुर का नवनिर्मित रेल्वे स्टेशन इसके पास ही है, जिस वजह से यह सीबीडी रेल्वे स्टेशन के नाम से ही जाना जाता है। अभी सीबीडी में मिराज मल्टीप्लेक्स, आईपी क्लब रेस्टोरेंट और एएसपी कार्यालय संचालित हो रहे हैं। मनोरंजन के अद्वितीय अनुभव के लिए यहां जल्द ही इमर्सिव होलोग्राफिक्र एंटरटेनमेंट सेंटर प्रारंभ होने जा रहा है। हर तरह की खरीदारी के लिए गोकुल सुपर मार्केट भी शीघ्र शुरू होगा। स्मार्ट सिटी के अनुरूप सीबीडी में एक ही जगह पर विविध सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। स्थानीय व्यवसाईयों को 100 से अधिक रिटेल दुकानें आबंटित की गई हैं जो यहां तेजी से फुटफल बढ़ाएंगी। सीबीडी नवा रायपुर के आर्थिक विकास को गति देने के साथ ही रोजगार, पर्यटन, सांस्कृतिक-तकनीकी केंद्र और नवाचार आधारित स्टार्ट-अप्स के लिए नया मंच प्रदान करेगा। स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करने वाला यह कॉम्प्लेक्स आने वाले वर्षों में नवा रायपुर की नई पहचान बनेगा जहां शिक्षा, मनोरंजन और दैनिक जरूरतें जैसी सभी चीजें एक ही स्थान पर सुलभ होंगी। इमर्सिव टेक्नोलॉजी, तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान और शॉपिंग की सहुलियतों से सुसज्जित यह भविष्य के नए आकर्षण का केंद्र है। सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट का कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स चार विंग्स में फैला हुआ है, जिसका कुल कारपेट एरिया दो लाख 65 हजार वर्गफीट है। यहां हर तल की योजना नागरिकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। भू-तल में लगभग पांच हजार वर्गफीट एरिया गोकुल सुपर मार्केट को आबंटित किया गया है जो शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। इसी तल पर नवा रायपुर का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय भी संचालित है। भू-तल पर 100 से अधिक रिटेल दुकानें भी आबंटित की गई हैं। सीबीडी केवल शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं है। यह छत्तीसगढ़ की आधुनिक राजधानी नवा रायपुर को निकट भविष्य में आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से गहरे तक प्रभावित करेगा।

राईस मिलर्स लामबंद, अतिशेष धान की बिक्री के लिए जारी किया गया टेण्डर

रायपुर। मार्कफेड द्वारा 33 लाख टन अतिशेष चावल की बिक्री के लिए जो टेण्डर निकाला गया था, उसका एक बार फिर से अच्छा परिसाद नहीं मिला है, इस समय राईस मिलरों एकजुट हो गए हैं। मार्कफेड ने वेसप्राइज से कम नहीं बेचने का निर्णय लिया है। इसके विरूद्ध राईस मिलर्स लामबंद हो गए हैं। मार्कफेड के सूत्रों के अनुसार वर्तमान वित्तीय वर्ष में सरकार द्वारा 130 लाख टन धान खरीदी का निर्णय लिया गया था, उनमें से विभिन्न संग्रहण केन्द्रों में 35 लाख टन धान अतिशेष है। शासकीय दर पर धान की खरीदी 3100 रूपए क्विंटल, इसमें समर्थन मूल्य पर धान कीमत तय है। इसके अलावा बोनस दिया जाता है, मार्कफेड द्वारा दूसरी बार धान की खरीदी के लिए टेण्डर नोटिस जारी किया गया है। मार्कफेड के अधिकारियों के अनुसार

रायपुर में ही धान की बिक्री हुई है। अन्य जिलों में ज्यादा ब्रिकी नहीं हुई है। बेसप्राइज 1900 रूपए प्रति क्विंटल रखा गया है। इसे कम दर पर नहीं खरीदा जाएगा। प्रदेश के अन्य जिलों में धान की ब्रिकी रिकॉर्ड अप्राप्त है। वर्तमान प्रबंध संचालक किरण कौशल इस समय छुट्टी पर हैं। राईस मिलरों के संचालकों के अनुसार धान को खरीदने के बाद उसका छिलका निकालना पड़ता है। उसके पश्चात शराब निर्माता उसे खरीदते हैं। पिछले कई सालों से शराब निर्माता इसे खरीद रहे हैं। राईस मिलरों के अनुसार पहले खरीदों फिर छिलका निकालों, उसके पश्चात पॉलिसिंग करना पड़ता है, तब बाजार में जाकर बिकता है। यह प्रक्रिया काफी महंगी है। इसलिए धान की कीमत कम होना चाहिए। राईस मिलरों के अनुसार वे इस संबंध में अधिकारियों से बातचीत करेंगे। राईस मिल के संचालकों के अनुसार यह प्रतिवर्ष होनी वाली प्रक्रिया है, जिसे लेनदेन कर निपटा दिया जाता है।

औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने भूमि आबंटन को पारदर्शी बनाने मंत्रीपरिषद की मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्री बैठक में उद्योगिक विकास देने और भूमि आबंटन प्रक्रिया के पारदर्शी बनाने के लिए नियम में संशोधन किया गया है। मंत्री बैठक की जानकारी उपमुख्यमंत्री अरूण साय ने बताया कि औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम 2015 में संशोधन में प्रस्ताव किया गया है। हाईटेक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा इस संशोधन से औद्योगिक क्षेत्रों, लैंड बैंक तथा अन्य भूमि खंडों के आबंटन की प्रक्रिया में और अधिक स्पष्टता व पारदर्शिता आएगी, इससे औद्योगिक निवेशकों को भूमि आबंटन प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझने व लाभ उठाने में सुविधा होगी। मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में कई महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी है। इससे राज्य की औद्योगिक नीति और अधिक रोजगारपरक, व्यापक और उद्यमों के लिए लाभकारी हो जाएगी। प्रस्तावित संशोधन से राज्य में रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे साथ ही आधुनिक खेती से लेकर खिलौना उद्योग तक को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को मिलेगा रोजगार - नई नीति के तहत जिन कंपनियों में छत्तीसगढ़ के लोगों को नौकरी मिलेगी, उन्हें सरकार की तरफ से अनुदान मिलेगा। हाइटेक खेती को बढ़ावा - अब हाइड्रोपोनिक और ऐयरोपोनिक जैसी आधुनिक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

हाईटेक खेती को दिया जाएगा, बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए दिए जाऐंगे अवसर

किसानों को नई तकनीक, जैसे ऑटोमेशन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का फायदा मिलेगा। युवाओं के लिए ट्रेनिंग और खेल की सुविधाएं - राज्य में खेल अकादमी और निजी प्रशिक्षण केंद्रों को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे युवाओं को बेहतर ट्रेनिंग और करियर के अवसर मिलेंगे। गुणवत्ता पूर्ण विश्वविद्यालयों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑटोमोबाइल रिपेयरिंग और सर्विस सेंटर को सभी विकासखण्ड समूहों में मान्य किया जाएगा। पर्यटन और होटल व्यवसाय को बढ़ावा - बस्तर और सरगुजा संभाग में होटल और रिसॉर्ट बनाने के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा घटा दी गई है, जिससे इन इलाकों में पर्यटन बढ़ेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। कपड़ा उद्योग को दोगुना प्रोत्साहन - टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश करने पर अब 200 प्रतिशत तक का प्रोत्साहन मिलेगा। इससे सिलाई, कढ़ाई और बुनाई जैसे काम करने वालों को भी फायदा मिलेगा। लॉजिस्टिक हब बनेगा छत्तीसगढ़ - अब राज्य के हर हिस्से में माल ढुलाई और व्यापार को आसान बनाने के लिए नई लॉजिस्टिक नीति लाई जाएगी। इससे व्यापारियों को फायदा होगा और बाजारों तक पहुंच आसान होगी। दिव्यांगजनों को विशेष लाभ - दिव्यांगजनों की परिभाषा को नया रूप दिया गया है ताकि उन्हें ज्यादा योजनाओं का लाभ मिल सके। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, रक्षा और एयरोस्पेस सेक्टर को विशेष पैकेज, निजी औद्योगिक पार्क के लिए अधोसंरचना अनुदान में बढ़ोत्तरी तथा प्लग एंड प्ले फैक्ट्री निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश में इज आफलिविंग को बढ़ावा देने हेतु, न्यूनतम 500 विद्यार्थी क्षमता के कक्षा पहली से 12वीं निजी सीबीएसई मान्यता प्राप्त स्कूल एवं मल्टिप्लेक्स युक्त मिनी मॉल से वंचित प्रदेश के नगरीय क्षेत्र एवं नगरीय क्षेत्र से भिन्न विकासखण्ड मुख्यालय से 10 किलोमीटर की परिधि तक के क्षेत्र में प्रथम तीन इकाई को थ्रस्ट सेक्टर की भांति सम्मिलित किया जाएगा।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर उपमुख्यमंत्री साव ने साधा निशाना, कहा- भ्रम और भय पैदा करने का ले रखा है ठेका

रायपुर. छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सीमा पर स्थित कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर चले बड़े एंटी नक्सली ऑपरेशन को लेकर प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है. पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य सरकार पर 8 सवाल दागे. इसके बाद उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पूर्व सीएम पर निशाना साधा है, उन्होंने कहा कि च्कांग्रेस ने भय और भ्रम पैदा करने का ठेका ले रखा हैज्. उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस ने भय और भ्रम पैदा करने का ठेका ले रखा है. यह लगातार यही काम करते हैं. डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद को समाप्त करने के खिलाफपूरी ताकत से लड़ाई लड़ रही है. लेकिन ये (कांग्रेसी) भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं. भाजपा द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा को लेकर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देने के लिए निकाली जा रही है. उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को भारत की ताकत का एहसास कराया है, और इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताने के लिए तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है.

नगर पालिक निगम क्षेत्र में हुई समाधान शिविर की शुरुआत

जगदलपुर । सांसद बस्तर महेश कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे और प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सभी की सहभागिता हो। इसी उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। सभी जागरूक नागरिकों ने आवेदनों के माध्यम से अपनी मांग रखी है जिसका विभागों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण किया गया और समाधान शिविर में जानकारी दी जा रही है। सांसद ने कहा कि सुशासन तिहार में आवेदनों का निराकरण जिस तेजी के साथ किया गया यह सतत रूप से जारी रहेगी। सरकार इस दिशा में लगातार सार्थक प्रयास करेगी। उन्होंने नागरिकों से शासन की जनहितकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर विकास में सहभागी बनने का आग्रह किया। सांसद श्री कश्यप मंगलवार को नगर पालिक निगम जगदलपुर के पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड के माहेश्वरी भवन में आयोजित समाधान शिविर को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक जगदलपुर किरण देव ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हित में कटिबद्धता के साथ सजग होकर काम कर रही है। सरकार गठन होने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर गारंटी को पूरा कर रही है। इस सुशासन तिहार का उद्देश्य आम जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्या-मांग का निराकरण करना है। साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं से हर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना है। जो जनता का जुड़ाव इन शिविरों में होने के साथ ही उनकी व्यापक सहभागिता को दर्शाता है। विधायक किरण देव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मंत्रीगण सरकार की इस सुशासन को शहर से गांव तक पहुंचाने के लिए भरी दुपहरी में गांवों में जाकर चौपाल लगाकर जनता से सीधे मुखातिब हो रहे हैं और उनकी समस्या निदान करने सहित जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा भी ले रहे हैं।

जनकल्याणकारी कार्यों के लिए डीएमएफडी मद को किया जाए उपयोग : सांसद

जगदलपुर । जिला खनिज संस्थान न्यास निधि की शासी परिषद सह समीक्षा बैठक की जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में बस्तर सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण देव और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती की उपस्थिति में आयोजित किया गया। बैठक में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में विकास कार्य को गति दे रही है। प्राकृतिक संपदा से संपन्न बस्तर में जिन कार्यों में विभागीय बजट का प्रावधान नहीं हो उन जनकल्याणकारी कार्यों के लिए डीएमएफ्डी मद को उपयोग किया जाए। डीएमएफ्टी मद में विशेष कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और विद्युत क्षेत्र को प्राथमिकता में रखकर बेहतर व्यवस्था किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में मानव संसाधन, मरम्मत योग्य शिक्षण संस्थाओं के पुन: निर्माण, पेयजल की संकट को दूर करने में सहायता दी जाए । विधायक किरण देव ने कहा कि जनता से सीधे जुड़ने वाले मामलों में डीएमएफ्टी मद से विकास कार्य को तत्काल कार्यवाही किया जाना चाहिए और डीएमएफ्टी मद से स्वीकृत कार्यों में प्राथमिकता वाले विषय पर विकास कार्य को समय सीमा में पूर्ण किया जाना चाहिए । संभाग मुख्यालय के विकास कार्यों का प्रभाव अन्य जिलों में भी दिखाई देता है। इसलिए पूर्व वर्षों के लम्बित विकास कार्यों को जल्द पूरा करवाएँ, इसके लिए विभागीय अधिकारी स्वप्रेरणा से दिक्कतों को दूर करने की पहल करें । बैठक में वित्तीय वर्षवार प्रगतिरत 210 विकास कार्यों की जानकारी दी गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 के डीएमएफ्टी मद से संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2025-26 के कार्ययोजना पर चर्चा कर अनुमोदन किया गया।जिसमें उच्च प्राथमिकता के ग्यारह कार्यों और अन्य प्राथमिकता के सात कार्यों के प्रावधानों पर चर्चा किया गया । बैठक में पेयजल समस्या, जल जीवन मिशन के लम्बित कार्यों में तेजी लाने तथा काम को अधूरा छोड़ने वाले निविदाकार के खिलाफ कार्रवाई करने, विद्युत व्यवस्था, डिस्मेंटल किए गए स्कूल भवनों के विकास जैसे प्रस्तावों पर चर्चा किया गया। साथ ही शासी परिषद के सदस्यों द्वारा उनके क्षेत्र के समस्या और अन्य विषय रखे गए जिसमें संबंधित विभाग के अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर संजय पांडेय, शासी परिषद के गणमान्य सदस्य, कलेक्टर हरिस एस, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

महापौर मधुसूदन यादव श्रमिक बाहुल्य वार्डो का दौरा कर पानी, सफाई के संबंध में नागरिको से की चर्चा

राजनांदगांव । महापौर श्री मधुसूदन यादव वार्डो में सुबह जाकर वार्डवासियो से रूबरू हो पानी, सफाई के संबंध में चर्चा कर रहे है, साथ ही उनके द्वारा स्कूल मैदान में जाकर खिलाडियो से मुलाकात कर उनका उत्साह वर्धन किया जा रहा है। आज उन्होने शहर के श्रमिक बाहुल्य वार्ड में नवागांव, बाबूटोला तथा लखोली, सेठी नगर कुँआ चैक में सुबह पहुचकर वार्डवासियों से पानी सफाई के संबंध में चर्चा किए, वही सर्वेश्वर दास स्कूल मैदान में खिलाडियों से मुलाकात की तथा शैक्षणिक भ्रमण में छत्तीसगढ विधानसभा जाने वाले विद्यार्थियों से मिलकर बधाई दिए। महापौर श्री यादव ने कहा कि शहर के सार्वजनिक कुँओ की सफाई के लिए प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, जल्द ही सफाई की जावेगी।महापौर श्री यादव आज सुबह नवागांव, बाबू टोला में जाकर नागरिको से चर्चा किए, पानी की समस्या पर कहा कि इस वर्ष मोहारा नदी में पानी कम होने के कारण समस्या आ रही है, समस्या का समाधान करने क्षेत्र में जाकर लोगो से

सम्पर्क कर टैंकर से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने लखोली क्षेत्र सेठी नगर, कुँआ चैक में नागरिको से मुलाकात कर उनका हाल चाल जान उनसे पानी, सफाई के संबंध में चर्चा किए। लोगो ने कहा कि सेठी नगर में लगे सिंटेक्स टंकी के पास बोर का पंप खराब हो गया है, जिससे टंकी नही भर पा रही है, उन्होंने पंप सुधारने जल विभाग के उप अभियंता को निर्देशित किए तथा जहाँ पानी की समस्या है वहा नई टंकी लगाने कहा। महापौर के निर्देश पर पंप मरम्मत कर दोपहर में नई टंकी भी लगाया गया। उनके द्वारा लखोली निस्तारी तालाब का निरक्षण कर जलकुभी हटवाने आश्वासन दिया गया। महापौर श्री यादव ने कहा कि पानी की समस्या का हम सबको मिलकर हल निकालना है, नगर निगम द्वारा पेयजल संकट वाले क्षेत्र में टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई की जा रही है, वही आवश्यकता अनुसार सिंटेक्स टंकी लगाकर भी पानी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निस्तारी के लिये शहर के सार्वजनिक कुँओ की भी सफाई की जावेगी, इसके लिए विभागीय प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और कुछ ही दिनों में शहर के कुँओ की सफाई की जावेगी। सुबह वार्ड भ्रमण के दौरान महापौर श्री यादव स्कूल मैदान में जाकर खिलाडियो से मुलाकात करते है, इसी कडी में आज उन्होंने सर्वेश्वर दास स्कूल मैदान मे जाकर खिलाडियो से मिल खेल संबंधी चर्चाकर उनका उत्साह वर्धन किए। आज सर्वेश्वर दास स्कूल के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण के तहत छत्तीसगढ विधानसभा जा रहे थे, उनसे भी मुलाकात कर उनसे चर्चा कर विधानसभा अध्यक्ष के बारे में जानकारी लिए। विद्यार्थियो ने बताया कि हमारे विधायक डॉ. रमन सिंह जी छत्तीसगढ विधानसभा के अध्यक्ष है। महापौर ने उन्हें बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाए दी।

सवारी बिठाकर परिवहन करने वाले 25 माल वाहक वाहनों पर कार्यवाही

दुर्ग। ऑपरेशन सुरक्षा अभियान के तहत यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा आज दिनांक को 25 माल वाहक वाहनों में सवारी बैठाकर परिवहन करने वाले के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट अधिनियम की धारा 39/192(1), 66/192(1) के तहत कार्यवाही की गयी है। वर्ष 2024 में अन्य जिलों में माल वाहक वाहनो हुई सडक दुर्घटनाओं को देखते हुए यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा ऑपरेशन सुरक्षा अभियान चलाकर लगातार माल वाहक वाहन में यात्रा करने वाले ऐसे वाहन चालको पर कार्यवाही की जा रही है जिसमें आज दिनांक को मोटर व्हीकल एक्ट अधिनियम की धारा 39/192(1), 66/192(1) के तहत 25 कार्यवाही की गयी एवं इस वर्ष 2025 में आज दिनांक तक 145 माल वाहक वाहनों पर कार्यवाही कर ऐसे वाहन चालको को समझाईस दी गई कि भविष्य में ऐसी गलती दुबारा न करने ऐसे वाहन चालको के लायसेंस निलंबन की कार्यवाही हेतु परिवहन विभाग को भी पत्र प्रेषित किया गया है।

जानलेवा हमला करने वाला पकड़ाया

भिलाई। दुर्ग जिले की थाना जामुल पुलिस ने मामूली विवाद पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा आरोपी से धारदार हथियार चाकू जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 12.05.2025 को प्रार्थी साहिल कुमार निवासी तालपुरी ने बताया कि कुलदीप उर्फ राहुल, हाउसिंग बोर्ड के साथ उसके घर के पास बैठकर शराब पी रहे थे । इसी बीच कुलदीप उर्फ राहुल के जीजा को काला बोलने की बात पर वाद विवाद हुआ और कुलदीप उर्फ राहुल अपने पेंट के पीछे जेब में रखे बटनदार चाकू निकालकर उसे पर प्राणघातक वार कर चोंट पहुंचाकर फरार हो गया ।

गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे जन कल्याणकारी योजना का लाभ

डोंगरगढ़/ मुसराकला । राज्य शासन के निर्देश पर प्रदेश भर में सुशासन तिहार मनाते हुए समाधन शिविर का आयोजन किया जा रहा है. इसी क्रम में 13 मई को ग्राम पंचायत मुसराकला में एक दिवसीय समाधान शिविर कार्यक्रम

आयोजित किया गया. जिसमें ग्राम पंचायत मुसराकला, कातलवाही, आलीवारा, भानपुरी, कसारी,पेंडरी, सलटेकरी, पारागांवकला,पारागांव खुर्द कुल 09 ग्राम के ग्रामीण महिला पुरुष बड़ी संख्या में भाग लिया. सुशासन सप्ताह अंतर्गत शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, उपाध्यक्ष किरण साहू एवं जनपद सदस्य श्रीमती सीमा साहू, प्रशांत कोड़ापे,सरपंच श्रीमती गायत्री टेंभुरकर उप सरपंच श्रीमती रामवती निषाद एवं समस्त पंचगण सहित ग्राम प्रमुख कमल नारायण साहू ग्राम पटेल हेमसिंह ठाकुर व्यापार संघ अध्यक्ष बजरंग साहू, एसडीएम मनोज मरकाम जनपद पंचायत सीईओ आलोक सातपुते तहसीलदार मुकेश ठाकुर, नायब तहसीलदार सतपाल यादव सहित सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी सहित 09 ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक उपस्थित रहे. शिविर में आए हुए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए स्टालों का अवलोकन किया, और उनके विभाग में कितने आवेदन आए और कितने आवेदनों का निराकरण किया गया उसकी जानकारी ली। इस अवसर पर ग्रामवासियों की समस्याओं को तन्यमयतापूर्वक सुनकर निराकरण के निर्देश दिए। शिविर को संबोधित करते हुए आए हुए अतिथियों ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप ग्राम पंचायतों के अंतिम व्यक्ति तक समस्या के समाधान के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के सुशासन में जिले के सभी गांवों का विकास होगा। विकास कार्य के लिए धन राशि की कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सभी वर्गों के हित का ध्यान रख रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्लस सर्वे किया जा रहा है, ताकि एक भी पात्र हितग्राही सर्वे सूची में नहीं छूटे और सभी को पक्का आवास मिले।

गलगम पहुंचे मुख्यमंत्री साय, जवानों का हौसला बढ़ाया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बीजापुर जिले के उसूर तहसील के अंदरूनी गांव गलगम पहुंचे, जहाँ उन्होंने सीआरपीएफ के जवानों और स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर हालिया नक्सल विरोधी अभियान की सफलता पर चर्चा की। इस अभियान में सुरक्षा बलों ने करेगुट्टा की पहाड़ी पर 21 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 कुख्यात माओवादी आतंकियों को मार गिराया और बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए। मुख्यमंत्री साय ने इस अभियान को नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे के उद्बोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने अदम्य साहस और समर्पण के साथ इस ऑपरेशन को सफल बनाया है। यह न केवल बीजापुर बल्कि पूरे राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। गलगम और करेगुट्टा का क्षेत्र लंबे समय से नक्सलियों का गढ़ माना जाता रहा है और इस अभियान ने इस इलाके को सुरक्षित बनाने की दिशा में नई उम्मीद जगाई है। सीआरपीएफ जवानों से मुलाकात के दौरान साय ने उनके साहस की सराहना की और कहा कि आपके शौर्य और निष्ठा से ही हम नक्सलवाद के खिलाफ इस लड़ाई को जीत रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमें सरकार में आए डेढ़ साल हुए हैं और इस अवधि में हमने राज्य में सुशासन स्थापित करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप लगातार अनेक कठिन नक्सल विरोधी ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। आप 44 डिग्री की गर्मी में भी ऑपरेशन चलाते हैं। ऐसे जवानों के अदम्य साहस को मैं नमन करता हूँ। उन्होंने बताया कि वे सुरक्षा कैम्प को सुविधा कैम्प मानते हैं क्योंकि सुरक्षा कैम्प के माध्यम से अब बस्तर के सुदूर इलाकों में अनेक तरह की सुविधाएं पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के कहा कि जब हमारी सरकार आयी तो इस क्षेत्र में सबसे पहला कैम्प मूलेर में खोला गया। आज मूलेर समेत आसपास के गांव में राशन की सुविधा, बिजली, स्वास्थ्य, स्कूल, मोबाइल टॉवर जैसी सुविधाएं मिलने लगी हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में नक्सल विरोधी अभियान में लगातार सफलता मिल रही है। राज्य में मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त करने का लक्ष्य है, निश्चित रूप से फोर्स के जवानों के अदम्य साहस की बदौलत हम इस संकल्प को पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा बस्तर में नियद नेल्ला नार योजना ने स्थानीय लोगों से जुड़ने में अहम भूमिका निभाई है। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ग्रामीण हितग्राहियों से भी मुलाकात की और उन्हें राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड का वितरण करते हुए पीएम आवास योजनांतर्गत स्पेशल प्रोजेक्ट नक्सल पीड़ित व आत्मसमर्पित परिवारों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सरकार क्षेत्र में विकास कार्यों को और अधिक तेज गति से करेगी साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगी।

नक्सल विरोधी अभियान की सफलता पर दी बधाई

माओवादियों की शांति वार्ता की पेशकश पर गृह मंत्री विजय शर्मा का सख्त रुख

रायपुर। माओवादी संगठन की ओर से एक बार फिर शांति वार्ता की पेशकश पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने साफशब्दों में कहा है कि बातचीत उसी स्थिति में संभव होगी, जब माओवादी स्वयं सामने आकर पहल करेंगे। उन्होंने यह भी दोहराया कि जो लोग बस्तर के संघर्ष और पीड़ा में कभी साथ नहीं खड़े हुए, वे आज शांति की बात करें तो यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। गृह मंत्री शर्मा ने कहा कि कुछ संस्थाएं और व्यक्ति वार्ता का प्रस्ताव लेकर आ रहे हैं, लेकिन ये वही लोग हैं जो कभी चिंगावरम, घोड़ा गांव, एर्राबोर, दरभा गुड़ा, ताड़मेटला और झीरम घाटी जैसी घटनाओं में मारे गए निर्दोष आदिवासियों के पक्ष में सामने नहीं आए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इन भयावह घटनाओं में आदिवासी मारे गए और छत्तीसगढ़ के नेताओं पर हमले हुए, तब इन लोगों की संवेदना कहां थी? उन्होंने यह भी कहा कि मणिकोंटा, रानीबोली और ताड़मेटला जैसे स्थानों की त्रासदियों पर भी इन लोगों की चुप्पी रही।

न्यायिक जीत के बाद भी भटक रहे सहायक शिक्षक, डिप्टी सीएम साव से लगाई गुहार

रायपुर. छत्तीसगढ़ में न्यायालय के आदेश की अवहेलना करना या कहे न्यायालय के आदेश को नजरअंदाज करना अब आम बात हो चुकी है. स्ढ्ढ भर्ती परीक्षा, छ्व.द्गस्र –क्र.द्गस्र भर्ती विवाद में पहले भी देखा गया है कि किस प्रकार कोर्ट के निर्देश का समय सीमा पर राज्य सरकार पालन करने से पीछे हटती आई है. ऐसा ही एक मामला है नगरीय प्रशासन द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति का, जिसमें सहायक शिक्षकों को अकारण नौकरी से निकाल दिया गया. अब न्यायिक जीत हासिल करने के बाद भी शिक्षक अपनी बहाली के लिए दर-दर भटक रहे हैं, क्योंकि सरकार कोर्ट का आदेश मानने में कोताही कर रही है. दरअसल उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव से मुलाकात करने प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से

सहायक शिक्षक पहुंचे थे. ये शिक्षक पूरे प्रक्रिया के तहत 2014 में निगम स्कूलों में नियुक्त किए गए थे, जिन्हें महज 50 दिन के अंदर बिना कारण निकाल दिया गया. हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अपने पक्ष में फैसला होने के बाद भी ये आज बेरोजगार हैं. साव से मुलाकात कर सभी ने 15 अप्रैल 2025 में जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया है उसके अनुसार उनकी नियुक्ति करने की मांग की है. 2 जून 2013 में नगरीय प्रशासन विभाग ने नगर निगम स्कूलों में सहायक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए 98 पदों पर विज्ञापन जारी किया था. 98 चयनित लोगों का लिस्ट जारी हुआ था, जिसमें से 45 लोगों ने पदभार ग्रहण किया था. 29/11/2014 को विभाग ने चयनित लोगों की सूची को ही निरस्त कर 45 लोगों का सेवा समाप्त का आदेश जारी कर दिया. याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई, जिसमें सिंगल बेच आदेश ने सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं के पक्ष में 16/04/2019 को नियुक्ति का आदेश जारी किया. राज्य सरकार ने फिर हाइकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दायर की. 2/03/2022 को सुनवाई में फिर से नियुक्ति का कोर्ट ने निर्देश दिया. हाई कोर्ट के फैसले से असंतुष्ट राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

डेंगू के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने को मनाया जाएगा राष्ट्रीय डेंगू दिवस

रायपुर। प्रदेश में डेंगू नियंत्रण के लिए किए गए ठोस उपायों का सकारात्मक परिणाम डेंगू के मामलों में कमी के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग की समन्वित रणनीतियों तथा व्यापक जनजागरूकता अभियानों के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 की पहली तिमाही में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। जनवरी से अप्रैल माह के दौरान राज्य में डेंगू के मामलों में 65 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में किए जा रहे सुदृढ़ प्रयासों की प्रभावशीलता को दर्शाती है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार ने डेंगू की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। समय रहते प्रभावी कदम उठाए गए, जिसका परिणाम है कि आज डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिल रही है। यह सफलता सरकार और जनता, दोनों के सहयोग का प्रतिफल है। डेंगू नियंत्रण की दिशा में यह सकारात्मक प्रगति प्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली की सजगता और प्रभावशीलता का परिचायक है। विदित हो कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण भी डेंगू नियंत्रण में एक प्रमुख कारक रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक समुचित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। डेंगू की शीघ्र जांच और उपचार के लिए विशेष जांच शिविर लगाए जा रहे हैं, जिससे मरीजों को समय पर इलाज मिलना संभव हो पाया है। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों एवं डॉक्टरों की टीम को विशेष प्रशिक्षण देकर डेंगू जैसी बीमारियों के उपचार में दक्ष बनाया गया है। डेंगू नियंत्रण को लेकर सरकार की सजगता, समयबद्ध फॉगिंग, घर-घर सर्वेक्षण, लार्वा नियंत्रण और प्राथमिक उपचार की बेहतर व्यवस्था ने मिलकर यह परिणाम दिलाया है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर,रायगढ़ जैसे शहरी जिलों में जहां डेंगू के केस ज्यादा आते थे, वहां भी मामलों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। स्वास्थ्य विभाग के अभियानों के साथ-साथ आम नागरिकों ने भी घरों और आसपास की सफाई, जल जमाव रोकने जैसे कार्यों में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई। पंचायतों, स्कूलों और नगरीय निकायों द्वारा जागरूकता रैलियां और कार्यक्रम आयोजित किए गए।

डेंगू एक गंभीर वायरल बुखार है, जो एडिस मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर मुख्यत: दिन के समय सक्रिय रहते हैं और साफ स्थिर पानी में पनपते हैं। इसलिए, घरों और आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव को रोकना अत्यंत आवश्यक है। पानी की टंकियों, कूलरों, गमलों, पुराने टायरों और अन्य बर्तनों को नियमित रूप से खाली और साफ करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें और शरीर को पूरी तरह ढकने वाले कपड़े पहनें। मच्छरदानी का प्रयोग मच्छरों से बचाव का सस्ता, सरल, प्रभावी और हानिरहित उपाय है। इसके अलावा, घर की खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगवाएं ताकि मच्छर घर में प्रवेश न कर सकें। यदि डेंगू के लक्षण जैसे तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, शरीर पर लाल चकत्ते आदि दिखाई दें,

तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। डेंगू के उपचार के लिए कोई विशेष दवा नहीं है, लेकिन उचित देखभाल और चिकित्सकीय सलाह से रोगी की स्थिति में सुधार संभव है। इसलिए, डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता और सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ऑपरेशन सिंदूर...रायपुर में बीजेपी ने निकाली तिरंगा यात्रा

रायपुर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाकर बदला लिया। इसलिए बीजेपी ने बुधवार शाम को रायपुर में तेलीबांधा (मरीन ड्राइव) से जयस्तंभ चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली। जिसमें नेताओं के अलावा सर्व समाज, साधु-संत और सैनिक परिवार भी शामिल हुआ। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल देश के सैनिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से पाकिस्तान को संदेश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सेना ये ताकत रखती है कि तुम आंख दिखाओगे तो तुम्हारी आंख निकालने की ताकत हम में हैं। अगर तुम हाथ उठाओगे तो तुम्हारे हाथ काटने की ताकत हम में है। अगर तुम गोली दागोगे तो हम भी दागेंगे और तुमको समाप्त करने की ताकत हमारी सेना में है।

युक्तियुक्तकरण प्रभावित शिक्षकों ने सिफारिश लगाना किया शुरू

रायपुर। लोक शिक्षण संचालनालय में इस समय रायपुर जिले के शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के लिए जारी की गई प्रक्रिया पर अब पेच लगता जा रहा है। प्रभावित शिक्षकों ने अब विधायकों एवं मंत्रियों से अपना स्थानांतरण रूकवाने के लिए सिफारिश लगाना शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य में इस समय रायपुर जिले में शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। रायपुर में ही सभी शिक्षक अपनी पदस्थापना चाहते हैं। रायपुर में उच्च स्तरीय शिक्षा सुविधा एवं अन्य कारणों से बड़ी संख्या में शिक्षक अन्य जिलों से स्थानांतरण होकर आ गए हैं। बताया जाता है कि रायपुर जिले में सिर्फ 5 हजार से अधिक शिक्षक कार्यरत हैं। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षकों की संख्या ज्यादा है। इस समय लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिले से सूची बनाई जा रही है। अतिशेष शिक्षकों ने भी युक्तियुक्तकरण से प्रभावित होने से पहले सिफारिश पत्र लगा दिया है, जिसके कारण वरिष्ठ अधिकारी परेशान है। पंडरी रायपुर, डूंडा, बाना, तेन्दूआ, खमतराई सहित अन्य प्राथमिक शालाओं में भी शिक्षकों की कमी है, जिसके चलते एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिक्षकों को भेजा रहा है। रायपुर के ऐसे शिक्षक जो कि आदिम जाति विभाग में कार्यरत हैं तथा विभिन्न जिलों में शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं। अब वे भी प्रतिनियुक्ति के लिए कोशिश कर रहे हैं। इस समय वे एनसीईआरटी सहित अन्य संस्थाओं में जाने के लिए प्रयासरत हैं। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कई बाबू लेन-देन भी कर रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी मौके का फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। इधर कर्मचारी संगठनों ने सरकार से मांग की है कि शासन द्वारा स्थाानांतरण की स्पष्ट नीति बनाया जाना चाहिए, अन्यथा लोग इसका गलत फायदा लेंगे।

सीएम साय ने ली समीक्षा बैठक : अफसरों से कहा - न्यायालयों में ऑनलाइन गवाही की व्यवस्था सुनिश्चित करें

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि – दूरस्थ अंचलों में रहने वाले ग्रामीणों को समय पर और सुलभ न्याय दिलाने के लिए न्यायालयों में ऑनलाइन गवाही की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सीएम साय ने कहा कि, डिजिटल तकनीक का उपयोग कर न्यायिक प्रक्रिया को सहज और तेज़ किया जा सकता है, जिससे आम लोगों को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था विशेष रूप से आदिवासी अंचलों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। आवागमन की कठिनाइयों के चलते लोग न्यायालय तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने ने कहा कि, सुशासन तिहार सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रतिबिंब है। उन्होंने बताया कि, सुशासन तिहार 2025 तीन चरणों में चलाया जा रहा है, और तीसरे चरण में वे स्वयं जिलों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते डेढ़ वर्षों में हमने मोदी की गारंटी के वादों को प्राथमिकता से लागू किया है, जिससे आमजन में सरकार के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, बीते डेढ़ वर्षों में बस्तर संभाग में नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावशाली कार्रवाई हुई है। उन्होंने मार्च 2026 तक नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का संकल्प दोहराते हुए कहा कि, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए रहवास, पुनर्वास, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार की पूरी व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि एनएमडीसी और निजी क्षेत्र की भागीदारी से प्लेसमेंट कैंप आयोजित किए जाएं ताकि ये युवा मुख्यधारा में आत्मविश्वास से लौट सकें। उन्होंने ने कहा कि, जनजातीय अंचलों में स्थानीय संसाधनों के अनुरूप रोजगार के अवसर विकसित किए जाएं। उन्होंने 1460 पंचायतों में शुरू हुए अटल सेवा केंद्रों की जानकारी दी। कहा कि अब ग्रामीणों को बैंकिंग जैसी सेवाएं गांव में ही मिलेंगी। जनजातीय बाहुल्य बस्तर क्षेत्र खनिज एवं वनोपज संपदा से समृद्ध है। यहां के रहवासियों की आय संवृद्धि और उन्हें विकास की मुख्यधारा से सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं। सीएम साय ने कहा , बस्तर के समग्र विकास को सुनिश्चित कर बस्तर ही नहीं समूचे छत्तीसगढ़ और देश को मार्च 2026 तक बस्तर से माओवाद का समूल उन्मूलन करेंगे।

उन्होंने वनोपज संग्रहण , प्रसंस्करण और खेती को जनजातीय समुदाय के समृद्धि के जरूरी निरूपित करते हुए खेती-किसानी को बढ़ावा देने सहित सिंचाई के साधनों के विकास और कृषि के आनुषांगिक गतिविधियों मछलीपालन, पशुपालन, बकरापालन, सूकरपालन और दुग्ध उत्पादन के लिए बेहतर प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। वहीं बस्तर में पर्यटन सुविधाओं के विकास पर फोकस कर इसके जरिए रोजगार को बढ़ावा देने कहा। उन्होंने ने कहा कि, बस्तर के ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के जरिए आम जनता को ज्यादा से ज्यादा सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने नियद नेल्लानार योजनांतर्गत सम्बन्धित क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया और अन्य विकास कार्यों को टीम भावना के आगे बढ़ाते हुए जन सेवा में जुटे रहने के निर्देश दिए।

पर्यावरण व प्रकृति को सुरक्षित रखना सबसे बड़ा कर्म

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज राजभवन में स्काउट्स और गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने राज्य के सर्वश्रेष्ठ स्काउटर, गाइडर, रोवर, रेंजर, एवं स्काउट-गाइड को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या को देखते हुए प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सबकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। स्काउट्स एवं गाइड्स को इसमें अपना सक्रिय योगदान देना होगा। उन्होंने सभी से एक पेड़ मां के नाम पर लगाने और दोस्तों एवं परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करने की बात कही। श्री डेका ने सम्मान प्राप्त होने पर स्काउट्स एवं गाइड्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स अपने आदर्श वाक्य च्तैयार होच्च् के अनुरूप हमेशा अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी के साथ देश और समाज की मदद हेतु तत्पर रहते हैं। देश के युवाओं को अच्छे नागरिक बनने, आत्मनिर्माण करने और सेवा कार्य हेतु सदा तैयार रहने की प्रेरणा देते हैं। आज भारत के युवा, अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उसी दिशा में कदम बढ़ाते हैं जहां उन्हें अपना करियर बनाना है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सीएम विष्णुदेव साय को लिखा पत्र

कलाकारों के लंबित भुगतान को लेकर वित्त विभाग को जल्द निर्देश देने का किया अनुरोध

रायपुर. छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है. संस्कृति विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में आयोजित कार्यक्रमों के पश्चात भी कलाकारों को अब तक मानदेय का भुगतान नहीं मिल पाया है. इस गंभीर विषय को लेकर रायपुर लोकसभा सांसद एवं पूर्व संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल कलाकारों के समर्थन में सामने आए हैं. वरिष्ठ गायक और भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी शरद अग्रवाल ने बृजमोहन अग्रवाल को इस संबंध में अवगत कराया था कि संस्कृति विभाग ने पिछले वर्ष जून माह में ही वर्ष 2023-24 के कार्यक्रमों के भुगतान के लिए वित्त विभाग से प्रशासकीय स्वीकृति मांगी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. इसके अलावा वर्ष 2024-25 में भी बजट समाप्त हो जाने के कारण नए कार्यक्रमों का भुगतान भी अटक गया है. इस पर तत्परता दिखाते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि कलाकारों को उनके पूर्व लंबित भुगतान शीघ्र दिलाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं. उन्होंने पत्र में लिखा कि देरी के कारण कलाकारों को आर्थिक और मानसिक रूप से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. च्कलाकारों का भुगतान प्रशासकीय स्वीकृति के अभाव में अटका हुआ है. कृपया इसे गंभीरता से लेते हुए वित्त विभाग को त्वरित निर्देश दें ताकि वर्ष 2023-24 और 2024-25 दोनों के कार्यक्रमों के बाद कलाकारों को उनका मेहनताना मिल सके. राज्य भर के अंचलों से आने वाले कलाकार जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते हैं, लेकिन भुगतान न होने से उनकी आजीविका पर असर पड़ रहा है.

मुख्यमंत्री पहुंचे सीतागांव समाधान शिविर 132 केवी सब स्टेशन सहित कई घोषणाएं

रायपुर । मुख्यमंत्री साय शुक्रवार को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सीतागांव में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा तथा मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह भी उपस्थित थे। सुशासन तिहार के तृतीय चरण अंतर्गत आज के समाधान शिविर में क्षेत्र की 8 ग्राम पंचायतों—सीतागांव, मदनवाड़ा, कारेकट्टा, हलांजुर, हुरेली, कंदाडी, कोहका, हलोरा—को क्लस्टर के रूप में शामिल किया गया था। मुख्यमंत्री साय ने इन पंचायतों के हितग्राहियों से सीधा संवाद कर शासन की योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की जानकारी ली और उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार 2025 मनाया जा रहा है। हमारी सरकार को कार्यभार संभाले डेढ़ वर्ष हुआ है और इस दौरान हम निरंतर जनता के बीच पहुंचकर योजनाओं के प्रभाव और लाभ का आकलन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह सरकार पारदर्शिता और जनभागीदारी की भावना से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार बनने के बाद 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए 15 हज़ार विशेष मकानों की स्वीकृति दी गई है। महतारी वंदन योजना का लाभ सभी पात्र बहनों को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की है। जमीन की रजिस्ट्री के साथ अब नामांतरण की प्रक्रिया भी स्वतः पूर्ण होगी। हक त्याग अब केवल 500 रुपये में हो रहा है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिन्हें आगामी एक वर्ष में सभी ग्राम पंचायतों तक विस्तारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि नया रायपुर में स्थापित आदिवासी संग्रहालय जनजातीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत है और मार्च 2026 तक इसे पूर्ण रूप से समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सीतागांव उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उन्नयन करने, मोहला में बस स्टैंड और छात्रावास का निर्माण करने, सीतापुर में हाई स्कूल का हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन करने और अंबागढ़ चौकी क्षेत्र में 132 केवी सब स्टेशन की स्थापना की घोषणा की।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से बदल रहा है जनजीवन

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। कांकेर जिले के पखांजूर विकासखण्ड के ग्राम पीवी 93 सिरपुर निवासी शंकर बरकंदाज ने समाधान शिविर के मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हुए परिवर्तन की जानकारी दी। अतिसंवेदनशील ग्राम छोटेबेठिया में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में शंकर बरकंदाज ने बताया कि वे अत्यंत गरीब परिवार से हैं तथा पहले कच्चे मकान में रहने को विवश थे। पारिवारिक आर्थिक स्थिति दुर्बल होने के कारण पक्के मकान का निर्माण कर पाना उनके लिए असंभव था। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत उनका प्रकरण स्वीकृत हुआ, जिसके फलस्वरूप आज उनका अपना पक्का मकान पूर्ण रूप से तैयार हो चुका है। बरकंदाज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें और उनके परिवार को एक सुरक्षित आश्रय प्रदान किया है। उन्होंने भावुक होकर बताया कि पहले उनका जीवन कच्चे मकान की सीलन, असुरक्षा और कष्टों से भरा हुआ था, किन्तु अब इस योजना के अंतर्गत मिले आवास के कारण वे अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ सुखपूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं।

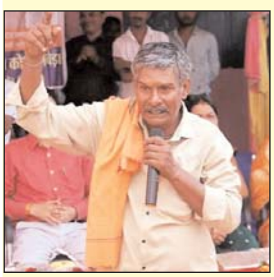

स्काईवॉक प्रोजेक्ट पर गरमाई सियासत: 8 साल बाद फिर शुरू होने जा रहा निर्माण कार्य

रायपुर। राजधानी रायपुर का बहुचर्चित और वर्षों से अधूरा पड़ा स्काईवॉक प्रोजेक्ट एक बार फिर सियासत के केंद्र में आ गया है। करीब 8 सालों से रुका यह फुट ओवर ब्रिज अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई वाली बीजेपी सरकार के कार्यकाल में दोबारा शुरू किया जा रहा है। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और निर्माण कार्य जल्द शुरू होने वाला है। लेकिन इसके साथ ही भाजपा और कांग्रेस के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर तीखी जुबानी जंग छिड़ गई है। कांग्रेस इसे जनता के पैसे की बर्बादी और भ्रष्टाचार का माध्यम करार दे रही है। वहीं बीजेपी का कहना है कि अधूरे विकास कार्य को पूरा किया जा रहा है, कांग्रेस कार्यकाल में राजनीति के उद्देश्य से स्काईवॉक के काम को रोका गया था। पीसीसी चीफदीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा कि स्काईवॉक बनाने का कोई फायदा नहीं। यह केवल लूटमार और अपराध का अड्डा बनेगा। केवल भ्रष्टाचार करने के लिए इस प्रोजेक्ट को फिर से शुरू किया जा रहा है। ट्रैफिक कम करने के लिए लोग ओवरब्रिज बना रहे हैं, राजधानी में कौन इसका प्रयोग करेगा? इसी वजह से कांग्रेस ने इस योजना का काम रोका था। डिप्टी सीएम और पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव ने कहा कि विकास को ध्यान में रखकर हमारी सरकार के समय स्काईवॉक की योजना बनी थी। बहुत बड़े पैमाने पर काम हो चुका था। कांग्रेस सरकार ने राजनीति के उद्देश्य से स्काईवॉक के काम को रोका। सरकार के खजाने से जो काम हो चुका था, उसे रोकने का काम कांग्रेस ने किया। उनकी कमेटी ने भी रिपोर्ट दी थी कि स्काईवॉक बनना चाहिए। अंततः टेंडर की मंजूरी हो चुकी है, अब आगे उस काम को पूरा करेंगे। स्काईवॉक के निर्माण को लेकर बीजेपी सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस की सरकार 5 साल में कोई निर्णय नहीं ले पाई। बीजेपी की सरकार ने इसे पूरा करने का निर्णय लिया है। स्काईवॉक पूरा होना चाहिए, इसका सदुपयोग होना चाहिए। जब तक पूरा नहीं हुआ है, तब इस पर शंका-कुशंका जाहिर करना उचित नहीं है। स्काईवॉक में जो पैसे खर्च हुए हैं, उसका लाभ जनता को मिलना चाहिए। बता दें कि स्काईवॉक प्रोजेक्ट को साल 2017 में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सरकार में स्वीकृति मिली थी, लेकिन साल 2019 में कांग्रेस के सत्ता में आते ही इसे रोक दिया गया था।

प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने बीजापुर में आयोजित समाधान शिविर का किया औचक निरीक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कि मंशा के अनुरूप राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आम नागरिकों के समस्या का त्वरित निराकरण करने तथा शासन-प्रशासन का जनता के बीच संवाद स्थापित करने समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। नगरपालिका बीजापुर के विभिन्न वार्ड वासियों एवं जनसाधारण से प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु सुशासन तिहार के तीसरे चरण में जैतालूर मार्ग पर स्थित हल्बा समाज भवन परिसर में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। प्रभारी मंत्री श्री कश्यप कि उपस्थिति पर जनसाधारण में उत्साह देखने को मिला। शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार जन साधारण की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने उनके मांगो को पूरा करने के लिए विगत दो माह से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम चरण में 8 से 11 अप्रैल तक` प्राप्त आवेदनों को निराकृत करते हुए आवेदकों को अवगत भी कराया जा रहा है। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रदेश के मुखिया श्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय अपने बीजापुर प्रवास के दौरान जिले के विकास को नई दिशा देने बीजापुर में शांति, सौहार्द्र और अहिंसा के स्थापना के साथ जिले के सर्वांगीण विकास हेतु गहन समीक्षा करते हुए जिले के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। बीजापुर जिला का गठन एवं उनके निरंतर विकास के बारे में बताते हुए कहा कि हमारी सरकार ने बीजापुर को जिले का स्वरूप प्रदान किया। पहले आतंक और भय का वातावरण होता था लेकिन अब निरंतर विकास शासकीय योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन अधोसंरचना सड़क, पुल, पुलिया, बिजली, पानी, अस्पताल, स्कूल जैसे नागरिक सुविधाओं के विस्तार से बीजापुर जिले का स्वरूप लगातार बदल रहा है। सकारात्मक, बदलाव, का यह सिलसिला जारी रहेगा। मंत्री श्री कश्यप ने हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ

दिलाया। राजस्व विभाग अन्तर्गत जन्म के तुरंत बाद जाति प्रमाण पत्र प्रदाय करते हुए बताया कि पहले जाति प्रमाण पत्र के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी जो अब आसानी से घर पर पहुंचा कर दिया जा रहा है। इसी तरह रसोई गैस हर किसी को नहीं मिल पाता था जो आज प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत प्रत्येक घरों में रसोई गैस मिल रहा है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को बताते हुए कहा कि गंभीर बीमारी के ईलाज के लिए लोगों को घर, जमीन, जायदाद बेचने पड़ जाते थे अब 5 लाख रूपए तक निःशुल्क एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधा सरकार द्वारा दी जा रही है।

दांतों को भी मिलेगा 'आयुष्मान' का वरदानः सरकारी अस्पतालों में होगा बीमारियों का मुफ्त इलाज

रायपुर। आने वाले दिनों में लोगों को दांतों से संबंधित बीमारियों का

शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना से निशुल्क उपचार का लाभ मिल सकता है। प्रारंभिक विचार के मुताबिक आयुष्मान योजना में इसका पैकेज सरकारी अस्पतालों के लिये रिजर्व किया जा सकता है दांतों की बीमारी को पैकेज में जोड़ने के लिए शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय से प्रस्ताव के साथ बीमारियों के बारे में जानकारी मांगी गई है। निजी अस्पतालों में दांतों के इलाज के नाम पर होने वाले तोड़-मरोड़ की लंबी शिकायतों के बाद इसे स्वास्थ्य योजना के पैकेज से हटा दिया गया था। आयुष्मान योजना में शामिल नहीं होने की वजह मरीजों को दांतों की छोटी से लेकर बड़ी समस्या के इलाज के लिए पैसे खर्च करने पड़ते हैं। एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के उपचार का शुल्क तो कम है, मगर निजी डेंटल क्लीनिकों में इसके लिए मोटी फीस देनी पड़ती है।स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने में गंभीरता दिखा रही प्रदेश सरकार ने दांतों की बीमारी की भी सुध ली है। आने वाले समय में मरीजों को दांतों के इलाज की निशुल्क सुविधा सरकारी अस्पताल में मिलने की संभावना है। इसके लिए प्रारंभिक स्तर पर तैयारी शुरू की जा चुकी है और बीमारियों की जानकारी के साथ शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय से प्रस्ताव मांगा गया है। जानकारी के आधार पर इसका परीक्षण किया जाएगा, फिर आयुष्मान योजना में इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जमीन रजिस्ट्री हुई आसानः साय सरकार ने किए 10 नवाचार, प्रदेशवासियों को फर्जीवाड़े से मिलेगी निजात

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने जमीन रजिस्ट्री प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए 10 क्रांतिकारी नवाचार शुरू किए हैं। इन नवाचारों का उद्देश्य नागरिकों को सुविधा प्रदान करना और

भ्रष्टाचार को कम करना है। इन नवाचारों से आमजन को समय, श्रम और धन की बचत होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी।इन सुविधाओं में आधार आधारित प्रमाणीकरण, ऑनलाइन सर्च एवं डाउनलोड, कैशलेस भुगतान, डिजीलॉकर, वॉट्सऐप नोटिफिकेशन, घर बैठे रजिस्ट्री, डिजीडॉक्यूमेंट, स्वतः नामांतरण जैसी तकनीकी सेवाएं शामिल हैं। इन सुविधाओं से रजिस्ट्री प्रक्रिया, पेपरलेस सुरक्षित और नागरिकों के लिए सहज हो सकेगी। अब आम नागरिक रजिस्ट्री से जुड़ी सेवाएं घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे, जिससे समय, श्रम और धन की बचत होगी। 1. आधार आधारित प्रमाणीकरण से क्रेता, विक्रेता और गवाहों की पहचान आधार रिकॉर्ड के माध्यम से की जाएगी, जिससे फर्जीवाड़े की संभावना समाप्त होगी। 2. ऑनलाइन सर्च एवं डाउनलोड सुविधा से खसरा नंबर डालते ही संपत्ति के पूर्व लेन-देन की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त की जा सकेगी। 3. भारणमुक्त प्रमाण पत्र ऑनलाइन से संपत्ति पर ऋण आदि की जानकारी एक क्लिक में ऑनलाइन उपलब्ध होगी। 4. एकीकृत कैशलेस भुगतान सुविधा से स्टाम्प और पंजीयन शुल्क का एकसाथ डिजिटल भुगतान किया जा सकेगा। 5. व्हाट्सएप सेवाएं से रजिस्ट्री से जुड़ी सभी सूचनाएं, अपॉइंटमेंट और दस्तावेज व्हाट्सएप पर ही उपलब्ध होंगे। 6. डिजीलॉकर सुविधा से रजिस्ट्री दस्तावेज डिजिलॉकर में डिजिटल रूप से संरक्षित रहेंगे। 7. ऑटो डीड जनरेशन सुविधा से दस्तावेज ऑनलाइन ही स्वतः तैयार होकर उप-पंजीयक को प्रस्तुत होंगे। 8. डिजी डॉक्युमेंट सुविधा से शपथ पत्र, अनुबंध जैसे गैर-पंजीयन योग्य दस्तावेज भी ऑनलाइन तैयार व स्टाम्प शुल्क ऑनलाइन अदा किया जा सकेगा।

एसएसपी बिलासपुर ने ली अनुशासनात्मक जनरल परेड

बिलासपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर श्री रजनेश सिंह (भा.पु.से.) द्वारा पुलिस लाइन बिलासपुर में परेड ग्राउंड पर जनरल परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। एसएसपी श्री सिंह द्वारा परेड की सलामी ली गई तथा पूरे परेड का निरीक्षण कर अधिकारियों व जवानों के अनुशासन, टर्नआउट तथा शारीरिक फिटनेस का आकलन किया गया।

परेड में वर्दी की साफ-सफाई, साजसज्जा एवं टर्नआउट के आधार पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जवानों को पुरस्कृत किया गया। वहीं, जिनका टर्नआउट मानकों के अनुरूप नहीं था, उन्हें सुधार हेतु निर्देशित किया गया एवं आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त परेड ड्रिल कराई गई। आरक्षक क्रमांक 948 रामचंद्र साहू (थाना अजाक) को सर्वश्रेष्ठ वर्दी टर्नआउट के लिए मंच पर बुलाकर अन्य सभी को आदर्श प्रस्तुत किया गया कि एक उत्कृष्ट वर्दी किस प्रकार होनी चाहिए। परेड के उपरांत वाहनों की निरीक्षण प्रक्रिया भी की गई, जिसमें एसएसपी महोदय ने मोटर व्हीकल शाखा के रखरखाव, वाहनों की फिजिकल कंडीशन, माइलेज रजिस्टर एवं ड्राइवर डायरी की जांच की। ड्राइवरों को वाहनों के उचित रखरखाव हेतु निर्देशित किया गया। परेड के दौरान

स्क्वाड ड्रिल कराई गई तथा शस्त्र अभ्यास कराया गया। समस्त अधिकारियों एवं जवानों को उनके जातीय हथियार जैसे स्ल्क्, ढ्ढह्म्स्, ्च–47, पिस्टल आदि के उपयोग, खोलना–जोड़ना एवं हैंडलिंग का अभ्यास कराया गया। अभ्यास के उपरांत जिन जवानों ने बेहतर प्रदर्शन किया, उन्हें पुरस्कृत किया गया तथा जिनकी हैंडलिंग कमजोर पाई गई, उन्हें रिफ्रेशर कोर्स हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ओ.आर. पेशी ली गई, जिसमें कुल 16 कर्मचारियों को उनके द्वारा की गई त्रुटियों हेतु स्पष्टीकरण हेतु बुलाया गया। उनके स्पष्टीकरण सुनने समस्याओं का निराकरण किया गया और भविष्य में ऐसी गलतियाँ न दोहराने हेतु समझाइश दी गई। साथ ही, 4 पुलिसकर्मियों द्वारा रखी गई व्यक्तिगत समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित शाखाओं को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।पेड के समापन अवसर पर एसएसपी श्री रजनेश सिंह (भा.पु.से.) द्वारा समस्त उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के अनुरूप जिले में बेहतर बेसिक पुलिसिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए।

अपराधियों की गिरफ्तारी, फरियादियों की समस्याओं का त्वरित समाधान और आमजन को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बीट प्रणाली को प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया। प्रत्येक आरक्षक, प्रधान आरक्षक एवं अधिकारी को उनके कार्यक्षेत्र निर्धारित कर दायित्व सौंपने के निर्देश दिए गए। सभी ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों में बीट प्रभारी एवं अधिकारियों का नाम व मोबाइल नंबर प्रदर्शित किए जाने के निर्देश दिए गए ताकि आम नागरिक सीधे संपर्क कर सकें। इसके अतिरिक्त, सभी अधिकारियों एवं जवानों से यह जानकारी ली गई कि उनके द्वारा किए गए कार्यों में कौन से कार्य सराहनीय रहे, किन्हें अब तक उपयुक्त सम्मान या इनाम नहीं मिला।

23 प्रवासियों की जांच, मकान मालिकों को दिए निर्देश

जशपुर। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देश पर जशपुर पुलिस द्वारा अवैध व अनाधिकृत रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में दिनांक 14.05.25 को चौकी कोतबा पुलिस द्वारा कोतबा टाउन में रह रहे 23 प्रवासियों की पहचान संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई, जिनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज शामिल थे। साथ ही, सभी प्रवासियों के फिंगरप्रिंट डाटा भी संकलित किए गए हैं। ये प्रवासी मुख्यतः पश्चिम बंगाल और झारखंड से आए हैं पुलिस द्वारा मकान मालिकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे अपने किराएदारों की पूरी जानकारी थाने में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें, जिससे किराएदारों का सही ढंग से सत्यापन किया जा सके।

खनिज विभाग ने की कार्रवाई : रेत के अवैध परिवहन में लगे 10 वाहन जप्त

कोरबा। कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण की प्राप्त शिकायतों की जांच एवं क्षेत्र भ्रमण के दौरान बरपाली तहसील अंतर्गत ग्राम झींका में खनिज के अवैध भंडारण प्रकरण में खनिज रेत व 01 नग चैन माउंटेन मशीन तथा रेत के अवैध परिवहन में 01 हाईवा, उरगा क्षेत्र में खनिज के अवैध परिवहन में गिट्टी के 02 हाईवा, रेत के 01 टिप्पर व 02 ट्रेक्टर, रेत में अवैध परिवहन में 01 ट्रेक्टर कुल 10 वाहन/मशीन खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही कर जप्त किया गया है।

राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से समय सीमा में करें निराकरण - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व प्रकरणों में निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए प्राथमिकता से निराकरण करें। कलेक्टर ने अविवादित, विवादित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, भू-अर्जन, नक्शा बंटाकन, डायवर्सन, राजस्व वसूली सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने समय सीमा से बाहर के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के तहत प्राप्त आवेदन की समीक्षा करते हुए शत प्रतिशत आय, जाति प्रमाण पत्र बनाने कहा। उन्होंने त्रुटि सुधार के प्रकरणों शीघ्र निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री के दैनिक प्रगति और अप्रूअल की स्थिति, डिजीटल क्रॉप सर्वे, स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सुशासन तिहार एवं राजस्व पखवाड़ा में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, जन शिकायत पोर्टल में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्रीमती आराध्या राहुल कुमार, सर्व एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना ने आतंकवाद को ध्वस्त कर ताकत से किया इंसाफ : रमन सिंह

राजनांदगांव । राष्ट्र सेवा के लिए देश के सैनिकों के अदम्य साहस, पराक्रम और शौर्य को सम्मान देने के लिए तथा आपरेशन सिंदूर में सशक्त भारतीय सेना के योगदान को अविस्मरणीय बनाने एवं देशभक्ति के जज्बे को हर दिल में अक्षुण्य बनाए रखने के लिए आज तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए आज अभूतपूर्व उत्साह के साथ कारवां निकला। हम सेना के साथ हैं और ऑपरेशन सिंदूर के साथ राष्ट्र की भावनाओं को अभिव्यक्त करते हुए देश के जवान-सैनिकों के प्रति आभार प्रकट करने के लिए नगरवासियों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज शहर के आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। विधानसभा डॉ. रमन सिंह ने कहा कि देश भर में तिरंगा यात्रा देश की आन-बान-शान के लिए आयोजित की जा रही है। देश की एकता और सौहार्द्र को बनाये रखने के लिए देश के कोने-कोने से आवाज आ रही है। पाकिस्तान के आतंकवादियों ने जिस तरह जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में निर्दोष नागरिकों की हत्या की और देश के सौहार्द्र एवं समरसता को क्षति पहुंचाने की कोशिश की गई। जाति एवं धर्म पूछकर निर्मम हत्या की गई और हमारी बहनों को सिंदूर पोछना पड़ा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इंसाफताकत से किया गया और भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर में ऐसे स्थान जहां आतंकवादी गतिविधियां संचालित हो

रही है, उन्हें ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा इस संदेश को लेकर निकला है कि भारत की ताकत, भारत की सेना, भारत के जवान मातृभूमि के लिए युद्ध लड़े हैं, हम उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए हम यह संकल्प लेते है, कि भारत विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति ही नहीं बल्कि हमारी सेना में भी चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य है। तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय, जय जवान जय किसान के उद्घोष से माहौल गूंज उठा। भारत की जीत सशस्त्र बलों की सुरक्षा, सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के लिए आभार प्रकट करने स्कूली बच्चे, स्काउट-गाइड, खिलाड़ी एवं नागरिकों का काफिला नगर निगम कार्यालय से गायत्री मंदिर चौक होते हुए भारत माता चौक से होते हुए महाकाल चौक, मानव मंदिर चौक, जयस्तंभ चौक में तिरंगा यात्रा का समापन हुआ। ढोल मंजीरे की मंगल ध्वनि के साथ देश भक्ति पूर्ण गीतों दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए..., संदेशे आते है..., हमे इश्क है सरजमी से, वंदेमातरम्... जैसे देश भक्तिपूर्ण गीतों से ऑपरेशन सिंदूर की जीत के जश्न को मनाया गया। जम्मू-कश्मीर राज्य के पहलगांव में हुए आंतकवादी हमले के खिलाफ भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं वीरता के प्रति नगरवासियों ने कृतज्ञता व्यक्त किया। इस अवसर पर आतंकवादियों के खिलाफ देश के स्वर को बुलंद करने के लिए बच्चों ने तख्तियां लेकर आतंकवाद का पुरजोर विरोध किया। पुलिस के जवानों ने लंबे तिरंगे लेकर ऑपरेशन सिंदूर के प्रति अपने भावनाओं को व्यक्त किया। कारगिल युद्ध में शामिल हुए मेजर राजेश शर्मा ने कहा कि आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या की। उसके जवाब में भारतीय सेना ने आतंकवादियों के ठिकानों को नेस्तानाबूद कर दिया और ऑपरेशन सिंदूर के लिए बखूबी अंजाम दिया गया। तिरंगा यात्रा सैनिकों के लिए सम्मान है तथा भारतीय सेना के अतुल्य साहस का परिचय है। आज भारत सुपरपावर बनने की ओर अग्रसर है। कोई इसे कमजोर न समझे।

राज्यपाल ने बिलासपुर, कोरिया और सारंगढ़-बिलाईगढ़ के 30 टी.बी मरीजों के लिए दी 1.80 लाख की सहायता

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने राज्य के बिलासपुर, कोरिया और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के 30 टी.बी. मरीजों की मदद के लिए निःक्षय मित्र बनते हुए 1 लाख 80 हजार रूपये की राशि अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदान की है। इस सहायता से मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जायेगा जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलेगी। राज्यपाल श्री डेका ने बिलासपुर जिले के 10 टी.बी. मरीजों को एक वर्ष के लिए 60 हजार रूपये की आर्थिक सहायता की स्वीकृति दी है। इसी तरह सारंगढ़-बिलाईगढ़ और कोरिया जिलों के 10-10 टी.बी. मरीजों को भी प्रति माह पांच सौ रूपये के मान से एक वर्ष के लिए 60-60 हजार रूपये आर्थिक सहायता राशि दी गई है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की फ्लैगशीप योजना प्रधानमंत्री टी.बी मुक्त भारत अभियान के तहत देश एवं प्रदेश को वर्ष 2025 तक टी.बी मुक्त बनाना लक्ष्य है। श्री डेका ने राज्य को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए समुदाय की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए जन सहयोग पर बल दिया है।

निगम के सभागृह को संवारने उद्योग मंत्री ने दी 02 करोड़ 19 लाख रू. के कार्यो की सौगात

रायपुर। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य व श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के नेहरू सभागार को संवारने, सभागार को सर्वसुविधायुक्त बनाने एवं परिसर का सौदर्यीकृत किए जाने हेतु कल सोमवार को 02 करोड़ 19 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यो व सुविधाओं को बढ़ाने से संबंधित कार्यो का भूमिपूजन किया। इस मौके पर महापौर

श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, प्रभारी आयुक्त श्री विनय मिश्रा, मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा पुराने कोर्ट के पास स्थित नेहरू सभागृह में 01 करोड़ 62 लाख 53 हजार रूपये की लागत से फर्नीचर संबंधी कार्य, पब्लिक एड्रेस, वीडियो कांफ्रेसिंग व साउण्ड सिस्टम का विस्तार कार्य किया जाना हैं, इसी प्रकार सभागृह परिसर में 56 लाख 75 हजार रूपये की लागत से लैण्ड स्केपिंग व संबंधित सिविल कार्य कराए जाने हैं। आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए इन कार्यो का भूमिपूजन किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने की, उन्होने विधिवत पूजा अर्चना की, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा कार्यो का शुभारंभ कराया। मंत्री श्री देवांगन ने सभागृह में उपलब्ध कराई जाने वाली विविध आधुनिक सुविधाओं व परिसर के विकास कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं समयसीमा में सभी कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस मौके पर अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि निगम के इस सभागृह में निगम के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पार्षद, निगम क्षेत्र के विकास व निगम से जुड़े विविध कार्यो से संबंधित निर्णय लेते हैं, जिनका क्रियान्वयन कर नगर निगम शहर का समुचित विकास व मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। उन्होने कहा कि मुझे खुशी है कि जिस स्थल पर नगर के विकास व जनता की सुविधाओं की बेहतरी हेतु निर्णय लिए जाते हैं, उस स्थल को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है, बेहतर स्वरूप दिया जा रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक पर जनमानस की विश्वसनीयता कायम : डॉ. रमन सिंह

राजनांदगांव । विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज दिग्विजय स्टेडियम परिसर स्थित भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा राजनांदगांव का शुभारंभ किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा राजनांदगांव शहर में वर्ष 1952 से प्रारंभ हुई है। राजनांदगांव शहर में यह सबसे पुराना बैंक होने के कारण भारतीय स्टेट बैंक ने विश्वसनीयता कायम की है। इस बैंक में 2 लाख खाताधारक है और 1 हजार करोड़ टर्नओवर, 5 शाखाएं और 7 हजार पेंशनर्स है। उन्होंने कहा कि इस बैंक के लिए पर्याप्त स्थान की जरूरत थी। अब बैंक में आने वाले बुजुर्ग और पेंशनर्स के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान एवं सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने एसबीआई बैंक का सीएसआर मद का ज्यादा हिस्सा स्पोर्ट्स एक्टीविटी के लिए देने कहा। उन्होंने बताया कि दिग्विजय स्टेडियम परिसर में 1 से 2 बैंक कार्यालयों को लाने की परिकल्पना है। सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य शाखा के लिए जैसा स्थान चाहिए था वैसा स्थान यहां मिल रहा है। यह बैंक शाखा भव्य स्वरूप में बना है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जिले में सुविधाओं का विस्तार किया है, चाहे दिव्यांगों के लिए पूरे छत्तीसगढ़ में एकमात्र सीआरसी सेंटर हो या डाक संभाग की सुविधाएं हो। राजनांदगांव के लिए यह शाखा गौरव प्रदान करने वाला है। इसके लिए उन्होंने बैंक अधिकारियों-कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने कहा कि बैंक में लेन-देन के लिए शहरवासी परेशानी महसूस करते थे। भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा यहां शिफ्ट होने से परेशानी दूर हो जाएगी और बहुत सरल तरीके से बैंक की सेवाएं खाताधारकों को मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का निर्माण दूरगामी सोच के साथ बनाया गया। उन्होंने कहा कि दिग्विजय स्टेडियम समिति को बैंक शाखा से प्राप्त किराए से दिग्विजय स्टेडियम का संचालन बेहतर दे पायेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण वैष्णव, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री सचिन बघेल, श्री कोमल सिंह राजपूत, श्री रमेश पटेल, पूर्व सांसद श्री प्रदीप गांधी, भारतीय स्टेट बैंक के डीजीएम श्री राकेश सिन्हा, आरएम श्री माधव नंद, मुख्य प्रबंधक श्री वरूण शुक्ला सहित बैंक के अधिकारी-कर्मचारी औरशहरवासी उपस्थित थे।

भारत बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, ओपी बोले : अब टारगेट- तीसरा नंबर

रायपुर । भारत ने आर्थिक मोर्चे पर बड़ी छलांग लगाते हुए जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। भारत की त्र्ठक्क अब 4 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुकी है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को इसका श्रेय देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने 10वें से 4वें स्थान तक का सफर तय किया है। उन्होंने कहा, च्यूपीए सरकार के 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें पायदान पर अटकी रही। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को 5वें और अब चौथे पायदान तक पहुंचा दिया है। अब हम उस ग्रेट ब्रिटेन को भी पीछे छोड़ चुके हैं जिसने कभी दुनिया को गुलाम बनाया था। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि, च्प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि तीसरे कार्यकाल में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। और अब तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही हम चौथे स्थान पर पहुंच चुके हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ते हुए वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनेगा। इससे पहले नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था अब अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर है।

शिक्षा ही जीवन की असली पूंजी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि च्शिक्षा ही जीवन की असली पूंजी है। इसके बिना जीवन अधूरा है। यह न केवल रोजगार का माध्यम है, बल्कि समग्र विकास का आधार भी है।ज्ज् वे आज सवेरे मुंगेली जिला मुख्यालय में जिला ग्रंथालय में 29.90 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले तथा पूर्व सांसद श्री लखन साहू भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए आदर्श विद्यार्थी के पाँच गुण च्काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पाहारी गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासित, मेहनती और लक्ष्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी। एक छात्र द्वारा सोशल मीडिया के प्रभाव पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, डिजिटल युग में अच्छाई को अपनाएं और बुराई से दूर रहें। श्री साय ने अपने छात्र जीवन के संघर्ष साझा करते हुए बताया कि अविभाजित रायगढ़ जिले में शिक्षा के अवसर सीमित थे। नटवर स्कूल ही एकमात्र विकल्प था। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करने, कभी निराश न होने और परिश्रम को अपना मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने च्प्रयासज् और च्नालंदा परिसरज् जैसे शैक्षणिक नवाचारों की सराहना की और कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर जिले में आधुनिक ग्रंथालय स्थापित किए जाएं। उन्होंने मुंगेली जिला ग्रंथालय की सराहना करते हुए बताया कि यह ग्रंथालय अब तक सैकड़ों युवाओं की सफलता की नींव बन चुका है।

समाधान शिविर में गांव की छोटी-छोटी समस्याओं का समयबद्ध तरीके से किया जा रहा निराकरण : रमन सिंह

राजनांदगांव । विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम फुलझर में सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार में आज क्लस्टर में शामिल ग्राम पंचायत फुलझर, बघेरा, जराही, परसबोड़, मुढ़ीपार, मनगटा, जोरातराई म, नवागांव, तुमड़ीलेवा, अचा. भाठापारा, परमालकसा, बैगाटोला के आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। एक माह पहले जनसामान्य ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जो आवेदन दिए थे, उसी तारतम्य में निराकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के क्लस्टर में गांव की छोटी-छोटी समस्याओं का निराकरण समयबद्ध तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए आज यहां जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद है। मुख्यमंत्री शिविरों में हेलीकाप्टर से जा रहे हैं और आम जनता की समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं और हम सभी अपने-अपने क्षेत्र में जनसामान्य के दुख-तकलीफका समाधान करने आए है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त हुए है। इसके अंतर्गत 158 आवास की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसे तत्काल पूरा किया जाएगा। वही प्रधानमंत्री

आवास योजना आवास प्लस सर्वे 2.0 के अंतर्गत 108 ग्रामवासियों ने पंजीयन कराया है। जिनके आवास के लिए बाद में स्वीकृति मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत 347 शौचालय निर्माण की स्वीकृति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन अंतर्गत 25 व्यक्तियों को स्वीकृति मिली है। वही राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाएं गए है। उन्होंने कहा कि जिले में राजस्व के अविवादित मामलों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। पेयजल, सिंचाई की समस्या, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास का निर्माण सहित अन्य समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए युक्तियुक्तकरण, बच्चों के सुपोषण के लिए पोट्ठ लईका पहल प्रारंभ की गई है।विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत 1 लाख 70 हजार महिलाओं को लाभ मिल रहा है। कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान खरीदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा वर्ष 2014-15 एवं वर्ष 2015-16 अंतर्गत राजनांदगांव जिले में किसानों को दो साल की बकाया धान बोनस की राशि 140 करोड़ 30 लाख 93 हजार रूपए का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर केन्द्र शासन की ओर से बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्राप्त हुए है। वही शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत विकास सहित विभिन्न आयामों में कार्य हुए है तथा महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सीईओ महिला हैं तथा महिलाएं विभिन्न पदों पर कार्य कर रही है। आप सभी वहां जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से अपनी बात कह सकते है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार पूरे प्रदेश में चल रहा है और हम सभी सक्रियतापूर्वक ग्रामीण क्षेत्रों में और शहरी क्षेत्रों में जाकर जनसामान्य की समस्याओं को सुन रहे है और आवेदनों का निराकरण कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ के माध्यम से होगा।

अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देकर 46 लाख की ठगी

रायपुर। ग्लोबल सीएस ट्रेडिंग के साइड पर अधिक मुनाफा कमाने का झांसा देकर 46 लाख की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राहुल कुमार रोहित 31 वर्ष जयनम प्लेनेट आमानाका का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि उसके पास अज्ञात मोबाइल नंबर क्रमांक 73574-68406 से कॉल आया। उक्त व्यक्ति ने प्रार्थी को प्लस 500 ग्लोबल सीएस ट्रेडिंग के साइड पर अधिक लाभ प्राप्त होने का झांसा देकर अपने बताए खाता में 46 लाख जमा कराकर धोखाधड़ी किया।

डीलरशीप दिलाने का झांसा देकर 2 लाख से अधिक की ठगी

रायपुर। अल्ट्राटेक कंपनी का सीमेंट डीलरशीप दिलाने का झांसा देकर 2 लाख से अधिक की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जयप्रकाश पटेल 48 वर्ष महादेव घाट रोड रायपुरा का रहने वाला है।

भारतमाला भ्रष्टाचार ईओडब्ल्यू के हवाले

दुर्ग। भारतमाला परियोजना में भ्रष्टाचार की जांच ईओडब्ल्यू करेगी। सुशासन तिहार के तीसरे चरण में दुर्ग पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने साफतौर पर कहा कि, मुआवज वितरण में गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों को बख्शा नही जाएगा। उन्होने कहा जमीन अधिग्रहण से वंचित किसानों को भी मुआवजा का दिया जाएगा। सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री दुर्ग मुख्यालय पहुंचे, जहां दुर्ग, बलोद और बेमेतरा को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद प्रेसवार्ता में बताया कि, राजनांदगांव के टेडेसरा और दुर्ग से होकर आरंग तक बनने वाले सिक्सलेन परियोजना में जिले के दर्जनभर गांव के सौ से अधिक किसान प्रभावित हुए है, लेकिन उन्हें मुआवजा नही मिला है। बहरहाल ईओडब्ल्यू को राज्य शासन द्वारा जांच के निर्देश दिए है, जिसमें दुर्ग जिले के काला चिठ्ठा भी खुलेगा। इस मामले को लेकर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भी

कार्रवाई की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जल्द ही महतारी वंदन का पोर्टल भी शुरू किया जाएगा। जिसमें विवाह के बाद आए नए बहुओं का नाम जोडा जाएगा। प्रेसवार्ता के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा युक्तियुक्तकरण में सिर्फ शिक्षकों का समायोजन होगा, स्कूल बंद नहीं होंगे। वहीं उन्होंने इस पर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार ने ऐसा शिक्षकों का ट्रांसफर किया कि, प्रदेश के तीन सौ स्कूल शिक्षकविहिन हो गए। जबकि पांच हजार स्कूल एकल शिक्षक हो गए हे। ऐसे में समायोजन का ही रास्ता शेष है। सीएम ने कहा फर्जी रजिस्ट्री रोकने भी बड़ा बदलाव किया गया है, जिसमें तत्काल नामांतरण और संपत्ति हस्तांतरण सिर्फ पांच सौ रूपए में होंगे। प्रत्येक गांव में महिलाओं के लिए महतारी सदन खोला जाएगा। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक ललित चंद्राकर, डोमनलाल कोर्सेवाडा, ईश्वर साहू सहित बेमेतरा और बालोद के अफसर भी मौजूद रहे।

आम लोगों की समस्याओं के निराकरण एवं उनकी मांगों को पूरा करने का सशक्त माध्यम बन रहा है सुशासन तिहार - उद्योग मंत्री

रायपुर। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश में विगत डेढ़ माह से संचालित सुशासन तिहार आम जनमानस की समस्याओं के निराकरण एवं उनकी मांगों को पूरा करने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्हेने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा है कि देश का हर नागरिक खुशहाल हो, उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो, उनकी विकासपरक मांगे व आवश्यकताएं पूरी हों, इसी लक्ष्य को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ सुशासन तिहार-2025 का वृहद आयोजन किया जा रहा है। इस आशय के व्यक्त करते हुए उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने बालको जोन कार्यालय में सुशासन तिहार- 2025 के तहत आयोजित समाधान शिविर में कही। यहां उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशों के अनुरूप सम्पूर्ण छत्तीसढ़ राज्य व कोरबा जिले के साथ-साथ नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी सुशासन तिहार-2025 का आयोजन किया जा रहा है, आयोजन के तीसरे चरण में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर पालिक निगम कोरबा के बालको जोन कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न विभागों निर्माण, जल प्रदाय, विद्युत, प्रधानमंत्री आवास योजना, सम्पत्तिकर, संपदा, अतिक्रमण, स्थापना, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, सहित

जिले के विभिन्न विभागों यथा राजस्व विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, कौशल विकास योजना सहित अन्य विभागों के स्टाल लगाए गए थे, जिनके माध्यम से आमनागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न शिकायतों, समस्याओं व मांगों से संबंधित आवेदनों के निराकरण की जानकारी प्रदान की गई। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने शिविर में पहुंचकर वहाँ पर स्थापित विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण किया तथा आमजन द्वारा प्रस्तुत मांग, शिकायत व समस्या संबंधी आवेदनों के विभागवार निराकरण की स्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियां का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने शिविर में काफी संख्या में उपस्थित आमनागरिकों से भेंट मुलाकात की, उनका कुशल-क्षेम पूछा तथा उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर किए गए निराकरण की कार्यवाही व प्राप्त परिणामों पर चर्चा की। इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहे इस सुशासन तिहार में आमजनता की आकांक्षाएं पूरी हो रही हैं, सुशासन तिहार की सफलता का यह प्रत्यक्ष प्रमाण है कि नगर पालिक निगम कोरबा को विभिन्न समस्याओं, शिकायतों व मांगों से संबंधित प्राप्त आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण किया गया है या निराकरण की प्रक्रिया में शामिल कर लिया गया है। महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि इस भीषण गर्मी में अधिकारी कर्मचारी पूरी लगन व जिम्मेदारी के साथ सुशासन तिहार में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, जिसके लिए मैं उन्हें हृदय से साधुवाद देती हूँ। समाधान शिविर के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने हितग्राहियों को राशन कार्ड का वितरण किया, जिन हितग्राहियों को राशन कार्ड मिले, रूमगरा निवासी उमा राठौर व सानू खंडेलवाल, बालको नगर निवासी कौशिल्या बाई व सावित्री स्वर्णकार, कैलाशनगर निवासी संतोषी शाह, रीता यादव, पदमा यादव तथा लालघाट निवासी दुखनी बाई शामिल है। समाधान शिविर में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री विनय मिश्रा, एम.आई.सी. सदस्य व पार्षद सर्वश्री नरेन्द्र देवांगन, हितानंद अग्रवाल, सत्येन्द्र दुबे, सरोज शांडिल्य सहित गणमान्य नागरिक एवं आमजन उपस्थित थे।

स्थानीय उप निर्वाचन : सचिव ने उपजिला निर्वाचन अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव सुखनाथ अहिरवार ने अपने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उप जिला निर्वाचन अधिकारियों की प्रथम बैठक लेकर परिचय उपरांत आयोग की सामान्य कार्य प्रणाली तथा निर्वाचन की गतिविधियों की समीक्षा की। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव सुखनाथ अहिरवार की अध्यक्षता में यह बैठक विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवा रायपुर अटल नगर स्थित आयोग कार्यालय से संपन्न हुई, सचिव श्री अहिरवार ने नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी उप निर्वाचन 2025 हेतु रिक्त पदों की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों के आगामी उप निर्वाचन हेतु ई व्ही एम की उपलब्धता, त्रिस्तरीय पंचायतो के आगामी उप निर्वाचन हेतु मतपेटी की उपलब्धता, मतदान केंद्रों की संख्या, मतपत्र मुद्रण हेतु कागज की उपलब्धता, अमिट स्याही की आवश्यकता तथा स्थानीय निर्वाचन कार्यालयों में रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए उन्हें शीघ्र भरे जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में निर्वाचन से पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम, तथा शिकायत निवारण तंत्र जैसे विषयों पर भी चर्चा किया गया।

संवाद से समाधान की ओर, जन सेवा को समर्पित है सुशासन तिहार : वित्त मंत्री

रायपुर । सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत आज जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत ससहा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी शामिल हुए। इस शिविर में कुल 12 ग्राम पंचायतों के नागरिकों ने भाग लिया, जिसमें भिलौनी, ससहा, कोसीर, डोंगाकोहरौद, धनगांव, मेकरी, हिर्री, सिर्री, मुड़पार, खरखोद, चुरतेला और भूईगांव शामिल रहे। समाधान शिविर में आए 3965 आवेदनों का विभागवार शत-प्रतिशत निराकरण कर सुशासन का प्रमाण प्रस्तुत किया गया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलो का अवलोकन कर अधिकारियों से सुशासन तिहार में प्राप्त मांगों और शिकायतों के निराकरण की जानकारी ली। इस दौरान मंत्री श्री चौधरी ने हितग्राहियों को

प्रधानमंत्री आवास की चाबी, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, वय वंदन कार्ड एवं ऋण पुस्तिका सहित विभिन्न हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया। गर्भवती व शिशुवती माताओं को पोषण आहार भी प्रदान किया गया। मंत्री श्री चौधरी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तीन चरणों में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित अन्य मंत्रीगण, विधायकगण एवं जनप्रतिनिधि स्वयं गांव-गांव जाकर समस्याएं सुन रहे हैं और तत्काल समाधान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी घोषणा किया कि ससहा पंचायत में 20 लाख रुपए तक के विकास कार्यों को 24 घंटे के भीतर स्वीकृति दी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 103 अमृत भारत स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित 103 स्टेशनों का लोकार्पण किया। इन स्टेशनों में छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़, भानुप्रतापपुर, भिलाई, उरकुरा और अंबिकापुर स्टेशन भी शामिल है।

इस अवसर पर उरकुरा के रेल्वे स्टेशन में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे राज्यपाल श्री रमेन डेका बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने लगभग 10 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित उरकुरा स्टेशन का विधिवत लोकार्पण किया। स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं, आकर्षक डिजाइन और सांस्कृतिक वातावरण के साथ यात्रियों के लिए विशेष अनुभव के रूप में तैयार किया गया है। अमृत भारत स्टेशन के लोकार्पण अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल्वे एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना केवल यात्री सुविधाओं के उन्नयन तक सीमित नहीं है बल्कि यह विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि रेल्वे अब केवल यातायात का माध्यम नहीं बल्कि नये भारत की गतिशील अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। राज्यपाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इस समय 35 हजार करोड़ रूपये से अधिक की रेवले परियोजनाएं संचालित है और वर्ष 2025-26 के बजट में राज्य को 6925 करोड़ रूपए का ऐतिहासिक आबंटन प्राप्त हुआ है। यह केंद्र सरकार की राज्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री डेका ने कहा कि स्टेशनों के विकसित होने से छत्तीसगढ़ में पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक समन्वय को नई ऊंचाई मिलेंगी। विशेष रूप से जनजातीय, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए रेल्वे एक विकास की मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री और भारतीय रेल्वे का छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से आभार प्रकट किया और विश्वास व्यक्त किया कि अमृत भारत स्टेशन सामाजिक, आर्थिक प्रगति में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ग्राम दोकड़ा में भगवान जगन्नाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय बुधवार को कांसाबेल विकास खंड के ग्राम दोकड़ा के प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर के जीर्णोद्धार पश्चात प्राण प्रतिष्ठा

कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोकड़ा में 24 लाख 74 हजार की लागत से बनने वाले महतारी सदन का भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने दोकड़ा के श्री जगन्नाथ मंदिर समिति के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए उनके कार्यों की सराहना की। उल्लेखनीय है कि दोकड़ा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 1942 से निकाली जा रही है। रथ यात्रा की शुरुआत दोकड़ा गांव के पंडित स्व सुदर्शन सतपथी और उनकी धर्मपत्नी श्री सुशीला सतपथी के द्वारा शुरू किया गया था। मंदिर का निर्माण 1968 में किया गया था। मंदिर के जर्जर होने के कारण मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने मंदिर का जीर्णोद्धार करने का संकल्प लिया था। उन्होंने इस कार्य में सहयोग के लिए ग्रामवासियों का धन्यवाद भी दिया है।

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार करने में छत्तीसगढ़ की संस्कृति को भी नहीं छोड़ा : टंकराम वर्मा

रायपुर । राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बोरे-बासी दिवस के महज एक साल (सन् 2023) के आयोजन में हुए करोड़ों रुपए के घोटालों के खुलासे पर कांग्रेस और उसकी पिछली भूपेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह खुलासा बताता है कि भूपेश सरकार ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार करके रख दी थीं और जहाँ मौका मिला, वहाँ सरकारी खजाने में डाका डालते हुए जन-धन की खुली लूट मचाकर प्रदेश का बेड़ा गर्क करके रख दिया। भूपेश सरकार ने 'छत्तीसगढ़िया' का ढिंढोरा तो खूब पीटा लेकिन छत्तीसगढ़ के खान-पान, रहन-सहन और संस्कृति को कलंकित कर छत्तीसगढ़ महतारी का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मंत्री वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इन दिनों भ्रष्टाचार को लेकर किए जा रहे प्रलाप को मिथ्याचारिता की पराकाष्ठा बताते हुए कहा कि बघेल को भ्रष्टाचार पर कुछ भी बोलने का नैतिक अधिकार नहीं रह गया है। बघेल के बोरे-बासी दिवस में सिर्फ एक दिन में हुए खर्च के दस्तावेज से साफ हो गया है कि भ्रष्टाचार किस हद तक कांग्रेस और उसके नेताओं के डीएनए में रचा-बसा था। भ्रष्टाचार का अंतहीन सिलसिला जिस भूपेश सरकार की सरपरस्ती में चला, आज बघेल भाजपा की प्रदेश सरकार पर किस मुँह से भ्रष्टाचार का मिथ्या दोष मढ़ रहे हैं? बोरे-बासी खाना सिखाने के 5 घंटे के एक दिन कार्यक्रम में 8.14 करोड़ रु. खर्च कर दिए गए! 1.10 करोड़ रुपए में बनाए गए 6 डोम में 75 लाख रुपए का खाना परोसा गया, 27 लाख रुपए का पानी पिलाया गया, 13 लाख रुपए की छाछ आई और 82 लाख रुपए की टोपी पहनाई गई। यह तो सिर्फ 2023 के एक दिन का लेखा-जोखा है, इससे पहले के 2019 से 2022 तक के चार सालों का हिसाब लगना तो अभी बाकी है। वर्मा ने इस बात पर हैरानी जताई कि इस कार्यक्रम में खर्च के जो कागज बोल रहे हैं, और जो हकीकत सामने आई है, उससे भ्रष्टाचार की सारी पोल खुली है। सूचना के अधिकार से इस कार्यक्रम के दस्तावेज निकाले गए तो पता चला कि इस कार्यक्रम में मजदूर महज 15 हजार आए थे। 5 रुपए बोतल वाला पानी 18 रुपए में खरीदा गया। 6 की जगह सिर्फ 4 डोम बने थे। 150 अतिथियों को 10-10 हजार रुपए का मोमेंटो दिया गया, जिसकी कीमत 4 हजार रुपए है। कुर्सियाँ भी 10-12 हजार ही लगी थीं। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस में संगठन के खजाने तक में डाका डालने में कांग्रेसियों को कोई हिचक और शर्म महसूस नहीं होती, उस कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार ने सरकारी खजाने को उलीचने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी।

मुख्यमंत्री ने नक्सल मुठभेड़ में शहीद जवान मेहुल भाई को दी श्रद्धांजलि

शहीद मेहुल भाई के पार्थिव शरीर को कंधा देकर दी अंतिम विदाई

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बीजापुर जिले के उसूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए शहीद सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के कांस्टेबल श्री सोलंकी मेहुल भाई नंदलाल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पार्थिव शरीर को कंधा देकर उनके गृह राज्य रवानगी से पूर्व अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री आज माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर पहुंचकर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किए और उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय इस मौके पर शहीद के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और ईश्वर से उन्हें इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद मेहुल भाई की वीरता और देशभक्ति हमेशा याद रखी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले एक वर्ष से नक्सल विरोधी अभियान तेज हुई है और हमारे जवानों ने नक्सलवाद से डटकर मुकाबला कर बड़ी सफलताएं हासिल की है। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद के समूल नाश का अपना संकल्प हम पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। सरकार शहीद परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहयोग करेगी। कांस्टेबल सोलंकी मेहुल भाई का बलिदान वीरता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की सर्वोच्च परंपरा को दर्शाता है। इस अवसर पर प्रदेश के गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बीजापुर जिले के उसूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए शहीद सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के कांस्टेबल श्री सोलंकी मेहुल भाई नंदलाल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पार्थिव शरीर को कंधा देकर उनके गृह राज्य रवानगी से पूर्व अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री आज माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर पहुंचकर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किए और उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय इस मौके पर शहीद के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और ईश्वर से उन्हें इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद मेहुल भाई की वीरता और देशभक्ति हमेशा याद रखी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले एक वर्ष से नक्सल विरोधी अभियान तेज हुई है और हमारे जवानों ने नक्सलवाद से डटकर मुकाबला कर बड़ी सफलताएं हासिल की है।

विकास और खुशहाली का दूसरा नाम है भाजपा सरकार : सांसद बृजमोहन

रायपुर । सुशासन तिहार के तीसरे चरण में गुरुवार को सिमगा के ग्राम नवापारा में आयोजित समाधान शिविर में लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सहभागिता कर जनसमस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। नवापारा क्लस्टर के अंतर्गत 12 गांव आते हैं यहां शौचालय निर्माण के करीब 7 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। शिविर में बड़ी संख्या में अवैध शराब बिक्री की शिकायतों पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फटकार लगाई और क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। सांसद ने वन विभाग को पर्यावरण संरक्षण के लिए स्कूल और कॉलेजों में पौधारोपण करने के निर्देश दिए। सांसद बृजमोहन ने कहा कि समाधान शिविर के माध्यम से जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है और सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस अवसर पर युवाओं को स्पोर्ट्स किट, किसानों को बीज एवं उपकरण, विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

आयुष्मान योजना से संबद्ध अस्पतालों में दुर्घटना में घायल मरीजों को मिलेगा नि:शुल्क इलाज

रायपुर । सड़क दुर्घटना होने वाले पीडितों के लिए भारत सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम 2025 शुरू किया है। इसके बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि यह एक बेहद जनउपयोगी योजना है जिसमें सड़क दुर्घटना होने पर पीड़ितों को नकदी रहित मुफ्त उपचार की व्यवस्था होगी। इसमें किसी भी पीड़ित परिवार को 7 दिन की अवधि के लिए आयुष्मान स्वास्थ्य योजना से संबद्ध हास्पिटल में डेढ़ लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त मिलेगा। जायसवाल ने बताया कि ये नि:शुल्क इलाज एक व्यक्ति के लिए डेढ़ लाख रुपए तक होगा। यानी अगर एक ही परिवार के दो व्यक्ति की दुर्घटना होती है तो 3 लाख तक, दुर्घटना में 3 लोग हताहत होते हैं तो 4.5 लाख तक मुफ्त इलाज हो सकेगा। इसमें वे सभी हास्पिटल शामिल होंगे, जिन्हें आयुष्मान योजना के तहत शामिल किया गया है। यानी आयुष्मान योजना के अंतर्गत पंजीकृति किसी भी अस्पताल में नई योजना के तहत दुर्घटना में घायल व्यक्ति सात दिन तक डेढ़ लाख रुपए तक का का नि: शुल्क इलाज के लिए पात्र होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि अगर किसी की दुर्घटना होती है और उसे नजदीकी आयुष्मान योजना संबद्ध हास्पिटल में ले जाया जाता है, लेकिन वहां भी इलाज के संसाधन नहीं हैं या स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं है, तो वह हास्पिटल तुरंत दूसरे अस्पताल में केस भेजेगा और पोर्टल में इसे अपडेट करेगा ताकि विशेषज्ञ वाली जगह में तुरंत इलाज शुरू हो सके। जायसवाल ने कहा कि अभी ट्रामा और पॉलीट्रामा के अंतर्गत कुछ और सक्षम हास्पिटल को इस योजना के तहत शामिल किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया दंत चिकित्सा महाविद्यालय का निरीक्षण

रायपुर । स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शुक्रवार को रायपुर स्थित दंत चिकित्सा महाविद्यालय का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की, उनका कुशलक्षेम जाना और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। मंत्री जायसवाल ने अस्पताल प्रबंधन और अधिकारियों के साथ चर्चा कर मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और सहूलियत सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और चल रही योजनाओं की जानकारी दी। जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों की सुविधा के लिए कोई कमी न रहे और अस्पताल में सभी आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध हों।

राज्यपाल रमेन डेका से पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में पंडित रवि

शंकर शुक्ल विश्व विद्यालय रायपुर के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को विश्व विद्यालय की गतिविधियों एवं विश्व विद्यालय में स्थापित किए जा रहे श्रीमंत शंकर देव शोधपीठ की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री डेका के पहल पर राज्य के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में ज्ञान-विज्ञान को बढ़ावा देने और स्थानीय ज्ञान परंपराओं के दस्तावेजीकरण के लिए श्रीमंत शंकर देव अनुसंधान पीठ की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आईटीएसए अस्पताल का किया शुभारंभ

रायपुर । मुख्यमंत्री साय ने शुक्रवार को सड्डू स्थित

आईटीएसए हॉस्पिटल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने राजधानी वासियों और अस्पताल प्रबंधन को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 350 बिस्तरों की क्षमता वाले इस मल्टीस्पेशलिटी, पीडियाट्रिक और वेलनेस सेंटर से न केवल राजधानी रायपुर बल्कि पूरे प्रदेश के लोगों को अत्याधुनिक और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ मिलेंगी। पिछले सत्रह महीनों में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में तीव्र गति से विकास हो रहा है। सरकार द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में मेडिसिटी परियोजना की शुरुआत की गई है, जो भविष्य में 5 हजार बिस्तरों वाले मेडिकल हब के रूप में विकसित होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफसे चर्चा कर अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और विभिन्न विषयों पर जानकारी ली। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक राजेश मूणत, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायक मोतीलाल साहू और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आईटीएसए अस्पताल का किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के सड्डू स्थित आईटीएसए हॉस्पिटल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने राजधानी वासियों और अस्पताल प्रबंधन को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 350 बिस्तरों की क्षमता वाले इस मल्टीस्पेशलिटी, पीडियाट्रिक और वेलनेस सेंटर से न केवल राजधानी रायपुर बल्कि पूरे प्रदेश के लोगों को अत्याधुनिक और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ मिलेंगी।उन्होंने बताया कि पिछले सत्रह महीनों में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में तीव्र गति से विकास हो रहा है। सरकार द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में मेडिसिटी परियोजना की शुरुआत की गई है, जो भविष्य में 5 हजार बिस्तरों वाले मेडिकल हब के रूप में विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफसे चर्चा कर अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और विभिन्न विषयों पर जानकारी ली। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, विधायक श्री राजेश मूणत, विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, विधायक श्री मोतीलाल साहू और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

फलों को खाएं उनके छिलके सहित, मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा

कई लोगों को लगता है कि फलों के छिलके धूल मिट्टी में लिपटे होते हैं, तो चलों इन्हें छील कर फेंक देते हैं। मगर दोस्तों, आपको नहीं पता कि इन फलों के छिलकों में कितना पोषण भरा होता है।

फल जैसे, सेब, अंगूर, आड़ू, अमरूद या बेर आदि कुछ ऐसे आम से नाम हैं, जिनके छिलके काफी पौष्टिक होते हैं। एक शोध के मुताबिक अमरूद के ऊपरी भाग में कोलेस्ट्रॉल कम करने की क्षमता होती है और इसमें कैंसर से लड़ने की ताकत भी होती है।एक शोध के अनुसार संतरे व नींबू जैसे खट्टे फलों में मोनोटरपीनिज नाम का तेल पाया जाता है। यह तेल त्वचा, पेट और फेफड़ों को कैंसर से सुरक्षा देता है। कुछ फलों के छिलको में तो इतनी पावर होती है कि वह फल से भी ज्यादा असरदार होते हैं। मगर इन फलों के छिलके हमेशा अच्छी तरह से धो कर ही खाएं। अब चलिये जानेते हैं कि फलों के छिलको को खाने से हमारे शरीर को कौन कौन से पोषक तत्व मिलते हैं। फाइटोकैमिकल के स्रोत रंग बिरंगे फलों के छिलके खाने से आपके शरीर को फाइटोकैमिकल्स मिलेंगे, जो आपकी त्वचा को खूबसूरत, हड्डियों में मजबूती, आंखों की रौशनी बढाने में मददगार और हृदय के लिये अच्छे होते हैं। एंटीऑक्सीडेंट के स्रोत आपके शरीर को चमकदार त्वचा, झुर्रियों को खतम करने के लिये तथा फ्री रैडिकल्स से लड़ने के लिये एंटीऑक्सीडेंट की आवश्यकता होती है, जो फलों के छिलकों में पाये जाते हैं। ज्यादा फाइबर मिले फलों के छिलकों में फाइबर की मात्रा अधिक होती है जो कब्ज जैसी बीमारी से लड़ने में मददगार होती है। आपको सेब खाने चाहिये जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है और ब्लड शुगर को भी नियंत्रित करता है कैलोरी घटाए अगर आपको वजन कम करना है तो अपने आहार में फलों का सेवन बढाएं क्योंकि इससे कैलोरी का इंटेक कम होता है। मिनरल और विटामिन से भरपूर ऐसे बहुत से फल हैं जिनके छिलके में आपको विटामिन और मिनरल्स मिलेंगे। जैसे अमरूद और सिट्रस फल। अस्थमा से बचाव करे रिसर्च में पाया गया है कि फलों के छिलके खाने पर यह वायुमार्ग से ब्रोनचोसपास्म को साफ करता है। ना केवल सिर्फ इतना ही बल्कि यह अस्थमा की वजह से पैदा हुए कफ को भी खतम करता है। अल्जाइमर्स रोगियों के लिये लाभदायक अल्जाइमर्स रोगियों की डाइट में कुछ फल जैसे अंगूर आदि शामिल करने पर उन्हें रेसभेरेट्रोल की मात्रा मिलेगी जो ना केवल अल्जाइमर तथा कैंसर और हार्ट की बीमारी वाले रोगियों के लिये भी उतना ही जरुरी है।सूजन कम करे आड़ू नामक फल खाने से शरीर को अच्छी मात्रा में विटामिन ए और सी प्राप्त होता है।

जिम करने के बाद पिएं ये चार सुपर ड्रिंक्स

घर पर बने पेय पदार्थ, हेल्दी और सस्ते होते हैं जबकि मार्केट में पैकेट में बिकने वाले पेय पदार्थ में प्रीजर्वेटिव मिला होता है और इनमें सुगर की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर इनका सेवन जिम के तुरंत बाद किया जाये तो लाभ की बजाय नुकसान ही करेंगे और आपके द्वारा जितनी कैलोरी वहां कम की गई है उतनी कैलोरी आप आते ही ग्रहण कर लेंगे। साथ ही इनमें सिंथेटिक एडीटिव्स, कलर्स और असामान्य फ्लेवर पड़े हुए होते हैं जो नुकसान करते हैं। इसलिए, अपने दिन की शुरूआत नीचे बताये जाने वाले पेय पदार्थों का सेवन करके करें।साथ ही इनमें सिंथेटिक एडीटिव्स, कलर्स और असामान्य फ्लेवर पड़े हुए होते हैं जो नुकसान करते हैं। इसलिए, अपने दिन की शुरूआत नीचे बताये जाने वाले पेय पदार्थों का सेवन करके करें। इन पेय पदार्थों को सुबह ट्राई करें और जिम से आने के बाद खासतौर पर

वजन घटाना है तो खूब खाइये शकरकंद

आप शकरकंद के असंख्य स्वास्थ्य लाभ से अवगत होंगे लेकिन यह आपके वजन को कम करने में कितना मददगार है, आप नहीं जानते होंगे। शकरकंद में बड़ी मात्रा में डायटरी फाइबर पाए जाते हैं, कैलरी कम मात्रा में पाई जाती है और बड़ी मात्रा में पानी होता है। ये चीजों आपको वजन कम करने में मदद करती है।शकरकंद के अंदर बड़ी मात्रा में डायटरी फाइबर पाए जाते हैं। डायटरी फाइबर कई तरह से आपके वजन को कम करने में मदद करते हैं। ज्यादा डायटरी फाइबर वाला खाना खाने के बाद काफी देर तक आपको पेट भरा हुआ महसूस होगा। इसके अलावा फाइबर धीरे-

धीरे पचता है। इस कारण हाई फाइबर वाला खाना आपके पेट में ज्यादा समय तक रहता है जिससे आप जरूरत से ज्यादा खाने से बच जाते हैं। जब ज्यादा खाएंगे नहीं तो शरीर में कैलरी का संतुलन बना रहेगा और इससे वजन नियंत्रित रहेगा।शकरकंद में कम कैलरी वाले कॉन्टेंट पाए जाते हैं जो वजन कम करने में सहायक हैं। एक पाउंड फैट में 3,500 कैलरी होती है। इसका मतलब यह हुआ कि अगर आप हर हफ्ते एक पौंड वजन कम करना चाहते हैं तो हर दिन अपने खाने से आपको 500 कैलरी कम करनी होगी। इस मायने में देखा जाए तो शकरकंद काफी फायदेमंद है जिसमें मुश्किल से 100 कैलरी होती है जबकि सफेद आलू में भी 400-500 कैलरी पाई जाती है। शकरकंद के अंदर काफी मात्रा में पानी पाया जाता है जो आपको लघु और दीर्घावधि, दोनों में मदद करता है। फाइबर की तरह ही पानी भी आपके पेट में काफी जगह लेता है।

कीवी के हैं चमत्कारी लाभ

(कीवी) या चीनी करौंदा एक प्रकार का फल है। इस फल में शरीर के लिए लाभदायक फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है, बाहर से यह फल भूरी त्वचा वाला और अंदर से गहरे हरे रंग के गुदे वाला होता है, जिनमे खाने योग्य बीज भी होते है। यह फल अंदर से काफी मुलायम होता है और खाने में मीठा होता है लेकिन इसका स्वाद अन्य फलो से बिल्कुल अलग है।

विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत

लोग मानते हैं कि सबसे ज्यादा विटामिन सी नीबू या संतरा में पाया जाता है। लेकिन आपको बता दें कि यह निम्बू और संतरा के मुकाबले कीवी में सर्वाधिक विटामिन सी पाया जाता है। लेकिन कीवी फल का प्रशिक्षण करने के बाद यह पाया गया की, हर 100 ग्राम कीवी में 154 प्रतिशत विटामिन सी का प्रमाण होता है, जो नींबू और संतरे की तुलना में दोगुना है। विटामिन सी हमारे शरीर में एंटीऑक्सिडेंट के रूप में काम करके हमारें शरीर को कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों से बचाता है।

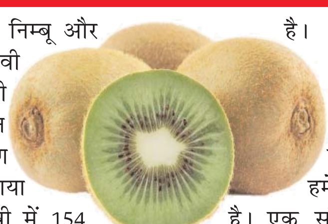

स्किन के लिए बेस्ट

प्रकृति से कीवी क्षारीय है, जिसका अर्थ यह होता है की इसे खाने के बाद यह हमें हल्का सा खट्टा भी लगता है। एक संतुलित शरीर वह होता है जिसमे पीएच का अच्छा संतुलन हो, यह आपके शरीर को सक्रीय, ताजगी से भरा और आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में भी सहायक है।

बी6 का स्त्रोत

बिना किसी वजह के ही चीनी लोग कीवी को एक औषधि नही। मानते। बल्कि कीवी असल में विटामिन बी6 का एक बेहतरीन स्त्रोत है। विटामिन बी6 को ही फोलेट कहा जाता है। विटामिन बी6 हमारे शरीर और गर्भ को स्वस्थ रखने में सहायक है। इसके साथ-साथ बढ़ते हुए बच्चो के लिए कीवी काफी लाभदायक माना गया है।

पाचन संबंधी समस्याओं से निजात

कीवी फाइबर जैसे तत्वों का बेहतरीन स्त्रोत है। इससे आपको पाचन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ करंट अफेयर्स अभ्यास प्रश्न

Chhattisgarh Current Affairs

प्रश्न – छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा तुंहर पौधा तुंहर द्वार कार्यक्रम-2022 का आरंभ कौन से महीने से किया गया?
a) मई
b) जून
c) जुलाई
d) अगस्त
उत्तर – जुलाई

प्रश्न – हरियाली प्रसार योजना का मुख्य उद्देश्य क्या हैं?
कथन 1 – कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करना।
कथन 2 – हरियाली को बढ़ावा देना।
कथन 3 – किसानो की आय में वृद्धि करना।
सहीं क्या हैं –
कूट –
a) केवल 01
b) 1 और 2 दोनों
c) 2 और 3 दोनों
d) उपरोक्त सभी ।
उत्तर – उपरोक्त सभी ।

प्रश्न – खरीफ वर्ष 2021-22 में केंद्रीय पूल के कोटे में चावल जमा कराने के मामले में छत्तीसगढ़ ने अब तक कितने लाख मीट्रिक टन चावल जमा (जून 2022 की स्थिति में) कर लिया हैं ?
a) 45.09 लाख मीट्रिक टन
b) 48.09 लाख मीट्रिक टन
c) 50.09 लाख मीट्रिक टन
d) 61.65 लाख मीट्रिक टन
उत्तर – 50.09 लाख मीट्रिक टन

प्रश्न – कृष्ण कुंज योजना किससे संबन्धित हैं?
a) मंदिर बनवाने से
b) आश्रम बनवाने से
c) बगीचा बनाने से
d) स्कूल शिक्षा से
उत्तर – बगीचा बनाने

प्रश्न – कृष्ण कुंज योजना के तहत पौधे को रोपण हेतु कौन से प्रजाति के पौधे को शामिल नहीं किया गया हैं?
a) गंगा इमली
b) शहतूत
c) पलाश अमरूद
d) काजू
उत्तर – काजू
(शामिल पौधे – आम, इमली, गंगा इमली, जामुन, बेर, गंगा बेर, शहतूत, तेंदू, चार, अनार, गूलर कैथा, कदम्ब, पीपल, नीम, बरगद, बबूल, पलाश अमरूद, सीताफल, बेल तथा आंवला)

प्रश्न – राज्य में फसल बीमा जागरूकता सप्ताह की शुरुआत कब से हुई ?
a) 01 जून 2022 से
b) 15 जून 2022 से
c) 01 जुलाई 2022 से
d) 15 जुलाई 2022 से
उत्तर – 01 जुलाई 2022

प्रश्न – राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानो द्वारा फसलों की बीमा के लिए समय सीमा निर्धारित की गयी हैं–
a) 5 जुलाई, 2022 तक
b) 10 जुलाई, 2022 तक
c) 15 जुलाई, 2022 तक
d) 25 जुलाई, 2022 तक
उत्तर – 15 जुलाई, 2022 तक

प्रश्न – प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संबंध में क्या सहीं नहीं हैं ?
1. इसे वर्ष 2016 में शुरू किया गया था ।
2. योजना के तहत किस्त/प्रीमियम–खरीफ की सभी फसलों के लिये 2% हैं।
3. योजना के तहत किस्त/प्रीमियम रबी फसलों के लिये 1.5% है।
4. इसके तहत वाणिज्यिक तथा बागवानी फसलों के मामले में बीमा किस्त 5% है।
कूट –
a) केवल 1
b) 1 और 2
c) 2 और 3
d) उपरोक्त सभी सहीं हैं।
उत्तर – उपरोक्त सभी सहीं हैं।

प्रश्न – प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2.0 के अंतर्गत रबी सीजन 2021-22 में किसानों को फसल बीमा दावा राशि का भुगतान करने के मामले मे छत्तीसगढ़ कौन से स्थान पर हैं?
a) पहला
b) दूसरा
c) तीसरा
d) चौथा
उत्तर – पहला

प्रश्न – झुमका जलाशय कौन से जिले मे स्थित हैं?
a) सूरजपुर
b) कोरिया
c) सरगुजा
d) जशपुर
उत्तर – कोरिया

प्रश्न – हाल ही में कौन से जिले में मानसून इन्फ्लुएंसर्स मीट का आयोजन किया गया–
a) कोरबा
b) रायगढ़
c) रायपुर
d) जशपुर
उत्तर – जशपुर

प्रश्न – स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग के तीसरे संस्करण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को प्रदेश में स्टार्टअप्स ईकोसिस्टम के विकास हेतु कौन से अवार्ड से सम्मानित किया गया हैं?
a) एस्पायरिंग लीडर अवार्ड
b) नेशनल स्टार्टअप अवार्ड – 2020
c) स्टार्टअप इंडिया अवार्ड
d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर – एस्पायरिंग लीडर अवार्ड

प्रश्न – वर्तमान में राज्य में (जुलाई 2022 की स्थिति में) कुल कितने स्टार्टअप पंजीकृत हैं?
a) 650 स्टार्टअप
b) 748 स्टार्टअप
c) 800 स्टार्टअप
d) 865 स्टार्टअप
उत्तर – 748 स्टार्टअप

प्रश्न – राज्य में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने हेतु कितने वर्षों तक भवन किराए कि प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा की जा रही हैं?
a) एक वर्ष तक
b) दो वर्ष तक
c) तीन वर्ष तक
d) चार वर्ष तक
उत्तर – तीन वर्ष तक

प्रश्न – राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक पुरस्कार योजना के अंतर्गत स्टार्टअप श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में कितने रुपए की राशि देने का प्रावधान किया गया है?
a) 1 लाख रु.
b) 1 लाख 51 हजार रु.
c) 2 लाख रु.
d) 2 लाख 51 हजार रु.
उत्तर – 1 लाख 51 हजार रु.
(इसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कारों के रूप में क्रमशः 1,51,000 रुपए, 1,00,000 रुपए एवं 51,000 रुपए की राशि एवं प्रशस्ति-पत्र देने का प्रावधान किया गया है।)

प्रश्न – – मोर आखर कार्यक्रम किससे संबन्धित हैं?
a) शिक्षा
b) खेल
c) त्योहार
d) इनमें से कोई नहीं ।
उत्तर – शिक्षा

प्रश्न – सेदम व्यपवर्तन योजना कौन से जिले में संचालित हैं
a) सरगुजा
b) कोरिया
c) जशपुर
d) बलरामपुर
उत्तर – सरगुजा

प्रश्न – कोदोधारा जलाशय निर्माण कौन से जिले में प्रस्तावित हैं ?
a) जशपुर
b) सरगुजा
c) रायगढ़
d) कोरबा
उत्तर – जशपुर

प्रश्न – हाल ही में राज्य सरकार नें इनमें से कौन-से जलाशय के जीर्णोद्धार कार्य की योजना बनाई हैं?
a) कोदोधारा जलाशय योजना –जशपुर
b) चंदरपुर जलाशय – सूरजपुर जिला
c) सरोदा जलाशय – कबीरधाम
d) रुद्री जलाशय – धमतरी
उत्तर – चंदरपुर जलाशय – सूरजपुर जिला

प्रश्न – छत्तीसगढ़ राज्य इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022 के तहत राज्य सरकार ने ईवी के रूप में व्यक्तिगत उपयोग या व्यावसायिक इस्तेमाल के तहत वाहनों के 15 प्रतिशत नए रजिस्ट्रेशन करने के लिए कब तक का लक्ष्य रखा हैं?
a) वर्ष 2023 तक
b) वर्ष 2024 तक
c) वर्ष 2027 तक
d) वर्ष 2030 तक
उत्तर – वर्ष 2027 तक

प्रश्न – छत्तीसगढ़ ईवी नीति-2022 के प्रावधानों के तहत नीति के लागू होंने के दो साल बाद इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर खरीदारों को रोड टैक्स में कितने प्रतिशत तक छूट मिलेगी–
a) 25 प्रतिशत
b) 30 प्रतिशत
c) 35 प्रतिशत
d) 50 प्रतिशत
उत्तर – 50 प्रतिशत

प्रश्न – छत्तीसगढ़ ईवी नीति-2022 के संबंध में क्या सही हैं –
1. राज्य सरकार ईवी पार्क विकसित करने के लिए 1,000 एकड़ तक भूमि आवंटित करेगी।
2. यह नीति सिर्फ कमर्शियल (वाणिज्यिक) वाहनो के लिए ही लागू होगी ।
3. यह नीति कमर्शियल (वाणिज्यिक) और नॉन-कमर्शियल (गैर-वाणिज्यिक) दोनों वाहनों के लिए लागू होगी।
कूट –
a) केवल 1
b) 1 और 2 दोनों
c) 1 और 3 दोनों
d) उपरोक्त सभी
उत्तर – 1 और 2 दोनों

प्रश्न – खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर उड़द एवं मूंग का उपार्जन/खरीदी के लिए निर्धारित तिथि कौन सी हैं?
a) 10 अक्टूबर 2022 से 10 दिसंबर 2022 तक
b) 17 अक्टूबर 2022 से 16 दिसंबर 2022 तक
c) 1 जनवरी 2023 से 10 मार्च 2023 तक
d) 13 मार्च 2023 से 12 मार्च 2023 तक
उत्तर – 17 अक्टूबर 2022 से 16 दिसंबर 2022 तक

प्रश्न – खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में कितने रुपये समर्थन मूल्य पर उड़द की खरीदी जाएगी?
a) 5,600 रुपये प्रति क्विंटल
b) 6,600 रुपये प्रति क्विंटल
c) 6,800 रुपये प्रति क्विंटल
d) इनमे से कॉलिन नहीं
उत्तर – 6,600 रुपये प्रति क्विंटल

स्वाद के साथ सेहत के लिहाज से भी बेस्ट है ओट्स उपमा, इस सिंपल रेसिपी से होगा झटपट तैयार

ओट्स फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने और वजन घटाने में भी मददगार हैं। साथ ही, इसमें कई तरह के विटामिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर को एनर्जी देते हैं। यही वजह है कि आज हम आपको ब्रेकफास्ट के लिए बेस्ट 'ओट्स उपमा' की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो पेट भरने के साथ-साथ आपके शरीर को भरपूर पोषण भी देगी। आइए जानें।

कितने लोगों के लिए : 2

सामग्री :

ओट्स: 1 कप

बारीक कटी प्याज: 1/2

बारीक कटी गाजर: 1/4 कप

बारीक कटी हरी शिमला मिर्च: 1/4 कप

मटर के दाने: 1/4 कप (फ्रोजन या ताजे)

हरी मिर्च: 1 (बारीक कटी)

अदरक: 1/2 इंच (कद्दूकस किया हुआ)

कढ़ी पत्ता: 5-6

राई: 1/2 छोटा चम्मच

उड़द दाल: 1/2 छोटा चम्मच

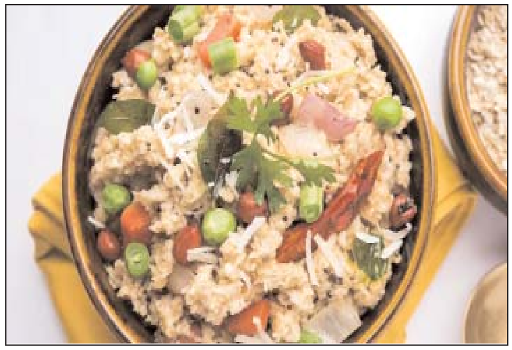

चना दाल: 1/2 छोटा चम्मच

हल्दी पाउडर: 1/4 छोटा चम्मच

नमक: स्वादानुसार

तेल: 1 बड़ा चम्मच

नींबू का रस: 1 छोटा चम्मच (गार्निश के लिए)

हरा धनिया: 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा, गार्निश के लिए)

पानी: 2 कप

विधि : सबसे पहले एक कड़ाही में ओट्स को धीमी आंच पर 2-3 मिनट के लिए सूखा भून लें, जब तक कि उनमें से हल्की खुशबू न आने लगे। इसके बाद इन्हें एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें और फिर उसी कड़ाही में तेल गरम करें। अब गरम तेल में राई, उड़द दाल और चना दाल डालें। फिर जब दालें सुनहरी हो जाएं और राई चटकने लगे, तो कढ़ी पत्ता, कद्दूकस किया हुआ अदरक और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकेंड भूनें।

अब इसमें बारीक कटी प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद गाजर, शिमला मिर्च और मटर के दाने डालकर 2-3 मिनट तक पकाएं, जब तक सब्जियां थोड़ी नरम न हो जाएं। अब हल्दी पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर तुरंत बाद इसमें 2 कप पानी डालें और एक उबाल आने दें। जब पानी में उबाल आ जाए, तो भुने हुए ओट्स डालें और अच्छी तरह मिलाएं और आंच धीमी करने के बाद कड़ाही को ढककर 3-5 मिनट तक पकाएं, जब तक कि ओट्स सारा पानी सोख न लें और नरम न हो जाएं। बस फिर बीच-बीच में इसे चेक करते हैं और गैस बंद करने के बाद ऊपर से नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गरमागरम ओट्स उपमा को नारियल की चटनी या अपनी मनपसंद चटनी के साथ परोसें।

घर पर बनाएं होटल स्टाइल कुरकुरी और स्वादिष्ट प्याज की कचौड़ी, नोट कर लें रेसपी

कितने लोगों के लिए : 4

सामग्री : 2 कप मैदा तेल मोयन के लिए नमक पानी प्याज 3 मध्यम आकार के और बारीक कटे हुए सौंफ1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर 1 छोटा चम्मच अमचूर पाउडर आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर आधा छोटा चम्मच हल्दी एक चौथाई छोटा चम्मच हरी मिर्च 2 बारीक कटी हुई अदरक 1 छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ बेसन 2 बड़े चम्मच हरा धनिया बारीक कटा हुआ

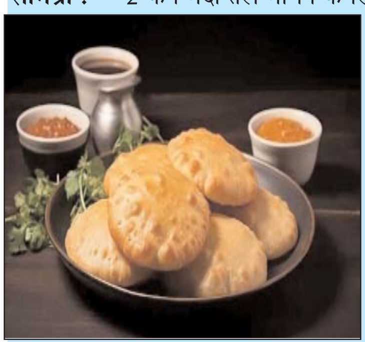

विधि : एक परात में मैदा, नमक और मोयन के लिए तेल डालें। इन्हें अच्छी तरह मिला लें। अब धीरे-धीरे पानी डालकर सख्त लेकिन मुलायम आटा गूंथ लें। इसे सेट होने के लिए रख दें। अब एक कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इसमें सौंफ अदरक, हरी मिर्च और प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक भून लें। अब बेसन डालें और धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए भून लें जब तक बेसन का कच्चापन खत्म न हो जाए। इसमें धनिया पाउडर, हल्दी, लाल मिर्च, अमचूर और नमक मिलाएं। हरा धनिया डालें और भरावन को ठंडा होने दें। इसके बाद आटे की छोटी-छोटी लोइयां बना लें। हर लोई को हल्का सा बेलें, बीच में प्याज की स्टफिंग भरें और इसे बंद कर दें। अब हल्का सा बेल लें, ध्यान रहे कि ज्यादा पतला न हो। कड़ाही में तेल गरम करें वो भी मीडियम आंच पर। कचौड़ियों को धीमी आंच पर धीरे-धीरे सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। गरमा-गरम प्याज की कचौड़ी तैयार है। इसे हरी चटनी या चाय के साथ सर्व करें।

उंगलियां चाटने पर मजबूर कर देगी ढाबा स्टाइल सेव-टमाटर की सब्जी, एकदम सिंपल है इसे बनाने का तरीका

अगर आप रोज-रोज एक जैसी सब्जियां खाकर बोर हो गए हैं और कुछ चटपटा, स्वादिष्ट और नया ट्राई करना चाहते हैं, तो यह ढाबा स्टाइल सेव-टमाटर की सब्जी आपके लिए ही है। जी हां, इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि हर कोई उंगलियां चाटने पर मजबूर हो जाएगा और खास बात है कि इसे बनाना भी मुश्किल काम नहीं है। आइए, जान लीजिए इस जायकेदार सब्जी को बनाने की झटपट वाली रेसिपी।

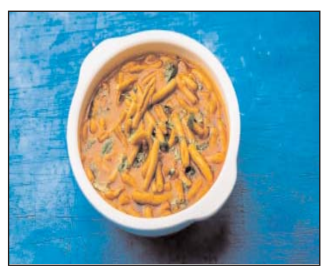

कितने लोगों के लिए : 2

सामग्री :

सेव: 1 कप (मोटे वाले, जो नमकीन में इस्तेमाल होते हैं)

टमाटर: 3-4 मीडियम शेप के (बारीक कटे हुए या प्यूरी)

प्याज: 1 बड़ा (बारीक कटा हुआ)

अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 चम्मच

हरी मिर्च: 1-2 (बारीक कटी हुई, स्वादानुसार)

तेल: 2-3 बड़े चम्मच

हींग: चुटकी भर

जीरा: 1/2 चम्मच

हल्दी पाउडर: 1/2 चम्मच

धनिया पाउडर: 1 चम्मच

लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच (स्वादानुसार)गरम मसाला: 1/2 चम्मच नमक: स्वादानुसार हरा धनिया: बारीक कटा हुआ (सजाने के लिए) पानी: 1-1.5 कप (आवश्यकतानुसार) विधि : सबसे पहले सारे प्याज, टमाटर, अदरक-लहसुन और हरी मिर्च को तैयार कर लें। अगर आप टमाटर की प्यूरी इस्तेमाल कर रहे हैं तो वो भी बना लें। इसके बाद एक कड़ाही में तेल गरम करें। तेल गरम होने पर इसमें हींग और जीरा डालें। जीरा चटकने लगे तो बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भूनें। इसके बाद हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालें। मसालों को धीमी आंच पर कुछ सेकंड के लिए भूनें ताकि उनकी कच्ची महक निकल जाए। फर तुरंत बाद इसमें कटे हुए टमाटर या टमाटर की प्यूरी और नमक डालें। अच्छी तरह मिलाएं और ढककर धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक टमाटर नरम न हो जाएं और तेल अलग न

अविनाश साबले ने 36 साल बाद जीता गोल्ड, ज्योति याराजी ने बनाया नया रिकॉर्ड

गुमी। भारतीय एथलीट एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश कर रहे हैं और प्रतियोगिता के तीसरे दिन भारी बारिश के कारण आई अड़चन के बावजूद उनका लक्ष्य बाधित नहीं हुआ. भारतीय दल ने गुरुवार को 3 गोल्ड मेडल जीतकर तालिका में दूसरा स्थान प्राप्त किया और जापान को पछाड़कर तीसरे स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच गया. कुल मिलाकर, देश ने अब तक 5 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं.100 मीटर बाधा दौड़ में गत विजेता ज्योति ने पहली बाधा दौड़ में धीमी शुरुआत की. हालांकि, चीन की वू यानि और जापान की युमी तनाका के साथ संघर्ष के बीच वह देर से दौड़ में आगे बढ़ीं. भारतीय धावक ने अंतिम बाधा दौड़ के तुरंत बाद अपनी दोनों प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए फिनिश लाइन की ओर दौड़ लगाई. उन्होंने न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि 12.96 सेकंड के समय के साथ चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी बनाया. 3000 मीटर स्टीपलचेज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले ने आसानी से अपने इवेंट पर दबदबा बनाया. उन्होंने 8.20:92 सेकंड के समय के साथ रेस जीती और 1989 में दीना राम के बाद इस स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बन गए. जापान के युतारो नीना (8:24.41) और कतर के जकारिया इलाहलामी (8:27.12) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे. महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने एक और स्वर्ण पदक जीता, जिसमें जिश्ना मैथ्यू, रूपल चौधरी, कुंजा राजिता और सुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने 3:34.19 सेकंड का समय निकाला. उन्होंने 12 साल बाद इस स्पर्धा में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता.पुरुषों की 4×400 मीटर रिले टीम ने कतर (3:03.52) से पीछे रहकर रजत पदक (3:03.67 सेकंड) जीता. जय कुमार, धर्मवीर चौधरी, मनु थेक्किनालिल साजी और विशाल टीके की चौकड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन अंतत: पोडियम के शीर्ष पर पहुंचने में विफल रही.

हरियाणा की राजमिस्त्री की बेटी पूजा का कमाल

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के गुमी में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का चौथा दिन भारतीय महिला एथलीटों के लिए एक उल्लेखनीय दिन रहा, जिन्होंने 2 स्वर्ण पदक

और 1 रजत पदक जीता. कुल मिलाकर, भारतीय एथलीटों ने 4 स्पर्धाओं में पोडियम फिनिश हासिल की और अपने प्रदर्शन से 4 अविश्वसनीय कहानियां लिखीं. लेकिन, इसमें सबसे प्रेरणादायक कहानी पूजा की रही है, जिन्होंने काफी संघर्षों का सामना करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया.18 वर्षीय पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.89 मीटर की छलांग लगाकर देश के लिए स्वर्ण पदक जीता, जो 2000 में बॉबी एलॉयसियस की जीत के बाद से पहला स्वर्ण पदक है. युवा खिलाड़ी ने अपना खुद का अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन 2012 में सहाना कुमारी द्वारा बनाए गए 1.92 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने से चूक गईं. 2007 में हरियाणा के फतेहाबाद जिले के बोस्ती गांव में जन्मीं पूजा की कहानी काफी प्रेरणादायक है. राजमिस्त्री हंसराज की बेटी पूजा की शुरुआती ट्रेनिंग सुविधाएं बहुत साधारण थीं. पूजा ने बांस के डंडों और पराली से भरी बोरियों से बने लैंडिंग एरिया का उपयोग करके कूदना सीखा. यहां से लेकर रिकॉर्ड बुक तक, पूजा ने एक ऐसी जगह से अपना नाम बनाया।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, क्रिस गेल और विराट कोहली के बाद ऐसा करने वाले बने दूसरे बल्लेबाज

मुल्लांपुर। रोहित शर्मा ने गुरुवार 30 मई को मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटन्स के बीच चल रहे आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले के दौरान

ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है. उन्होंने 2 बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं. इस मैच में उन्होंने आईपीएल में 300 छक्के और 7000 रनों का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. रोहित ने आईपीएल इतिहास में 300 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया. रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के दिग्गज सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे क्रिकेटर भी बन गए, जिनके नाम 357 छक्के हैं. रोहित ने 267 मैचों की 261 पारियों में आईपीएल में 300 छक्के पूरे किए हैं. इसके साथ ही रोहित शर्मा विराट कोहली के बाद आईपीएल इतिहास में 7000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए. कोहली 266 मैचों की 258 पारियों में 8618 रन बनाकर इस सूची में सबसे आगे हैं. इस मैच से पहले रोहित शर्मा ने 265 पारियों में 29.60 की औसत से 6953 रन बनाए थे जिसमें 131.83 की स्ट्राइक रेट थी. उनके नाम आईपीएल में 46 अर्धशतक और 2 शतक भी हैं. रोहित ने अब 7038 रन बना लिए हैं. इस मैच में 39 रन पर बल्लेबाजी करते हुए राशिद खान के खिलाफ अपना 300वां छक्का लगाया और 43वां रन बनाकर 7000 रन पूरे किए. रोहित शर्मा के डीप मिड-विकेट पर लगाए गए इस छक्के के साथ राशिद खान एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के खाने वाले खिलाड़ी बन गए. रोहित ने सिर्फ 27 गेंदों पर अपना 47वां अर्धशतक पूरा किया. रोहित ने 50 बॉल में 9 चौके और 4 छक्कों की मदद से 80 रनों की शानदार पारी खेली. आईपीएल 2025 में अब तक रोहित का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है।

साल 2025 का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है : साक्षी मडोलकर

तेज़ी से उभरती एक्ट्रेस साक्षी मडोलकर 2025 में दो दमदार प्रोजेक्ट्स के साथ तहलका मचाने वाली हैं। इन दोनों फिल्मों में वो बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगी एक तरफ साइकोलॉजिकल थ्रिलर, तो दूसरी ओर जंगल में रोमांच से भरपूर कहानी। ये रोल्स ना सिर्फ उनकी एक्टिंग की रेंज दिखाएंगे, बल्कि ये भी साबित करेंगे कि साक्षी अब सिर्फ उभरती नहीं, खुद की सीमाएं तोड़ने वाली कलाकार बन चुकी हैं। साक्षी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में सबसे पहला है नोक नोक, कौन है , जो एक डर और रहस्य से भरी नई वेब सीरीज़ है। इसे सनशाइन प्रोडक्शंस ने बनाया है और ये जल्द ही अमेजन पर रिलीज़ होने वाली है। इस सीरीज़ में साक्षी सिम्मी नाम की एक लड़की का रोल निभा रही हैं, जो एक ऐसे खौफनाक जाल में फंस जाती है जहां एक ऐप, एक ख्वाहिश और एक खूनी की मौजूदगी सब कुछ उलट-पलट कर देती है। ये कहानी डर और सस्पेंस से भरी होगी, और साक्षी इसमें एक अलग ही रूप में नजर आएंगी। साक्षी ने कहा, इस साल का सफर मेरे लिए एक जबरदस्त रोमांच है और मैं इसका हर लम्हा एंजॉय कर रही हूं। उन्होंने कहा, सिम्मी का किरदार निभाना मेरे लिए एक ऐसी चुनौती थी जिसकी उम्मीद नहीं थी, ये रोल इमोशनली बहुत गहरा था, दिमागी तौर पर तगड़ा और हर सीन ने मुझ पर अपनी छाप छोड़ी इस प्रोजेक्ट को गंभीर और पेचीदा बताते हुए साक्षी ने इशारा किया कि नोक नोक, कौन है, कोई आम थ्रिलर नहीं है। यह ऐसी कहानी है जो रातों की नींद उड़ा दे और सिम्मी इस पूरे तूफान के बीचोंबीच है। लेकिन सस्पेंस यहीं खत्म नहीं होता।

धोखे और साज़िशों का खेल प्राइम वीडियो ने लॉन्च किया द ट्रेटर्स का ट्रेलर, 12 जून से होगा प्रीमियर

अगर आप धोखे, माइंड गेम्स और रोमांच से भरे रियलिटी शोज़ के फैन हैं, तो ये खबर आपके लिए है। बता दे कि प्राइम वीडियो ने अपनी नई रियलिटी सीरीज़ द ट्रेटर्स का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है, जो एक इंटरनेशनल हिट शो का भारतीय एडैप्टेशन है। इस शो को होस्ट कर रहे हैं बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता करण जौहर, और इसकी शुरुआत 12 जून को होने जा रही है। शो में हर गुरुवार रात 8 बजे एक नया एपिसोड स्ट्रीम होगा, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगा।

द ट्रेटर्स में 20 लोकप्रिय सेलिब्रिटीज़ भाग ले रहे हैं, जो धोखे और साज़िशों के बीच अपना हुनर और समझदारी साबित करेंगे। इस सीज़न में अंशुला कपूर, आशीष विद्यार्थी, हर्ष गुर्जराल, जान्नत ज़ुबैर, उर्फी जावेद जैसे सितारे शामिल हैं, जो अपनी छुपी हुई चालों से दर्शकों को चौंकाते रहेंगे। इस शो की कहानी एक ऐतिहासिक महल, राजस्थान के रॉयल सूर्यगढ़ पैलेस, से शुरू होती है। जहां इन 20 कंटेस्टेंट्स का एक ही मकसद होगा खिताब जीतना और बड़ा इनाम हासिल करना। शुरुआत में करण जौहर कुछ प्रतिभागियों को गुपचुप तरीके से 'गद्दार' चुनते हैं, और बाकी सभी को 'मासूम' माना जाता है। अब इन मासूमों को गद्दारों को पहचानने का एक मिशन दिया जाता है। अगर वो गद्दारों को सही समय पर न पहचान पाए, तो वे एक-एक करके खेल से बाहर हो सकते हैं।शो में खिलाड़ी अपनी समझदारी और चालाकी से दूसरों को मात देने की कोशिश करेंगे। गद्दारों का एकमात्र उद्देश्य है मासूमों को बाहर करना, और अगर मासूम गद्दारों को समय रहते पहचान लें, तो खेल पलट सकता है। ट्रेलर में जहां झगड़े और विवाद नजर आ रहे हैं, वहीं सीक्रेट प्लानिंग, चौंकाने वाले इल्ज़ाम और इमोशनल मोमेंट्स की झलक भी देखने को मिलती है। प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ़ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक ने इस शो के बारे में कहा, हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। द ट्रेटर्स इस दिशा में एक कदम आगे है, जो भारतीय दर्शकों को एक बिल्कुल नए अनुभव से परिचित कराएगा। यह शो एक ऐसी अनप्रीडिक्टेबल दुनिया में ले जाएगा, जहां हर खिलाड़ी अपने दिमाग से खेलता है।

मदद करने निकले अभिषेक बनर्जी खुद मुसीबत में फंसे, क्राइम-थ्रिलर स्टोलेन का ट्रेलर हुआ रिलीज

अभिषेक बनर्जी की आगामी फिल्म 'स्टोलेन' का दमदार ट्रेलर आज जारी हो गया है। सस्पेंस से भरपूर इस क्राइम-थ्रिलर का ट्रेलर काफी रोचक लग रहा है। जिसे देखने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। लोग अब इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जानते हैं ट्रेलर में क्या है खास।2 मिनट 13 सेकंड लंबे इस ट्रेलर में क्राइम और थ्रिलर की भरपूर डोज देखने को मिलती है। ट्रेलर की शुरुआत एक रेलवे स्टेशन से होती है, जहां एक गरीब महिला के पास से उसके छोटे बच्चे को छीन लिया जाता है और किडनैप कर लिया जाता है। इसके बाद वहां खड़े दो भाई उस महिला की मदद के लिए आगे आते हैं, हालांकि, किडनैपर्स बच्चे को लेकर भाग जाते हैं। इसके बाद दोनों भाई उस महिला के साथ उसकी बच्ची को ढूंढने एक खतरनाक सफर पर निकल पड़ते हैं। इसके बाद कैसे ये दोनों भाई मुश्किलों में फंसते जाते हैं। गांव वालों से लेकर पुलिस तक किडनैपर्स की जगह उन दोनों भाइयों के ही पीछे पड़ जाते हैं। इस दौरान उनके साथ मारपीट भी होती है। ट्रेलर के अंत में अभिषेक बनर्जी खून से लथपथ नजर आते हैं। आखिर कैसे मदद करने निकले दो भाई खुद मुश्किलों में पड़ जाते हैं और क्या महिला को उसका बच्चा मिलेगा? ये 4 जून को फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा।

बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की पकड़ बरकरार, 50 करोड़ रुपये की ओर कमाई

अभिनेता राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 7 दिन पूरे हो गए हैं और पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कॉमेडी और रोमांस से भरपूर इस फिल्म की कहानी टाइम लूप पर आधारित है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे है। टिकट खिड़की पर भूल चूक माफ की कमाई अब 50 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है। आइए जानें फिल्म ने सातवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल चूक माफ ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी पहले 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 44 करोड़ रुपये हो गया है।

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि हर जरूरतमंद के साथ राज्य सरकार खड़ी है, जनकल्याण ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुशासन मतलब है अच्छा शासन। सुशासन तिहार के अंतिम चरण के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बस्तर जिले के ग्राम नारायणपाल पहुंचे। उन्होंने नारायणपाल के देवगुड़ी परिसर में आम के पेड़ के नीचे अपनी चौपाल लगाई और ग्रामीणों से जीवंत संवाद कर योजनाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से बिजली व्यवस्था, राशन वितरण, पीएम आवास योजना और महतारी वंदन योजना के साथ ही गांव में राशन कार्ड की स्थिति, राशन की उपलब्धता, शिक्षकों और पटवारियों की उपस्थिति जैसे बुनियादी मुद्दों पर भी जानकारी ली। च्महतारी वंदन योजनाज् की लाभार्थी श्रीमती सरिता कश्यप ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं, महतारी वंदन से मिलने वाली राशि का उपयोग घरेलू खर्चों और बच्चों के इलाज में करती हैं। श्री जगमोहन कश्यप ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण पूरा होने की जानकारी दी। श्रीमती ललिता बघेल ने बताया कि पहले उन्हें बेल मेटल का काम करने के लिए अपने गहने गिरवी रखने पड़ते थे। अब बिहान योजना के तहत उन्हें 15,000 रूपए की सहायता और बैंक से 1.5 लाख रूपए तक का ऋण मिल रहा है, जिससे उनका काम बेहतर तरीके से चल रहा है। श्रीमती पदमिनी ठाकुर ने बताया कि वे ऑर्गेनिक खाद और कीटनाशक दवाओं के निर्माण से जुड़ी हैं। स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने इस मौके पर मुख्यमंत्री को फ्रूट बास्केट भेंट किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी जरूरतमंदों को आवास मिलेगा, च्आवास प्लसज् में जिनका नाम है, उन्हें भी आवास दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि च्महतारी वंदन योजनाज् में जिन महिलाओं का नाम नहीं जुड़ा है, उनके नाम भी जोड़े जाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार तकनीक के उपयोग से भ्रष्टाचार के सभी रास्ते बंद कर रही है। पंजीयन की नई प्रक्रिया से रजिस्ट्री के साथ नामांतरण की प्रक्रिया को सरल किया गया है। उन्होंने कहा कि 24 अप्रैल से 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र शुरू किए गए हैं। जल्द ही इसका विस्तार सभी ग्राम पंचायतों में होगा।

मुख्यमंत्री साय का आरंग विकासखंड के ग्राम भैंसा में आयोजित समाधान शिविर में सम्बोधन

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि देश के हर गरीब के पास मकान होना चाहिए। आवास प्लस प्लस में सब बचे हुए पात्र लोगों को भी जोड़ा जाएगा। 70 लाख से ज्यादा माता-बहनों के खातों में महतारी वंदन का पैसा दिया जा रहा है। जिनका नाम नही जुड़ा, उनके लिए भी जल्द ही योजना में नाम जोड़ने का काम शुरू किया जाएगा। समाधान तिहार में आज ये मेरा 29 वा ज़िला है। मात्र 5 ज़िला बचा है, मैं हर जिले में जा रहा हूँ, अपने मंत्रीगणों के साथ। गांववालो से मिलकर बात होती है, सभी खुश हैं। लोग बताते हैं कि योजनाओ से मिले आर्थिक सम्बल से सबको लाभ हो रहा है। इस तिहार का आयोजन ही फीडबैक लेने के लिए है, 29 जिलों में हर रोज कही बैठक, कही चौपाल, जनता संतुष्ट है। डेढ़ साल के काम मे सब योजना जनता तक पहुँच रही, सब खुश हैं, शिविर के माध्यम से सबकी समस्या का निदान हो रहा। आज यहां अन्नप्रासन कराया गया और गोदभराई भी की गई। 110 आवास में आज गृह प्रवेश कराया गया , 213 शौचालय की स्वीकृति हुई है। यह फायदा क्षेत्र के लोगों को हुआ है। विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत हो रही है। इसमें केंद्र सरकार के वैज्ञानिक भी आएंगे और राज्य के वैज्ञानिकों के साथ दल बनाकर कार्य करेंगे। 13 लाख किसानों से आने वाले दिनों में सम्पर्क कर हम राज्य में कृषि विकास हेतु कार्य करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक - श्रीमती अमृता सहाय, मालाकुंज बालाजी टोली वार्ड क्रमांक 13 जशपुर पिन कोड 496331 छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, आसमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड जयस्तंभ चौक रायपुर, रायपुर छग से मुद्रित, मो. 9907599002 संपादक प्रशांत सहाय **RNI-CHHHIN/25/A0341**(न्याय क्षेत्र जशपुर होगा।)

जशपुर का मधेश्वर पहाड़ विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग : गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा पर्यटन उपलब्धियों में नया आयाम छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में स्थित मधेश्वर पहाड़ को शिवलिंग की विश्व की सबसे बड़ी प्राकृतिक प्रतिकृति के रूप में मिली है मान्यता

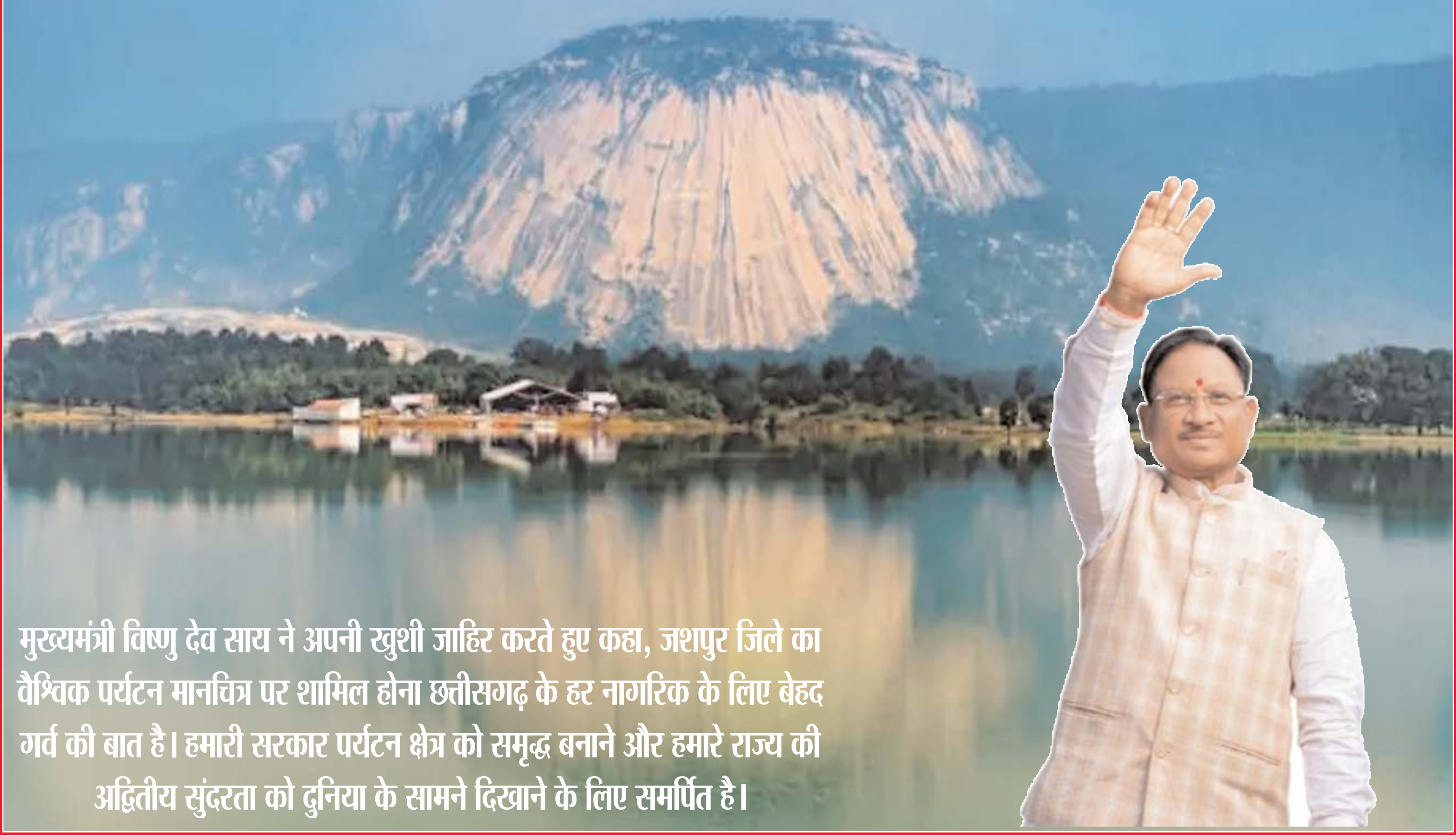

प्रशांत सहाय
संपादक

योगेश थवाईत
प्रबंध संपादक

सुरेन्द्र चेतवानी
सह संपादक

विद्यानंद ठाकुर
सह संपादक

निरंजन मोहंती
सह संपादक

श्रीमती अमृता सहाय
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

पता:- मालाकुंज बालाजी टोली वार्ड क्रमांक 13 जशपुर पिन कोड 496331

जशपुर जिला से राज्य भर में तेजी से फैलता एकमात्र मीडिया समूह

जशपुर वाणी डॉट कॉम मो.9907599002

आज का दिन न्यूज डॉट कॉम मो.9926003999

लोकमंजरी डॉट कॉम मो.9302887876

जशपुर संदेश डॉट कॉम मो.8827712255

पत्रवार्ता डॉट कॉम 7000026456

जशपुर जंक्शन 9424187187

कलम की आवाज डॉट कॉम 70004 14109

जशपुर क्रोनिकल डॉट कॉम 9425574680

समाचार एवं विज्ञापन हेतु संपर्क करें:- मो: 9907599002, 9302887876